खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 30° C
न्यूनतम : 17° C

देहरादून, शुक्रवार 13 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 214 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | फाल्गुन कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2082 | 23 रमज़ान 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

रसोई गैस की कमी मोदी की कूटनीतिक विफलता : खड़गे पेज 2

भारतीय क्रिकेट के लिए अगले 12 महीने होंगे बेहद व्यस्त खेल टाइम्स

पिघलते ग्लेशियर चिंता का विषय सम्पादकीय

युद्ध खत्म करने का ट्रम्प के पास कोई प्लान नहीं पेज 12

अमेरिकी ठिकानों पर हमले जारी रहेंगे: मुजतबा

यूएस-इजरायल से जंग के बीच ईरान के नए सर्वोच्च नेता ने जारी किया पहला बयान, सेना का किया धन्यवाद

तेहरान। ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल के साथ जारी जंग के बीच अपना पहला बयान जारी किया, जिसे गुरुवार को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। खामेनेई खुद कैमरे पर नजर नहीं आए, लेकिन उनके बयान को पूरे देश में दिखाया गया।

बयान में खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का इस्तेमाल ताकत के रूप में किया जाना चाहिए और खाड़ी के अरब पड़ोसी देशों पर हमले जारी रहेंगे। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच यह उनका पहला संदेश है। मुजतबा खामेनेई के सार्वजनिक रूप से दिखाई न देने पर कई रिपोर्ट्स में बताया गया था कि उन्हें युद्ध के दौरान शुरुआती हमलों में चोटें आई थीं। शुरुआती अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों में उनके पिता पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है और अब केवल अमेरिका के ठिकानों को निशाना बना रहा है, जिस पर हमले जारी रहेंगे। मुजतबा खामेनेई ने देश से एकजुटता आह्वान किया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखा जाएगा, ताकि ईरान के दुश्मनों पर दबाव बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम अपने शहीदों के खून का बदला लेंगे। उन्होंने देश की सेना का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने ईरान को विभाजित होने या कब्जे में जाने से बचाया। खामेनेई ने कहा कि मैं बहादुर लड़ाकों का शुक्रगुजार हूं, जो उस समय बेहतरीन काम कर रहे हैं, जब हमारा देश दबाव और हमले का सामना कर रहा है। खामेनेई ने यह भी कहा कि ईरान आगे भी अपनी रक्षा करता रहेगा। यमन और इराक में सशस्त्र समूह ईरान का समर्थन कर रहे हैं। ईरान के नए सर्वोच्च नेता ने कहा कि जो लोग नुकसान झेल चुके हैं, उन्हें आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरे भारतीय झंडे वाले तेल टैंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष अराघची की बातचीत के बाद निकला रास्ता, मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और ईरान-इजरायल- अमेरिका युद्ध के बीच भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हाथ लगी है।

ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को रणनीतिक रूप से अहम 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है। यह घटनाक्रम भारतीय विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद सामने आया है। इसके बाद कम से कम दो भारतीय टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां बढ़ते तनाव के कारण कई अंतर्राष्ट्रीय जहाजों की -शेष पृष्ठ दो पर

23वां रोजा

जरूरतमंदों को दान देने की सीख देता है रोज़ा

रमजान का आखिरी अशरा चूंकि दोजख से निजात का है, इसलिए ज़ेहन में यह सवाल उठना बहुत कुदरती बात है कि जहन्नुम की आग से बचने के लिए क्या कदम उठाए जाएं? इसका जवाब है सच्चे दिल और पाक ज़ज़्बे के साथ अल्लाह की इबादत की जाए, लेकिन फिर यह सवाल है कि दिल सच्चा और ज़ज़्बा पाक कैसे होगा? इसका जवाब है कि जब अल्लाह तौफीक देगा, तो बंदे का दिल सच्चा होगा और जज्बा पाक होगा। यहां फिर सवाल उठता है कि अल्लाह दिल की सच्चाई और ज़ज़्बे की पाकीज़गी की तौफीक किसे देगा? इसका जवाब हमें कुरआने-पाक की सूरह 'लैल' की पांचवीं-छठी और सातवीं आयत में मिलता है। इन आयतों में अल्लाह का इरशाद है-'तो जिसने दिया और परहेज़गारी की और नेक बात को सच जाना उसको हम आसान तरीके की तौफीक देंगे।' इन आयतों की रोशनी में ज़ाहिर हो जाता है कि तौफीक देने वाला अल्लाह है और रोजे़दार के लिए ज़रूरी है कि अल्लाह की इस तौफीक को पाने के लिए वो ज़रूरतमंदों को जकात, सदका और खैरात दे। इसके अलावा परहेज़गारी और नेक बात को सच तस्लीम करे और जाने भी और माने भी। ऐसा परहेज़गार और नेक रोजे़दार अल्लाह से तौफीक पाता है एतेकाफ में बैठने की।

ईरान का ओमान पर बड़ा हमला

सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन से किया अटैक

हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया, खाड़ी देशों में बढ़ा तनाव

ओमान के सुल्तान ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से संपर्क कर कड़ा विरोध दर्ज कराया

मस्कट। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने अब ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में एक नया संकट पैदा कर दिया है, क्योंकि ओमान अब तक इस युद्ध में एक तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा था।

अल जजीरा और ओमान टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन हमलों ने सलालाह बंदरगाह पर स्थित तेल टैंकों को काफी नुकसान पहुंचाया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हमले में किसी भी व्यापारिक जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा है। यह हमला ईरान द्वारा खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर किए जा रहे हमलों का हिस्सा माना जा रहा है। इस हमले के बाद ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सैद ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से संपर्क किया। सुल्तान ने ओमान की धरती पर हुए इन हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसकी निंदा की। उन्होंने साफ किया कि ओमान युद्ध में किसी का पक्ष नहीं ले रहा है। सुल्तान ने कहा कि ओमान अपनी सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। बता दें कि यह हमला उस समय हुआ जब सुल्तान हैथम ने अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता बनने पर बधाई दी थी। ओमान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक सुल्तान ने खामेनेई के चयन पर उन्हें शुभकामना संदेश भेजा था।

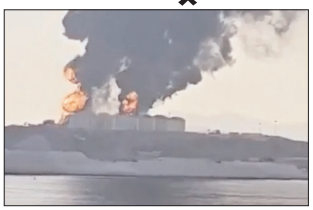

इराक में हुए हमले में एक भारतीय की मौत

ईरानी सुसाइड बोट से टक्कर के बाद अमेरिकी तेल टैंकर में लगी आग

नई दिल्ली। इराक की समुद्री सीमा में एक अमेरिकी तेल टैंकर पर ईरानी सुसाइड बोट ने हमला किया। इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई।

कंपनी ने भारत सरकार से नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और इस हमले के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की मांग की है। इराक के खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास बुधवार को एक अमेरिकी तेल टैंकर पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईरान की एक सुसाइड बोट ने इस टैंकर को निशाना बनाया। यह घटना इराक की समुद्री सीमा के अंदर हुई। जिस जहाज पर हमला हुआ, मृतक का नाम सेफसी विष्णु है। यह अमेरिका का जहाज है और इस पर मार्शल आइलैंड्स का झंडा लगा है। हमले के समय जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। इनमें से एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि बाकी 27 कर्मियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाए गए सभी लोगों को इराक के बसरा शहर ले जाया गया है।

शब्बीर शाह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

शाह टाइम्स ब्यूरो

कोर्ट ने लंबे समय से चल रही न्यायिक हिरासत और ट्रायल में सामने आई कुछ अनियमितताओं पर भी गंभीर टिप्पणी की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को टेरर फंडिंग मामले में जमानत दे दी। उन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 4 जून 2019 को गिरफ्तार किया था।

अदालत ने लंबे समय से चल रही न्यायिक हिरासत और ट्रायल में सामने आई कुछ अनियमितताओं पर भी गंभीर टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता शामिल थे, ने कहा कि शाह को जमानत दी जा रही है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा और जमानत कुछ सख्त शर्तों के साथ दी जाएगी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने शब्बीर अहमद शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस की दलीलें सुनीं। उन्होंने अदालत में पुनः तर्क प्रस्तुत करते हुए कहा कि शाह लंबे समय से जेल में हैं और मुकदमे की प्रक्रिया अभी भी लंबित है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पक्ष रखा और जमानत का विरोध किया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने ट्रायल की प्रक्रिया में कुछ विसंगतियों की ओर भी संकेत किया। अदालत ने कहा कि मामले में मुकदमा अपेक्षा से अधिक लंबा खिंच रहा है और आरोपी लंबे समय से जेल में है। इसी आधार पर अदालत ने फिलहाल शब्बीर अहमद शाह को जमानत देने का फैसला किया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में 4 जून 2019 को शब्बीर अहमद शाह को गिरफ्तार किया था।

माता-पिता की सैलरी ओबीसी क्रीमी लेयर का आधार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर का फैसला केवल माता-पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता। माता-पिता या अभिभावकों के पद (पोस्ट) और सामाजिक स्थिति (स्टेटस) को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों और प्राइवेट या पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को अलग-अलग तरीके से आरक्षण दिया जाए, तो यह अनुचित भेदभाव होगा। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने फैसला दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील को खारिज करते हुए दिल्ली, मद्रास और केरल हाईकोर्ट के फैसलों को सही माना। कोर्ट ने उन यूपीएससी कैंडिडेट्स को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में डाल दिया था। कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ने कैंडिडेट्स को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत पैमाना अपनाया। यह पूरा विवाद उन कैंडिडेट्स से जुड़ा है जिनके माता-पिता पीएसयू, बैंक या इसी तरह के संस्थानों में काम करते थे।

सीईसी के पद से हटाए जा सकेंगे ज्ञानेश कुमार!

लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए, किसी एक सदन में आज जमा होगा नोटिस

नई दिल्ली। लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की गई है। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

सूत्र के मुताबिक, इस नोटिस को शुक्रवार (आज) किसी एक सदन में जमा किया जा सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस सदन में सौंपा जाएगा। इस बीच, विपक्ष के एक नेता ने कहा कि सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर करने में काफी उत्साह दिखाया है। आवश्यक संख्य पहले ही पूरी हो जाने के बावजूद गुरुवार को कई सांसद इस नोटिस पर हस्ताक्षर करने के लिए आगे आए। नियम के मुताबिक, सीईसी को पद से हटाने के लिए लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होने जरूरी हैं। वहीं, राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी हैं। सूत्र ने बताया कि नोटिस पर इंडिया ब्लॉक के राजनीतिक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। एक अन्य सूत्र ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों ने भी इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि आप अब इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए नोटिस दिया जा रहा है।

घर में नमाज पढ़ने से रोकने के मामले में बरेली के डीएम- एसएसपी तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली में एक घर में नमाज पढ़ने पर पुलिसिया कार्रवाई और उसके बाद पीड़ित को मिलीं धमकियों को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को अवमानना का दोषी मानते हुए 23 मार्च को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। कहा है कि तय समय पर उपस्थित नहीं होते हैं, तो गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने तारिक खान की याचिका पर दिया है। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान घर के मालिक हसीन खान ने अदालत के सामने बयान दर्ज कराया। बताया कि 16 जनवरी 2026 को परिवार के साथ वह घर में नमाज पढ़ रहे थे, तब पुलिस उन्हें उठाकर ले गई और उनका चालान कर दिया।

सरकार एलपीजी आपूर्ति पर ध्यान दे: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश में रसोई गैस और तेल की किल्लत का यह शुरुआती दौर है और बदले माहौल में सरकार को ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदर उठाने चाहिए।

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी और तेल की जो स्थिति है, वो अभी शुरुआत है। इस बारे में मैं सदन में बोलना चाहता था, लेकिन कोई नई प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें मंत्री पहले तय करेंगे, फिर मैं बोलूंगा और फिर मंत्री उस पर जवाब देंगे। अभी तैयारी करने की जरूरत है, क्योंकि अभी हमारे पास समय है। प्रधानमंत्री और सरकार को तुरंत इस समस्या से निकलने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। अगर तैयारी नहीं की तो करोड़ों लोगों का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि यह इससे भी बड़ा मुद्दा है कि ईरान हमें ईंधन लेने देता है या नहीं। यह अस्थिरता की तरफ बढ़ने की स्थिति है और जब आप अस्थिर समय में जाते हैं, तो इस हाल में मानसिकता बदलने लगती है, क्योंकि यह पहले जैसी में नहीं रह सकती इसलिए सरकार को सुझाव है कि वह संभावनाओं के बारे में गहराई से सोचना शुरू करे।

देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर तेल खत्म नहीं: सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देश में कच्चे तेल की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य और आरामदायक स्थिति में: पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारत में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई को लेकर सरकार ने बड़ी राहत भरी जानकारी दी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में कच्चे तेल की उपलब्धता फिलहाल पूरी तरह सामान्य और आरामदायक स्थिति में है और किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत हर दिन लगभग 55 लाख बैरल कच्चे तेल का इस्तेमाल करता है और देश दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर है। इसी वजह से पेट्रोल और डीजल जैसे उत्पादों की उपलब्धता को लेकर सरकार को भरोसा है कि आम लोगों को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। देशभर में करीब एक लाख पेट्रोल पंप काम कर रहे हैं और इनमें से अधिकांश सरकारी तेल कंपनियों के हैं। मंत्रालय के मुताबिक किसी भी पंप पर ड्राई आउट यानी तेल खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। एलपीजी को लेकर भी सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। 9 मार्च को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश जारी कर सभी रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद घरेलू उत्पादन बढ़कर 28 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो पहले करीब 25 प्रतिशत था। सरकार का कहना है कि इससे घरेलू गैस की उपलब्धता और बेहतर होगी। सुजाता शर्मा ने यह भी बताया कि भारत अपनी एलपीजी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है।

मुकद्दस रमज़ान की दिली मुबारकबाद

कोहिनूर आर्ट ज्वैलर्स एक अनमोल रिश्ता

- ONLY HALLMARK & HUID CERTIFIED GOLD JEWELLERY SHOWROOM
- LIFE TIME FREE SERVICE

KAJ

सोना, चांदी के जेवरातों के क्रेता व विक्रेता

68- Majra, Dehradun (Uttarakhand)
Mob- 7830677750, 7900900991

संक्षिप्त समाचार

दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने देश में कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से रह रहे बंगलादेश के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों को जहांग. ीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। इनकी पहचान दीप्तू कुमार पाल और रमा बेगम के रूप में हुई है। वे बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। पुलिस ने उनके पास से दो स्मार्टफोन और छह बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी पहले भी गैर-कानूनी तरीके से भारत में आए थे और उन्हें पहले उत्तराखंड से वापस भेजा गया गया था। हालांकि, वे देश में फिर से घुसने में कामयाब रहे और फिर से गैर-कानूनी कामों में शामिल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों कथित तौर पर अवैध गतिविधियों का हिस्सा थे और लोगों को भारत में गैर-कानूनी तरीके से रहने में मदद कर रहे थे।

फारूक पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

श्रीनगर। विभिन्न राजनी. तिक दलों के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इस घटना की गहन जांच की मांग की है। अब्दुल्ला बुधवार रात उस समय बाल-बाल बच गए थे, जब एक व्यक्ति ने एक शादी समारोह में बेहद करीब से उनपर गोली चला दी थी। इस दौरान अब्दुल्ला के साथ उपमुख्यमंत्री सुरिदर चौधरी और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर वानी भी मौजूद थे। आरोपी की पहचान कमल सिंह जामवाल के रूप में हुई है तथा उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हमले पर चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि पुलिस इस 'परेशान करने वाली सुरक्षा चूक' की तह तक जाएगी।

घरेलू एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त, किसी तरह की कमी नहीं है: सरकार

यूपी के कई शहरों में अफवाहों से अफरा-तफरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उस नियम के कारण भी लोगों में घबराहट बढ़ी है, जिसमें पिछले रिफिल के 25 दिन बाद ही नई बुकिंग की अनुमति है

लखनऊ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच उत्तर प्रदेश के कई शहरों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की संभावित कमी को लेकर अफवाहों से घबराहट का माहौल बन गया है। इसके चलते बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ गैस सिलेंडर की बुकिंग कर दी, जिससे कंपनियों के सर्वर धीमे पड़ गए और कई जगहों पर गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग गईं। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त है और किसी तरह की कमी नहीं है।

गैस एजेंसी संचालकों के मुताबिक, हाल ही में लागू किए गए उस नियम के कारण भी लोगों में घबराहट बढ़ी है, जिसमें पिछले रिफिल के 25 दिन बाद ही नई बुकिंग की अनुमति है। संचालकों का कहना है कि हजारों उपभोक्ताओं द्वारा एक साथ बुकिंग करने से ऑनलाइन सिस्टम पर दबाव बढ़ गया और कई जगह सर्वर अस्थाई रूप से प्रभावित हुए। इसके बाद कई उपभोक्ता सीधे गैस एजेंसियों पर पहुंचने लगे। मेरठ में करीब 80 गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ देखी गई। कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की कि बुकिंग के बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी में देरी हो रही है। हालांकि मेरठ गैस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नमोह जैन ने कहा कि घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य है और घबराहट के कारण बार-बार बुकिंग करने से सिस्टम पर दबाव बढ़ा है। जिलाधिकारी वीके सिंह ने भी कहा कि जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है और जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेरठ गैस डीलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नमोह जैन ने किसी भी कमी की चिंता को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि घरेलू एपीजी सप्लाई बिना किसी रुकावट और ठीक-ठाक बनी हुई है। उनके मुताबिक कंज्यूमर्स में घबराहट की वजह से बेवजह और बार-बार बुकिंग हो रही है, जिससे सिस्टम पर दबाव पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के मौजूदा हालात की वजह से लोगों में डर बढ़ गया है, भले ही सप्लाई चेन स्थिर हैं और स्थिति कंट्रोल में है। प्रयागराज में होटल और रेस्तरां संचालकों ने आरोप लगाया कि व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर खुले बाजार में बेचे जा रहे हैं। कुछ होटल संचाल. कों का कहना है कि व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति धीमी होने से कारोबार पर असर पड़ रहा है।

घरेलू गैस की किल्लत नहीं होने देंगे: खन्ना

इटावा। उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ईरान-इजरायल युद्ध से उत्पन्न परिस्थितियों पर सरकार की नजर है और घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की किसी भी तरह की किल्लत नहीं होने दी जाएगी। भाजपा सदर विधायक सरिता भदौरिया के पुत्र रोहित के विवाह समारोह में शामिल होने इटावा पहुंचे श्री खन्ना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि युद्ध के कारण कुछ परिस्थितियां बनी हैं, लेकिन सरकार स्थिति से प्रभावी तरीके से निपट रही है और प्रयास है कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई गैस या अन्य आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के दौरान कानून व्यवस्था बेहतर हुई है।

रसोई गैस की कमी मोदी की कूटनीतिक विफलता

नई दिल्ली, वार्ता

■ प्रधानमंत्री चुनावी दौरों में व्यस्त और देश रसोई गैस की कमी के संकट से त्रस्त: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कूटनीतिक रूप से विफल होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश रसोई गैस की कमी के संकट से जूझ रहा है और मोदी अपनी सरकार की इस विफलता पर ध्यान देने की बजाय चुनावी दौरों में व्यस्त हैं।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में गुरुवार को कहा कि जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है, तो प्रधानमंत्री मोदी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में एलपीजी की भारी कमी है और लोग कतारों में खड़े हैं। कितने सारे छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का खामियाजा भुगतने पर मजबूर हैं, पर सरकार के पास केवल झूठे दावे के अलावा कोई जवाब नहीं। खड़गे ने एलपीजी संकट को सरकार की कूटनीतिक विफलता बताया और कहा 'कूटनीति की विफलता' गंभीर मुद्दा है और ऊर्जा प्रबंधन की नाकामी का नतीजा आज देश की 140 करोड़ जनता भुगत रही है। उन्होंने मोदी को संबोधित करते हुए लिखा- नरेन्द्र मोदी, बहुत हुई 'मन की बात' जरा संसद में आकर करिए मुद्दे की बात।

देश में पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं: पुरी

नई दिल्ली, वार्ता

एलपीजी का उत्पादन 28 प्रतिशत बढ़ा

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल और केरोसिन की कोई कमी नहीं है, एलपीजी उत्पादन में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और सरकार की प्राथमिकता है कि देश में करोड़ों परिवारों की रसोई में खाना पकाने के लिए गैस की कमी नहीं रहे।

ईरान और अमेरिका-इजराइल के युद्ध के कारण देश में होर्मुज जलडमरुमध्य में बने प्रतिकूल हालात का जिक्र करते हुए पुरी ने लोकसभा में कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष में कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद भारत को इसके परिणामों से पार पाना होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद पुरी ने कहा कि दुनिया ने ऐसा संकट ऊर्जा के इतिहास में कभी नहीं देखा। होर्मुज जलडमरूमध्य से 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति होती है। इतिहास में पहली बार वाणिज्यिक पोत परिवहन के लिए होर्मुज को प्रभावी रूप से बंद कर दिया गया है। उन्होंने देश में सामने आ रही एलपीजी सिलेंडर की कमी से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले पांच दिन में एलपीजी उत्पादन 28 प्रतिशत बढ़ा है। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों, गरीबों की रसोई को (एलपीजी की) किसी कमी का सामना नहीं करना पड़े। पुरी ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक पड़ोसी देश ने सारे स्कूल बंद कर दिए हैं।

यूपी बनेगा मेडिकल हब, मिलेंगे युवाओं को रोजगार: सीएम योगी

लखनऊ, वार्ता

■ यमुना एक्सप्रेसवे पर 215 करोड़ के निवेश से लगेगी चिकित्सा उपकरण इकाई

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र में 215.20 करोड़ निवेश से टीआई मेडिकल्स प्रा. लि. की मेडिकल डिवाइस निर्माण इकाई स्थापना और भूमि सब्सिडी को मंजूरी दी।

कंपनी द्वारा गौतमबुद्ध नगर स्थित यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के मेडिकल डिवाइस पार्क क्षेत्र में 4.48 हेक्टेयर भूमि पर करीब 215.20 करोड़ रुपये के निवेश से चिकित्सा उपकरण निर्माण इकाई स्थापित की जाएगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश की एफडीआई, एफसीआई और फॉर्च्यून इंडिया-500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत प्रस्तावित है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार कंपनी को अनुमन्य सब्सिडी के तहत 14.77 करोड़ रुपये की राशि प्रतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। यह राशि केंद्र सरकार की मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के अंतर्गत पहले से प्राप्त सब्सिडी को समायोजित करने के बाद दी जाएगी। इस निवेश से प्रदेश में मेडिकल डिवाइस निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह पहल राज्य को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगी।

राष्ट्रपति के अयोध्या आगमन और रामनवमी को लेकर तैयारियां समय से हों पूरी: योगी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे और राम नवमी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

समाज में नकली संतों का अंत होगा: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के कृष्णानगर क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और कहा कि शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलने से समाज में फैले नकली संतों का अंत होगा। यादव दोपहर करीब 12:30 बजे अपने आवास से कृष्णानगर स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद लेने आए थे। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरुआत से पहले शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलना सौभाग्य की बात होती है।

उन्होंने गोरक्षा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि समा. जवादी सरकार के समय गायों की सेवा और संरक्षण के लिए कई फैसले लिए गए थे और भविष्य में भी गायों की सेवा के लिए जो संभव होगा, वह किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद संतों को हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं। गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बुधवार को लखनऊ से गोरक्षा जनजागरण अभियान की शुरुआत की है। इससे पहले वह 8 मार्च को वाराणसी से यात्रा शुरू कर विभिन्न जिलों का दौरा करते हुए 11 मार्च को लखनऊ पहुंचे थे।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 76034.42
निफ्टी 23866.85

सोना 161557
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 267182
प्रति किलो

स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट जारी, प्रमुख शेयर सूचकांक और एक प्रतिशत तक नीचे आए

मुंबई, वार्ता

पश्चिम एशिया में युद्ध की विभीषिका गहराने और फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं से ईंधन बाजार पर दूरगामी असर की आशंकाओं के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में जारी गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख शेयर सूचकांक लगभग एक प्रतिशत नीचे बंद हुए। आज के कारोबार में बैंकिंग, वित्तीय सेवा और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर था।

बीएसई 30 में बिजली क्षेत्र की एनटीपीसी और पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और एचसीएल को छोड़ कर 24 शेयर गिरावट घाटे में बंद हुए। बाजार कल भी गिरावट में था। मुंबई बाजार में सबसे ज्यादा खरीदे-बेचे जाने वाले 30 शेयरों पर आधारित बीएसई 30 सेंसेक्स कल की तुलना में 829.29 अंक (1.08 प्रतिशत) गिर कर 76,034.42 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 प्रमुख शेयरों पर आधारित निफ्टी-50 भी 227.70 अंक (0.95 प्रतिशत) गिरकर 23,628 .65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 394.75 अंक टूटकर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ था। बीएसई 30 आज 76,369.65 पर खुला और कारोबार के दौरान इसका अधिकतम स्तर 76,681.71 तथा निम्नतम स्तर 75,871.18 रहा। इसी तरह 23,674.85 पर खुल कर ऊपर में 23,833.15 और नीचे में 23,556.30 तक गया था। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। ईरान की लड़ाई के बाद फारस की खाड़ी में हार्मूज जल-डमरूमध्य मार्ग से गुजरने वाले समुद्री नौवहन मांग में टैंकर पोत परिवहन प्रभावित हुआ है। फारस की खाड़ी में पिछले कुछ दिन से कई पोतों पर सैन्य हमलों के कारण चिंता बढ़ गई है। इस मार्ग से विश्व में करीब 20 प्रतिशत ईंधन की ढुलाई होती है। इसके प्रभावित होने के कारण वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कीमतें उछाल पर हैं।

लगातार दूसरे दिन सोने और चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली। सोने और चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। दो दिन गिरावट की वजह से चांदी का भाव 2.67 लाख रुपये प्रति किलो के आसपास आ गया है। हालांकि सोने की कीमत 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर बनी हुई है। सुबह 10 बजे के आसपास चांदी में 900 रुपये प्रति किलो से ज्यादा की तेजी देखी जा रही है। इसके साथ ही सोने में 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा का उछाल है। सुबह 10 बजे के आसपास 10 ग्राम सोने का दाम 1,61,557 रुपये चल रहा था। इसमें 232 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट है। सोने ने 12 मार्च सुबह 10 बजे तक 1,61,081 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो और 1,62,991 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई बनाया है। सुबह 10.02 बजे 1 किलो चांदी का दाम 2,67,182 रुपये चल रहा था। इसमें 1309 रुपये प्रति किलो की गिरावट है। चांदी ने अब तक 2,66,174 रुपये प्रति किलो का लो और 2,74,665 रुपये प्रति किलो का हाई बनाया है। देश के महानगरों पटना में 10 ग्राम सोने का भाव 161,780 रुपये, जयपुर में 161,850 , कानपुर में 163,270 , लखनऊ में 163,270, भोपाल में 163,400 , इंदौर में 163,400 और चंडीगढ़ में 163,220 रुपये था।

लौह अयस्क अपशिष्ट को सड़क निर्माण में उपयोग के लिए होगा अनुसंधान

नई दिल्ली, वार्ता

सड़क निर्माण में लौह अयस्क के अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एजेंसी वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान परिषद के तहत परिचालित केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान और इस्पात क्षेत्र की अग्रणी कंपनी आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के बीच अनुसंधान एवं विकास में सहयोग के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानक. ारी देते हुए कहा कि यह करार सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के अवसर पर किया गया। इस कार्यक्रम में हरित अवसंरचना विकास के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था और अपशिष्ट से धन रूपांतरण के महत्व को उजगार करते हुए सीएसआईआर की महानिदेशकडा. एन. कलैसेल्वी ने कहा कि सड़क निर्माण में लौह अयस्क अपशिष्ट के संभावित उपयोग से खनन अपशिष्ट से हरित सड़कों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

इस्पात स्लैग जैसी अपशिष्ट सामग्री को इस्पात स्लैग सड़क निर्माण में परिवर्तित करने के लिए संस्थान के अग्रणी कार्य की सराहना करते हुए, सीएसआईआर के महा. निदेशक ने बताया कि ओडिशा, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में फैले विभिन्न लौह अयस्क शोधन संयंत्रों से देश में प्रतिवर्ष लगभग 180-200 लाख टन लौह अयस्क अपशिष्ट उत्पन्न होता है जिसके जमा होने से पर्यावरणीय और आर्थिक चुनौतियां खड़ी होती हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उद्योग जगत के साथ मिल कर इस अनुसंधान एवं विकास समझौता से लौह अयस्क अपशिष्ट प्रबंधन की बढ़ती चुनौती का समाधान निकलेगा। इस पहल में सीएसआईआर सीआरआरआई के शोधकर्ता प्रयोगशाला जांच, सामग्री लक्षण वर्णन और सड़क डिजाइन का अध्ययन करेंगे।

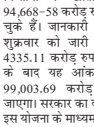

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काज़ीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

उपभोक्ता परिषद विद्युत नियामक आयोग से की स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नियमों में संशोधन की अपील

लखनऊ। लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़े उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) में नियमों में संशोधन का प्रस्ताव दाखिल किया है। परिषद ने मांग की है कि पॉजिटिव बैलेंस होने के बाद बिजली कनेक्शन बहाल करने की समय सीमा वर्तमान दो घंटे से घटाकर अधिकतम 10 मिनट की जाए।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

होर्मुज स्ट्रेट...

आवाजाही प्रभावित हुई है। यह अनुमति भारत के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि वर्तमान में इस क्षेत्र से गुजरने वाले अमेरिका, यूरोप और इजरायल के जहाजों को प्रतिबंधों और हमलों के गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ संघर्ष अब 12वें दिन में पहुंच गया है। लगातार बढ़ते तनाव के कारण क्षेत्र में समुद्री यातायात लगभग ठप हो गया है और वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। ईरान ने भी इस दौरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। तेहरान का कहना है कि केवल वे जहाज सुरक्षित रूप से गुजर सकते हैं, जो अमेरिका और इजरायल के हितों से जुड़े नहीं हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच लगभग 55 किलोमीटर चौड़ा समुद्री मार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है। सामान्य परिस्थितियों में यहां से प्रतिदिन करीब 1.3 करोड़ बैरल तेल गुजरता है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 31 प्रतिशत है। इस मार्ग में बाधा आने से इराक, कुवैत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात पर सीधा असर पड़ता है। दुनिया के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का भी बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। इसलिए यहां तनाव बढ़ने पर वैश्विक बाजार, सप्लाई चेन और ऊर्जा कीमतों पर तुरंत असर देखने को मिलता है। रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक ईरान के पास ऐसे एंटी-शिप मिसाइल, ड्रोन, तेज हमला करने वाली नौकाएं और समुद्री बारूदी सुरंगें हैं, जिनकी मदद से वह पूरे होर्मुज क्षेत्र में जहाजों को निशाना बना सकता है। यही वजह है कि इस समुद्री मार्ग पर बढ़ता तनाव वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। ईरान द्वारा विदेशी जहाजों को निशाना बनाए जाने के बीच केवल भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिलना भारत की स्वतंत्र कूटनीति का परिणाम माना जा रहा है। इस कदम से युद्ध और नाकेबंदी के मौजूदा हालात में भी भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृखला के सुचारू रूप से चलते रहने में मदद मिलेगी।

2027 के यूपी विस चुनाव में ताकत दिखाएंगे विपक्षी दल

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ काशीराम जयंती पर बसपा व सपा का कार्यक्रम 15 को, कांग्रेस का 13 मार्च को

लखनऊ। यूपी 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है, सभी पार्टियों ने दलितों को अपने पाले में लाने की कवायद तेज कर दी है। 15 मार्च को काशीराम जयंती पर मायावती लखनऊ में बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है, वहीं समाजवादी पार्टी ने इसे 'बहुजन समाज दिवस' य' पीडीए दिवस' के रूप में मनाने का ऐलान किया है। इसके अलावा कांग्रेस भी 13 मार्च को लखनऊ में सोशल ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्फ्रेंस आयोजित कर रही है, इसमें राहुल गांधी शामिल हो सकते हैं।

बहुजन समाज पार्टी ने अपने संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती पर 15 मार्च 2026 को पूरे देश में अपनी राजनीतिक ताकत का भव्य प्रदर्शन करने की तैयारी की है। पार्टी सुप्रीमो मायावती के निर्देश पर बसपा के भव्य प्रदर्शन का यह कार्यक्रम खासतौर पर उन राज्यों में फोकस है, जहां आने वाले एक-डेढ़ साल में विधानसभा चुनाव होने हैं। लखनऊ में कांशीराम स्मारक स्थल पर मुख्य आयोजन होगा, जहां दो लाख से अधिक समर्थकों, कार्यकर्ताओं और पदा. धिकारियों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ चलो अभियान जोर-शोर से चलाया है। प्रदेश के 12 मंडलों के कार्यकर्ताओं को लखनऊ पहुंचने का आह्वान किया गया है। बाकी छह मंडलों के लोगों को नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कहा गया है।

बसपा सूत्रों के मुताबिक यह आयोजन सिर्फ श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति और संगठनात्मक मजबूती का संदेश देने वाला होगा। मायावती ने कांशीराम जयंती को बहुजन आंदोलन की विरासत को मजबूत करने का अवसर बनाया है। यूपी के अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब में भी बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी ने विभिन्न राज्यों के लिए जिम्मेदारियां बांटी हैं।

असम से जारी होगी पीएम किसान निधि की 22वीं किस्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

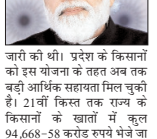

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा असम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की जाएगी। इस किस्त के तहत उत्तर प्रदेश के 2-15 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 4335-11 करोड़ रुपये भेजे जाएंगे।

सरकार के अनुसार योजना के तहत पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवम्बर 2025 को कोयंबटूर से किसानों के खातों में इस योजना की पिछली किस्त जारी की थी। प्रदेश के किसानों को इस योजना के तहत अब तक बड़ी आर्थिक सहायता मिल चुकी है। 21वीं किस्त तक राज्य के किसानों के खातों में कुल 94,668-58 करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को जारी होने वाली 4335.11 करोड़ रुपये की राशि के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 99,003.69 करोड़ रुपये हो जाएगा। सरकार का कहना है कि इस योजना के माध्यम से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ ही खेती-किसानी को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

गैरसैंण बजट सत्र: सदन में गूंजा घरेलू गैस किल्लत का मुद्दा

विधानसभा अध्यक्ष बोलीं, गैस की कालाबाजारी पर सख्ती बरतें

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन सदन में गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी का मुद्दा उठा। विपक्ष ने नियम 58 के तहत इस विषय पर चर्चा की मांग की। जिसे विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने स्वीकार किया। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने सरकार और प्रशासन को जमाखोरी व ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सदन में प्रश्नकाल के दौरान विधायकों ने हंगामा भी दिया। जिसके बाद स्पीकर ने सत्र कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया।

सदन में चर्चा के दौरान विपक्ष की ओर से कहा गया कि प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर चिंता की स्थिति बन रही है। कई स्थानों पर जमाखोरी और कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही हैं. नेता प्रतिपक्ष ने कहा

■ स्पीकर ने ब्लैक मार्केटिंग रोकने के दिए निर्देश

सरकार का दावा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कोई कमी नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में गैस की भारी किल्लत की आशंका है।

उन्होंने कहा प्रदेश में लगभग 29 लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। केवल देहरादून में ही करीब 70 गैस एजेंसियां संचालित हो रही हैं, इसके बावजूद पहाड़ी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की स्थिति मैदानों से भी ज्यादा खराब बताई जा रही है। उनका कहना था कि कई जगह उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने भी इस मामले पर सख्त रुख अपनाया. उन्होंने पीठ से निर्देश देते हुए कहा कि गैस एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है, इसलिए सरकार और प्रशासन को इसकी जमाखोरी, डायवर्जन और ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा आम जनता को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है. इसलिए इस विषय पर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

संसदीय कार्यमंत्री ने रखा सरकार का पक्ष

बजट सत्र के चौथे दिन सदन में गैस सिलेंडर की किल्लत पर संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने सदन में सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और युद्ध जैसे हालात के बीच वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां सामने आ रही हैं, लेकिन राज्य सरकार इस बात को लेकर गंभीर है कि प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडर की कोई किल्लत न हो। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिए गए हैं। वे समय समय पर स्थिति की समीक्षा करें और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

भूकंप चेतावनी को 500 स्थानों पर लगेंगे सेंसर: सुबोध

राज्य में भूकंप चेतावनी प्रणाली के लिए 500 स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे। पहले चरण में सरकार ने 115 करोड़ की लागत से 169 स्थानों पर सेंसर स्थापित कर चुकी है। गुरुवार को सदन में काजी निजामुद्दीन के अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, भूकंप की दृष्टि से उत्तराखंड संवेदनशील है। भूकंप की चेतावनी के लिए 500 स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे। मैंपिंग कराने के बाद 169 स्थानों पर सेंसर लगाए गए हैं, इसमें 128 वर्तमान में संचालित हैं। नेपाल व हिमाचल से सटी सीमाओं के अलावा भूकंप की दृष्टि से थ्रस्ट क्षेत्रों में सेंसर स्थापित किए जा रहे हैं। इससे भूकंप आने की चेतावनी मिलने से समय पर बचाव किया जा सकेगा।

चारधाम यात्रा में नहीं होगी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी

यमुनोत्री क्षेत्र के विधायक संजय डोभाल के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी नहीं रहेगी। उत्तरकाशी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट में रोटेशन के आधार पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। 30 डॉक्टर पीजी कर लौटे हैं, जल्द ही उन्हें तैनाती की जाएगी।

कैंसर अस्पताल का 90 प्रतिशत काम पूरा: डॉ. रावत

गैरसैंण बजट सत्र का चौथा दिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में चल रहे बजट सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत के विभागों से जुड़े कई मुद्दे सदन में उठे। स्वास्थ्य सेवाओं, गोल्डन कार्ड, कैंसर अस्पताल, खाद्य पदार्थों में मिलावट और शिक्षा विभाग की योजनाओं पर विधायकों ने सवाल किए गए।

इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा और खाद्य सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने सवाल पूछे, जिनका मंत्री ने जवाब दिया। सबसे पहले अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने प्रदेश में स्वास्थ्य कर्मियों की पेंशन और गोल्डन कार्ड योजना को लेकर सवाल उठाया. इस पर स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने गोल्डन कार्ड योजना के लाभार्थियों के आंकड़े सदन के सामने रखे।

विपक्ष की ओर से पूछा गया कि गोल्डन कार्ड योजना में कर्मचारियों का कितना भुगतान बाकी है. मंत्री ने जवाब दिया कि करीब 37 हजार कर्मचारियों के लगभग 168 करोड़ रुपये की पेंडेंसी है. वहीं डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने देहरादून में बन रहे कैंसर अस्पताल को लेकर सवाल किया. इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हर्रावला में लगभग 125 करोड़ रुपये की लागत से कैंसर अस्पताल बनाया जा रहा है और इसका करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। शिक्षा विभाग से जुड़े अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में एलटी और प्रवक्ता के खाली पदों को लेकर भी सवाल उठाया गया. इस पर शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि जल्द ही इन पदों पर शत प्रतिशत नियुक्तियां की जाएंगी।

गोल्डन कार्ड योजना को लेकर उठाया सवाल: कांग्रेस विधायक वीरेंद्र ने भी गोल्डन कार्ड योजना को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा कि विधायकों का भी गोल्डन कार्ड बनना था। इस पर मंत्री ने कहा कि गोल्डन कार्ड एक अंशदायी योजना है और इस संबंध में कर्मचारी संगठनों के साथ बात. चीत चल रही है।

वहीं, पिथौरागढ़ के बेस अस्पताल को लेकर कांग्रेस विधायक मयूख मेहर ने सवाल उठाया. उन्होंने पूछा कि अस्पताल के निर्माण से पहले भौगोलिक सर्वे किया गया था या नहीं और क्षेत्र में हो रहे भू धंसाव को लेकर भी चिंता जताई. इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिथौरागढ़ में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भू वैज्ञानिकों के सर्वे के बाद ही शुरू किया गया था, लेकिन यदि किसी तरह की समस्या सामने आती है तो आईआईटी रुड़की से दोबारा सर्वे कराया जाएगा।

31 मार्च से पहले होगा टेस्ट लैब का उद्घाटन

सदन में खाद्य पदार्थों में मिलावट और भ्रामक मामलों का मुद्दा भी उठा। विधायक बृजभूषण गैरोला ने एफडीए में खाली पदों और देहरादून में खाद्य परीक्षण लैब को लेकर सवाल किया। इस पर विभागीय मंत्री ने बताया कि हर साल खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जाते हैं। पिछले दो वर्षों में कुल 3311 सैंपल लिए गए, जिनमें से 330 सैंपल फेल पाए गए और इन मामलों में न्यायालय में वाद चल रहे हैं। देहरादून में टेस्टिंग लैब बनकर तैयार है और 31 मार्च 2026 से पहले इसका उद्घाटन किया जाएगा। ऑनलाइन खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर भी सदन में सवाल उठा। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि जांच केवल छोटे व्यापारियों पर होती है, जबकि बड़े मॉल और सुपर मार्केट में जांच कम होती है। इस पर मंत्री ने कहा कि जहां भी सदस्य बताएंगे वहां जांच की जाएगी और जल्द ही कार्रवाई शुरू होगी।

कैंसर को नोटिफाई करने के लिए नई गाइडलाइन

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैंण। बजट सत्र में पूछे गए एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि कैंसर को नोटिफाई करने के लिए नई गाइडलाइन जारी की जाएगी। ताकि नीति स्तर पर इस बीमारी से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

■ बजट सत्र के दौरान पूछे गए सवालों के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दिए जवाब

विधायक विनोद चमोली ने कहा कि पहले खाद्य निरीक्षण का काम स्थानीय निकायों के पास था और उनके पास मजबूत तंत्र भी था। उन्होंने सुझाव दिया कि मिलावटखोरी के खिलाफ कार्रवाई में निकायों को भी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

इस पर मंत्री ने आश्वासन दिया कि इस मामले पर विचार किया जाएगा। यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया।

उन्होंने बड़कोट और चिन्यालीसौड़ में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीन की उपलब्धता को लेकर सवाल किया। इस पर मंत्री ने बताया कि चिन्यालीसौड़ में दोनों मशीनें उपलब्ध हैं, जबकि बड़कोट में अभी एक्सरे मशीन है और अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था रोटेशन के आधार पर की जाएगी।

डॉ. अंबेडकर के नाम पर होंगे दो डिग्री कालेजों के नाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सवाल के जवाब देते हुए कहा प्रदेश में दो डिग्री कालेजों का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा।

सदन में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इसकी जानकारी दी। सदन में तिलकराज बेहड़ ने कहा, राज्य में 118 राजकीय महाविद्यालय हैं, लेकिन एक भी महाविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर नहीं है। किच्छा महाविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर रखा जाए।

इस पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, सरकार ने महापुरुषों के नाम पर कई महाविद्यालयों का नाम रखा है। जनभावना के अनुरूप नाम रखा जाता है, इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित होती है। जो इसके लिए सिफारिश करती है। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि महाविद्यालयों का नाम महापुरुषों के नाम पर रखे जाने की रिपोर्ट आने पर अगली कार्रवाई की जाएगी। भाजपा विधायक अरविंद पांडे ने कहा, गुलरभोज व अन्य क्षेत्रों में वर्षों से बसे लोगों को जमीन पर मालिकाना हक दिया जाए। मो. शहजाद ने कहा, क्षेत्र में किसानों की समस्याओं को उठाया।

उन्होंने बताया कि गन्ने की फसल में रोग से उत्पादन में गिरावट आई है। जबकि हरिद्वार मिल बंद होने के कगार पर है।

जौनसार-बावर में 'माफी की लकड़ी' पर रोक का मुद्दा सदन में उठा

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

भराड़ीसैण। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जौनसार-बावर क्षेत्र में मिलने वाली पारंपरिक 'माफी की लकड़ी' का मुद्दा जोर-शोर से उठा। कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने कार्यस्थगन प्रस्ताव के माध्यम से सरकार से इस पर लगी रोक हटाने की मांग की।

■ प्रीतम सिंह ने की सरकार से बहाल करने की मांग

प्रीतम सिंह ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र जौनसार-बावर के लोगों को पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से माफी की लकड़ी मिलने की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1872 में दर्ज दस्तावेज 'वाजुल-उल-अर्ज' की दफा 13 में इस क्षेत्र के वन अधिकारों और संसाधनों के बंटवारे का स्पष्ट उल्लेख है। इसके तहत ग्रामीणों को खेती के औजार बनाने, मकान निर्माण और अन्य जरूरतों के लिए वन विभाग से माफी की लकड़ी लेने का अधिकार दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 1920 में नोटिफाइड 'पन्नालाल सेटलमेंट' के तहत भी जौनसार-बावर के जनजातीय लोगों को वन विभाग से माफी की लकड़ी प्राप्त करने का अधिकार सुनिश्चित किया गया था। कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्षों से 'माफी की लकड़ी' पर रोक लगाकर जनजातीय लोगों के पारंपरिक अधिकारों और हक-हकूकों पर कुठाराघात किया है। उन्होंने सदन में मांग करते हुए कहा कि विगत वर्षों से रोकी गई 'माफी की लकड़ी' को इसी वित्तीय वर्ष में वन विभाग द्वारा जारी किया जाए, ताकि जौनसार-बावर के लोगों को उनका पारंपरिक अधिकार मिल सके।

गैरसैंण में स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में चल रहे बजट सत्र के चौथे दिन की कार्रवाई के लिए जाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, साथ में हैं विधायक आदेश चौहान और सुरेश गढ़िया।

खेल विश्वविद्यालय के लिए वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ी, 8.57 करोड़ स्वीकृत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने हल्द्वानी के गोलापार क्षेत्र में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय और उससे जुड़ी खेल अवसंरचना परियोजना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए 8 करोड़ 57 लाख 13 हजार 171 रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। शासन की ओर से जारी आदेश में यह धनराशि खेल विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वन विभाग की भूमि की आवश्यकता थी, जिसे केंद्र सरकार से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। वन भूमि के उपयोग के बदले नियमानुसार राज्य सरकार को प्रतिपूरक व्यवस्था करनी होती है। इसके तहत जिन पेड़ों का नुकसान होगा, उनकी भरपाई के लिए अन्य स्थानों पर नए वृक्ष लगाए जाने और उसके लिए आवश्यक भूमि तथा धनराशि उपलब्ध कराना अनिवार्य होता है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इसी प्रतिपूरक वृक्षारोपण और उससे जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने यह धनराशि स्वीकृत की है। आदेश के अनुसार स्वीकृत राशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2025-26 में परियोजना से जुड़े सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण, परामर्श और अन्य प्रक्रियात्मक कार्यों के साथ-साथ प्रतिपूरक वृक्षारोपण से संबंधित व्यवस्थाओं पर किया जाएगा। मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस आदेश के जारी होने के बाद खेल विश्वविद्यालय परियोजना से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने का रास्ता साफ हो गया है और अब मैदान स्तर पर व्यावहा. रिक कार्य शुरू होने की प्रक्रिया तेज होगी।

■ खेल विश्वविद्यालय के लिए अब मैदान स्तर पर व्यावहारिक कार्य शुरू होने की प्रक्रिया तेज होगी: रेखा आर्या

आज से नगर निगम चलाएगा संपत्तियों का सत्यापन अभियान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर आयुक्त नमामि बंसल अध्यक्षता में गुरुवार को भवन कर वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में पाया गया कि विभिन्न वार्डों में आवासीय/अनवासीय एवं कुछ सरकारी संस्थाओं द्वारा अपने भवन कर धनराशि का भुगतान नगर निगम कार्यालय को नहीं किया है, जिसके क्रम में भवन कर की वसूली के लिए शुक्रवार से सभी वार्डों में संपत्तियों का सत्यापन करा अभियान चलाया जा रहा है। जिन वार्डों की संपत्तियां भवन कर के दायरे में नहीं है, उनको भवन कर के दायरे में लाने के लिए व्यापक रूप से सत्यापन का अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही नगर आयुक्त ने आवंटित वार्डों में शत प्रतिशत भवन कर वसूली के लिए भी निर्देशित किया गया। इस कार्य के लिए कर अधीक्षक, कर निरीक्षक को अपने-अपने वार्डों में अभियान चलाए जाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जिन करदाताओं के भवन कर की धनराशि 10,000 से कम है वह करदाता नगर निगम द्वारा व्हाट्सएप पोर्टल के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

■ भवन कर के दायरे में संपत्तियों को लाने के लिए भी होगा वेरीफिकेशन

इन दूरभाष नंबरों पर ली जा सकेगी भवन कर की जानकारी

भवन करदाताओं द्वारा अपने भवन कर के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए दिए गए नंबर 7409777799, 9456548005, 8191800195, 9761260443, 7895723664 पर दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

मेधावी छात्रों का पूरा ध्यान, छात्रवृत्ति योजना 'वरदान'

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धामी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है।

यही वजह है कि अभी तक प्रदेश के 21 हजार 743 बच्चों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में सबसे ज्यादा 17 हजार 852 मेधावी बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

धामी सरकार ने समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के पात्र मेधावी बच्चों में अभी तक 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ की धनरा. शि वितरित की है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के साथ ही डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना, श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कोर छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इसके अलावा, प्रदेश से बाहर के सैनिक स्कूल में पढ़ रहे मेधावी छात्रों को भी धामी सरकार छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान कर रही है।

विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में छह से 12 वीं तक के मेधावी बच्चों को 600 से लेकर 1200 रूपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 3289 मेधावी बच्चें लाभान्वित हुए हैं, जबकि डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 527 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली हैं।

■ प्रदेश में अभी तक 21 हजार से ज्यादा बच्चों को मिल चुका है लाभ
■ राज्य सरकार ने बांटी 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ रूपये की छात्रवृत्ति
■ मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में लाभान्वित हुए सर्वाधिक बच्चे

मिलावटखोरों पर और शिकंजा कसने की तैयारी

■ हर माह एक सप्ताह का विशेष अभियान चलेगा, स्टाफ की कमी भी होगी दूर

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों पर धामी सरकार का शिकंजा अब और कसेगा।

त्योहारों के समय ही नहीं, बल्कि हर माह में एक सप्ताह खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसके अलावा, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में स्टाफ की कमी को भी दूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कतई बख्शा न जाए।

हर महीने अभियान, हाट-मेलों पर खास ध्यान: विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन बृहस्पतिवार को सरकार ने साफ किया कि खाद्य पदार्थों की जांच का काम तेजी से चल रहा है। इसकी गति और तेज की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि हाट-मेलों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को खास तौर पर चेक किया जाएगा।

दूर होगी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी

प्रदेश में वर्तमान में 28 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार ने लोक सेवा आयोग को अधियाचन भेजा है। सरकार का कहना है कि आयोग से भर्ती प्रक्रिया में यदि देर होती है, तो प्रतिनियुक्ति के जरिये भी इन पदों को भरने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के खाली पदों को जल्द से जल्द भरने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने यह भी बताया कि देहरादून में टेस्टिंग लैब का कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा हो जाएगा।

खाद्य पदार्थों की जांच-दो वर्ष का हिसाब

वर्ष 2023-24

- इस वर्ष में खाद्य पदार्थों के कुल 1627 नमूने लिए गए, जिसमें से 171 फेल हुए। इसके आधार पर 171 वाद पंजीकृत कराए गए।

वर्ष 2024-25

- इस वर्ष में खाद्य पदार्थों के 1684 नमूने लिए गए, जिसमें से 159 फेल हुए। इस आधार पर 159 वाद दायर किए गए।

राज्य में खाद्य एवं रसद व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र , देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है।

राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

■ सीएम धामी के निर्देश पर उठाया गया कदम

चलते ट्रक में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कैंपटी रोड पर इंदिरा कॉलोनी के पास ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई थी. देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम दो फायर टेंडरों के साथ मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि ट्रक सीएनजी गैस से संचा. लित था, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रक कैंपटी की ओर से मसूरी की तरफ आ रहा था. इसी दौरान इंदिरा कॉलोनी के पास अचानक ट्रक से धुआं और चिंगारियां निकलने लगीं।

किडनी डे: गुर्दा बचाने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हैल्थ साइंसेज के किडनी रोग विभाग की ओर से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर गुरुवार को जागरूकता रैली एवम् एक सेलीब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के 200 डॉक्टरों एवम् स्टाफ ने किडनी जागरुकता रैली में बढ़चढ़ कर भाग लिया। हर वर्ष मार्च माह के द्वितीय गुरुवार को दुनिया भर में विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 12 मार्च को दुनियाभर में विश्व किडनी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रैली में शामिल सभी लोगों ने जनजागरूकता के माध्यम से किडनी बचाने का संकल्प लिया। किडनी रोगों से बचाव एवम् रोकथाम विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। गुरुवार को श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंसेज परिसर से रैली का शुभारंभ हुआ। एसजीआरआर

- श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में विश्व किडनी दिवस पर बोले विशेषज्ञ
- संतुलित आहार, व्यायाम व स्वच्छ जल अपनाइए स्वयं को गुर्दा रोगों से बचाइए

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ उत्कर्ष शर्मा, श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनिल कुमार मलिक, चिकित्सा अधीक्षक डॉ गौरव रतूड़ी ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वॉकथॉन (रैली) एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज परिसर से प्रारम्भ हुई और एसजीआरआर पीजी कॉलेज पथरी बाग से यूटर्न लेकर वापिस श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंसेज परिसर में सम्पन्न हुई। गुर्दे स्वास्थ्य सबके लिए थीम पर डॉक्टरों ने किडनी बचाने का संदेश दिया। डॉक्टरों एवम् मेडिकल छात्र-छात्राओं ने हाथों में किडनी बचाव के स्लोगन व नारों से किडनी स्वास्थ्य सम्बन्धित जागरूकता की अलख जगाई। रैली में उन्होंने संतुलित आहार, व्यायाम व स्वच्छ जल अपनाईए स्वयं को गुर्दा रोगों से बचाईए। वनज को नियंत्रित रखें व धूम्रपान छोड़े गुर्दा रोगों को कहें बाय बाय। ब्लड प्रेशर एवम शुगर को नियंत्रित रखें, गुर्दों को बीमारी से बचाएं जैसे संदेशों से आमजन को जागरूक किया।

श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के गुर्दा रोग विभागाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार ने कहा कि ब्लड शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर लेवल को नियंत्रित रखकर गुर्दा रोगों से बचाव किया जा सकता है। दर्द निवारक दवाईयों के अनावश्यक उपयोग कर गुर्दा रोगों से बचाव सम्भव है। उन्होंने सलाह की प्रतिदिन प्रचूर मात्रा में पानी का सेवन कर गुर्दे को स्वस्थ रखा जा सकता है। इसके पश्चात श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के ऑडिटोरियम में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हैल्थ साइंसेज के प्राचार्य डॉ उत्कर्ष शर्मा, डॉ विवेक रुहेला एवम् डॉ गौरव शेखर शर्मा, डॉ डोरछम खमे ने गुर्दा से सम्बन्धित समस्याओं पर प्रकाश डाला।

डॉ विवेक विज्जन, डॉ विमल कुमार दीक्षित, डॉ तनुंज भाटिया, डॉ नारायण जीत सिंह ने पैनल परिचर्चा में लोगों की जिज्ञासाओं को शांत किया। मंच संचालन सिमरन अग्रवाल ने किया।

पोक्सो के दोषी को छह साल की सजा व 20 हजार जुर्माना

नई टिहरी। विशेष न्यायाधीश पोक्सो नितिन शर्मा की अदालत ने पोक्सो एक्ट के आरोपी को छः वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित करने की सजा सुनाई। आरोपी शिवा पुत्र राकेश कुमार निवासी खारासोत मुनिकीरेती के विरूद्ध थाना मुनिकीरेती में पीड़िता की माता के द्वारा अभियुक्त के खिलाफ एक तहरीर दी गई थी जिसमें आरोप लगाया कि शिवा पेशे से योगा टीचर है जो क्षेत्र में स्थित एक ट्रेनिंग सेंटर में काम करता है, उसके द्वारा मोबाईल पर उसकी पुत्री की आपत्तिजनक फोटो का विडियो बनाकर प्रसारित कर उसका शोषण कर रहा है और उसकी पुत्री के विरूद्ध गलत वीडियो प्रसारित कर रहा है।

जिला शासकीय अधिवक्ता पोक्सो महेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस थाना मुनिकीरेती द्वारा अभियुक्त शिवा के विरूद्ध पीड़िता की माता की तहरीर के आधार पर धारा-376 भा0द0सं0 व 3/4 व 13/14 पोक्सो अधिनियम के अन्तर्गत मुक्दमा दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया। विशेष न्यायाधीश पोक्सो नितिन शर्मा की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अभियुक्त को दोषी करार देते हुए अभियुक्त शिवा को 14 पोक्सो अधिनियम में छः वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार रूपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई, अर्थदण्ड अदा न करने पर अभियुक्त को दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

डीएम टिहरी ने कृषि विभाग के बनाए घेरबाड़ कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। गुरुवार को जिलाधिकारी ने विकास खण्ड चम्बा के ग्राम कोटीगाड के नौलीखाला नामे तोक में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु कृषि विभाग द्वारा जिला योजना के तहत चेन लिंक फेन्सिंग (घेराबाड़) कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराडी ने बताया कि घेराबाड कुल लम्बाई 226.10 मीटर है जो कि वित्तीय वर्ष-2025-26 में जिला योजना के अन्तर्गत कुल अनुमानित लागत-रू 6.50 लाख से की गयी है। बता दे कि चेन लिंक फेन्सिंग (घेराबाड़) से 8 हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित किया गया है । जिलाधिकारी से ग्रामीणों द्वारा सिंचाई गूल की मरम्मत व शेष छूटे स्थानों पर घेराबाड कराने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने जिला

योजना में प्रस्तावित कर कार्य कराये जाने की बात कही।

कृषि विभाग द्वारा इसी तोक में एक एकड़ भूमि पर लाईनिंग सिस्टम से गेहूँ की बुवाई की गयी है जिसका भी निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि गांवों के किसानो को इसी विधि से गेहूँ की फसल उगाने के लिए प्रेरित करें ताकि किसानो को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कृषि अधिकारी को किसानों को खाद व बीज समय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शीला देवी पूर्व प्रधान कृषि विभाग के कार्मिक एवं ग्रामीण कास्तकार उपस्थित रहे।

14 मार्च को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

कोटद्वार। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में आगामी 14 मार्च 2026, दिन शनिवार को जिला न्यायालय, पौड़ी गढ़वाल सहित जनपद के समस्त बाह्य न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रस्तावित है। उक्त लोक अदालत के सफल आयोजन तथा अधिकाधिक वादों के निस्तारण के उद्देश्य से गुरुवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पौड़ी गढ़वाल की अध्यक्षता में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक लंबित प्रकरणों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निस्तारण हेतु प्रस्तुत किया जाए।

बदलते सामाजिक मानदंडों के बीच फंसी युवाओं की शादी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में इन दिनों युवाओं के सामने विवाह एक बड़ी सामाजिक चुनौती बनकर उभर रहा है। एक ओर जहां कई युवक उम्र के तीसरे दशक में प्रवेश करने के बावजूद शादी के बंधन में नहीं बंध पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लड़कियों की बढ़ती मांग और परिवारों की बदलती प्राथमिकताएं इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार बदलते सामाजिक हालात, बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता के कारण विवाह संबंध तय होने में लगातार

- 30 वर्ष पार कर चुके कई युवक अब भी कुंवारे नौकरी और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं लड़कियों के परिवार

कठिनाइयां आ रही हैं। जनपद में कई ऐसे युवक हैं जिनकी उम्र 30 वर्ष से अधिक हो चुकी है, लेकिन अब तक उनका विवाह तय नहीं हो पाया है। परिवार वाले रिश्तों की तलाश में लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उचित प्रस्ताव नहीं मिल पा रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर लड़कियों के परिवार अब पहले की तुलना में अधिक सतर्क हो गए हैं। वे विवाह के लिए ऐसे युवकों को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनके पास स्थायी नौकरी या बेहतर आर्थिक स्थिति हो।

यही कारण है कि बेरोजगार या अस्थिर आय वाले युवाओं के रिश्ते अक्सर अटक जाते हैं। स्थानीय निवासी वेवेंद्र बिष्ट का कहना है कि आज के समय में सबसे पहले लड़कों की नौकरी और आर्थिक स्थिरता देखी जाती है। उन्होंने कहा, "बेरोजगारी बढ़ने से कई योग्य युवकों के रिश्ते नहीं हो पा रहे हैं, जिससे वे मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगे हैं।" वहीं युवा अंकित राणा का मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना बेहद जरूरी है। उनका कहना है, "जब युवाओं को स्थायी रोजगार मिलेगा, तब शादी जैसी सामाजिक समस्याएं भी धीरे-धीरे कम होने लगेंगी।"

स्थानीय लोगों का भी मानना है कि यदि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो, तो विवाह से जुड़ी यह समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है। फिलहाल बढ़ती बेरोजगारी और सामाजिक अपेक्षाओं के बीच कई युवाओं के लिए शादी का सपना अधूरा ही रह जाता है।पंडित रमेश चन्द्र डिमरी ने कहा कि युवाओं को शादी करने के लिए लड़कियां नहीं मिल रही हैं। लड़कियों की हाई-फाई डिमांड हैं। उन्हें देहरादून में मकान, सरकारी जॉब की चाहत ज्यादा हैं। छोटे-मोटे प्राईवेट जॉब वालों को भी लड़कियां नहीं मिल रही हैं। खासकर पंडित लड़कों को भी लड़कियां नहीं मिल रही हैं। भविष्य में और अधिक परेशानी हो सकती है।

मुख्य अभियंता ने किया बधाणीताल के कार्यों का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विभु विश्वामित्र रावत ने बधाणीताल सौंदर्यीकरण कार्य तथा आरसेटी भवन रुद्रप्रयाग के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्माण मानकों का विस्तार से जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता की तकनीकी विशेषज्ञ टीम की ओर से निर्माण कार्यों में उपयोग हो रहे मटेरियल की टेस्टिंग भी की गई, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। प्रमुख अभियंता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, गुणवत्ता के साथ तथा तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जर्जर से जुड़े निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

एक नजर .....

नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

नई टिहरी। अवैध चरस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार जनपद टिहरी गढ़वाल में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना घनसाली पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में थाना घनसाली पुलिस टीम द्वारा दिनांक 10.03.2026 को सांयकालीन गश्त/चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त सूरज सजवाण को एक वाहन (स्कूटी) में अवैध चरस का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। तलाशी लेने पर अभियुक्त के कब्जे से 238.08 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

लिवाइज के 'बिहाइंड एवरी ओरिजिनल' अभियान की नई शुरुआत

देहरादून। लिवाइज ब्रांड अपने 2026 के वैश्विक अभियान 'बिहाइंड एवरी ओरिजिनल' को भारत में लेकर आया है, जिसमें ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। पिछले 150 से अधिक वर्षों से, लिवाइज उन लोगों की पहली पसंद रहा है जो संस्कृति को नई दिशा देते रहे हैं। संगीत और खेल से लेकर फैशन और कला तक, लिवाइज जींस हर उस महत्वपूर्ण मोड़ की गवाह रही है जहाँ बदलाव की शुरुआत हुई। 'बिहाइंड एवरी ओरिजिनल' अभियान इसी महान विरासत को आगे बढ़ाता है। इस अभियान का मुख्य केंद्र अभिनेत्री आलिया भट्ट हैं। अपनी प्रेरणा साझा करते हुए आलिया कहती हैं, मेरे लिए कभी भी दूसरों की कसौटियों पर खरा उतरना या वही करना मायने नहीं रखता था जिसकी मुझसे उम्मीद की जाती है। मैं किसी के कहने पर 'कोई और' बनने से बेहतर 'खुद होना' पसंद करती हूँ। फिट्स की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए 'सिंच वेस्ट जीन्स' पेश कर रहा है। इसके साथ ही, ब्रांड 'लूज बूट' भी पेश कर रहा है, जो क्लासिक बूटकट का एक आधुनिक और रिलैक्स्ड रूप है।

जनपद में एलपीजी गैस की आपूर्ति सुचारू, अफवाहों पर ध्यान न दें उपभोक्ता : डीएसओ

कोटद्वार। जनपद पौड़ी गढ़वाल अंतर्गत संचालित समस्त गैस एजेंसियों में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। सिंगल गैस सिलेंडर कनेक्शन धारकों के लिए दूसरी बुकिंग के बीच भारत सरकार द्वारा 25 दिन का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता गैस रिफिल की बुकिंग गैस कंपनियों की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप अथवा फोन के माध्यम से ऑनलाइन कर सकते हैं तथा बुकिंग के पश्चात डिलीवरी मैन के माध्यम से ही गैस रिफिल प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि जनपद में घरेलू गैस के अवैध भंडारण, दुरुपयोग एवं कालाबाजारी की रोकथाम के दृष्टिगत जिला पूर्ति कार्यालय, पौड़ी गढ़वाल में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर उपभोक्ता आपदा कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01368-221840 तथा जिला पूर्ति कार्यालय पौड़ी गढ़वाल के नंबर 9897854731 और 7310663517 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त गैस कंपनियों के सेल्स मैनेजर से भी संपर्क किया जा सकता है।

जिनमें इंडेन गैस के लिए 9557947140, भारत गैस के लिए 7644059960 तथा एचपी गैस के लिए 8655436284 दूरभाष नंबर जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनपद में एलपीजी गैस की आपूर्ति सुचारू: जिला पूर्ति अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। जनपद पौड़ी गढ़वाल अंतर्गत संचालित समस्त गैस एजेंसियों में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा गैस की आपूर्ति पूर्ण रूप से सुचारू रूप से की जा रही है। यह जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने दी।

जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। सिंगल गैस सिलेंडर कनेक्शन धारकों के लिए दूसरी बुकिंग के बीच भारत सरकार द्वारा 25 दिन का समय निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ता गैस रिफिल की बुकिंग गैस कंपनियों की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप अथवा फोन के माध्यम से ऑनलाइन कर सकते हैं तथा बुकिंग के पश्चात डिलीवरी मैन के माध्यम से ही गैस रिफिल प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि जनपद में घरेलू गैस के अवैध भंडारण, दुरुपयोग एवं कालाबाजारी की रोकथाम के दृष्टिगत जिला पूर्ति कार्यालय, पौड़ी गढ़वाल में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर उपभोक्ता आपदा कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01368-221840 तथा जिला पूर्ति कार्यालय पौड़ी गढ़वाल के नंबर 9897854731 और 7310663517 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त गैस कंपनियों के सेल्स मैनेजर से भी संपर्क किया जा सकता है, जिनमें इंडेन गैस के लिए 9557947140, भारत गैस के लिए 7644059960 तथा एचपी गैस के लिए 8655436284 दूरभाष नंबर जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

क्रिकेट बना भाईचारे का माध्यम, निरंकारी युवाओं ने पेश की मिसाल

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की असीम कृपा से 26वें बाबा गुरबचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस टूर्नामेंट का शुभारंभ फरवरी 2026 में हुआ था, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से चयनित 24 टीमों ने भाग लेकर खेल प्रतिभा के साथ-साथ आपसी भाईचारे और अनुशासन की भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। युवा खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, समर्पण और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और खेल के माध्यम से उन्होंने सहयोग, सहनशीलता, मर्यादा, आपसी सम्मान जैसे जीवन मूल्यों को व्यवहार में उतारतेहुए निरंकारी मिशन की शिक्षाओं को साकार किया।

आज खेले गए क्रिकेट के फाइनलमुकाबले में फिरोजपुर (पंजाब) और श्रीगंगानगर (राजस्थान) की श्रेष्ठ टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमेंश्रीगंगानगर (राजस्थान) विजेताटीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते. हुए ट्रॉफीअपनेनामकी।टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सोनू राजपूत (श्रीगंगानगर) को "मैनऑफ द मैच" के सम्मान से भी नवाजागया। संपूर्ण आयोजन का संचालन आदरणीय श्री जोगिंदर सूखीजा (सचिव, संत निरंकारी मंडल) के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह टूर्नामेंट केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने का एक सुंदर माध्यम है, जहाँ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथप्रेम, सम्मान और सौहार्द की भावना भी विकसित होती है।

प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण-पत्र प्रदानकरसम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन सायंकाल युवाओं के लिए सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता रहा, जिसका उद्देश्य उन्हें शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ आध्यात्मिक जागरूकता, सकारात्मक सोच और मानसिक शांति की दिशा में प्रेरित करना था। समापन अवसर पर संत निरंकारी मंडल के मेंबर इंचार्ज, प्रचार विभाग आदरणीय श्री राकेश मुटरेजा जी ने विजेता टीम को ट्रॉफीप्रदानकरसम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सतगुरु ने हमें जोश के साथहोशकासंदेशदिया है। संसार माया का रूप है, पर परमात्मा भी इसी में निहित है इसलिए संसार के हर कार्य में परमात्मा का दर्शन करना और उसके गुणों को जीवन में उतारनास. तगुरु की कृपा से ही संभव है। यही कारण है कि निरंकारी मिशन प्रैक्टिकलस्पिरिचुअलिटीकासंदेश देता है, जहाँ हर कार्य चाहे व्यवहार हो या खेल भक्ति के आधार पर किया जाता है। सतगुरु जीवन जीने का संदेश देते है कि हमें हर पल में सीखना है। खेलों से सीखो, चलते हुए सीखो और गिरतेहुए भी सीखो यही जीवन जीने कासलीका है। उन्होंने आगे कहा कि यह टूर्नामेंट बाबा गुरबचन सिंह जी को समर्पित है, जो बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की कृपा से लुधियाना में प्रारम्भहुआ और अबसतगुरु माता जी व निरंक. री राजपिता जी के आशीर्वाद से प्रतिवर्ष आयोजित हो रहा है। माया के प्रभाव का वर्णन करते हुए उन्होंने उदाहरण सहित समझाया कि माया उस कहानी के मगरमच्छ की भांति है जोऊपर से रेशमीकंबलजैसीदिखाई देती है लें. कनमनुष्य को जकड़ लेती है।

उत्तरकाशी में गहराने लगा रसोई गैस संकट, डीएसओ बोले- गैस पर्याप्त

- ऑनलाइन गैस बुकिंग नहीं होने से उपभोक्ताओं को सताने लगा डर

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी। पश्चिम एशिया (इजरायल-ईरान) में चल रहे संघर्ष के कारण भारत में एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे बड़े शहरों के बाद अब उत्तराखंड के पर्वतीय जनपदों में भी रसोई गैस की किल्लत और सिलेंडर के लिए लंबी कतारें देखी जा रही हैं।वीरवार को उत्तरकाशी में रसोई गैसी गाड़ियां नहीं पहुंची लोग सुबह से ही लाइनों में खड़े रहे ,बाद में सूचना मिली कि उत्तरकाशी में आज रसोई गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई जिस कारण लोगो बैरंग लौटना पड़ा।

एक भी गैस सिलेंडर नहीं इधर

उत्तरकाशी इंडियन गैस प्रबंधन रेणुका उनियाल ने बताया कि किसी भी उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है आज गैस की गाड़ियां नहीं पहुंची और गोदाम में भी नहीं है । उन्होंने बताया कि शुक्रवार को गैस की गाड़ियां पहुंच रही जिसके बाद गैस पारदर्शी तरीके से वितरण किया जाएगा। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी उत्तरक. ाशी ने बताया कि जनपद में कुल 12 गैस एजेंसी हैं।

इंडियन गैस में करीब एक लाख कनेक्शन का अनुमान है। जनपद में रसोई गैस की बिल्कुल भी किल्लत नहीं है। इसकी आपूर्ति सुचारू है। व्यावसायिक गैस सिलिंडर भी अभी पर्याप्त मात्रा में है। केवल सावधानी के तौर पर यह कदम उठाया जा रहा है।

जिससे होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्टल के बंद होने की नौबत आ गई है। उन्होंने कहा कि किसी को भी अफवाह में नहीं आना चाहिए।

गंगोत्री में भी एलपीजी संकट नवंबर से नहीं हुई सप्लाई

प्रकाश पंछी माई का कहना है कि गंगोत्री धाम में शीतकालीन सीजन में नवंबर 2025 से रसोई गैस की सप्लाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य कारणों से उत्तरकाशी के तेखला में निवास कर रही है। वीरवार को रसोई गैस के लिए पता किया था लेकिन गैस गोदाम से जवाब मिला है कि आज गाड़ी नहीं आई और गोदाम खाली है। वहीं प्रबंधक गैस का कहना है कि झाला में घरेलू रसोई गैस का गोदाम है जो उपला टकनौर क्षेत्र में सप्लाई करता है।

जिले में घरेलू रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं इस लिए उपभोक्ताओं को पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है।कमशिर्यल गैस की सप्लाई में कमी आई है लेकिन स्कूल, अस्पताल में सप्लाई जारी है। वहीं ऑनलाइन गैस बुकिंग भी नहीं हो रही।-

आशीष कुमार जिला आपूर्ति अधिकारी उत्तरकाशी

बता दें कि एलपीजी सप्लाई खत्म होने के डर से लोग सिलेंडर लेकर गैस एजेंसी के बाहर लाइन में लगे देखे जा रहे हैं। ऐसी तस्वीरें दिल्ली में कई जगह देखने को मिल रही है। वहीं,पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से सप्लाई में रुकावट की खबरों के बीच चंडीगढ़ में लोगों ने एलपीजी सिलेंडर की ब्लैक मार्केटिंग का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि मौके का फायदा उठाकर कुछ लोग कालाबा. जारी में लग गए हैं। इन सभी घटनाओं से पहाड़ों में में लोगों को रसोई गैस की सप्लाई का डर सताने लगा है।

कल्जीखाल में किसान दिवस आयोजित, संयुक्त मजिस्ट्रेट ने सुनी किसानों की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

सतपुली। विकासखंड कल्जीखाल में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के किसानों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग करते हुए कृषि से जुड़ी समस्याओं, सुझावों और आवश्यकताओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम में किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया गया।किसान दिवस की अध्यक्षता संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने की।

इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, सिंचाई समेत अन्य विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी किसानों को दी। साथ ही किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया ।संयुक्त मजिस्ट्रेट ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं, कृषि तकनीकों, जैविक खेती, बागवानी और पशुपालन से जुड़ी जानकारियां भी दी गईं। कई किसानों ने मौके पर ही योजनाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर आवेदन भी किए।संयुक्त मजिस्ट्रेट ने कहा कि किसान दिवस के आयोजनों से किसानों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि किसानों की समस्याओं को समझकर उनका समयबद्ध समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर उनका शीघ्र समाधान किया जाए,इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, ज्येष्ठ उप प्रमुख अजय पटवाल, कनिष्ठ उप प्रमुख दीपक अस्वाल, मत्स्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा, खंड विकास अधिकारी चंद्र प्रकाश बलूनी, पादप सुरक्षा अधिकारी कृषि अरविंद सिंह, प्रगतिशील किसान अनुज बिष्ट सहित अन्य अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

गांधी पार्क में सौन्दर्य व सुविधाओं का विस्तार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर क्षेत्र उत्तराखण्ड की राजधानी होने के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसी क्रम में महापौर एवं नगर आयुक्त ने 58,952 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले गांधी पार्क, जिसे देहरादून का हृदय भी कहा जाता है, के सौंदर्यीकरण एवं हरित स्थल के रूप में विकसित करने के लिए निर्देशित किया गया था। इस कार्य में समय-समय पर क्षेत्रीय पार्षद रोहन चंदेल ने भी मार्गदर्शन किया।

महापौर सौरभ थपलियाल एवं नगर आयुक्त नमामि बंसल के निर्देशानुसार गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण तथा हरित स्थल के विकास का कार्य कराया गया। इसके अंतर्गत पार्क की लेवलिंग कर ग्रीन स्पेस का विकास, वृक्षारोपण, प्रसिद्ध गौरा देवी जी के तर्ज पर "वृक्ष बचाओ अभियान" की झांकी, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती कलाकृतियाँ, सेंट्रल एवेन्यू, बांस से निर्मित स्ट्रक्चर, मुख्य द्वार का सौंदर्यीकरण, डेकोरेटिव लाइटिंग, परगोला, सेल्फी प्वाइंट तथा वेस्ट टू वंडर से निर्मित वस्तुओं के माध्यम से पार्क को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया।

इन कार्यों का लोकार्पण गुरुवार को महापौर के करकमलों तथा क्षेत्रीय पार्षद रोहन चंदेल की उपस्थिति में संपन्न किया।

इस अवसर पर नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त लेफ्टिनेंट कर्नल हेमंत गंभीर, सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, अधिशासी अभियंता रजित कोटियाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रसोई गैस के बढ़ते दामों पर महिला कांग्रेस का विरोध

■ **सरकार पर गरीब का चूल्हा बुझाने का लगाया आरोप**

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और रसोई गैस के दाम बढ़ाकर गरीबों के चूल्हे बुझाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद सरकार ने जनता को राहत नहीं दी। पिछले वर्षों में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 450 रुपये से बढ़कर करीब 1100 रुपये तक पहुंच गई है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का बजट बिगड़ गया है।

ज्योति रौतेला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार से रसोई गैस के दामों में तत्काल कमी और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करती है। यदि सरकार जल्द कार्रवाई नहीं करती, तो जनता के हित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष नजमा खान, महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा ढौंडियाल, उपाध्यक्ष चन्द्रकला नेगी, जिलाध्यक्ष पूनम सिंह और प्रदेश महासचिव अनुराधा तिवाड़ी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता और कीमत पर भ्रम फैला रहा विपक्षः भट्ट

■ **पर्याप्त स्टॉक, आम लोगों पर नहीं पड़ने देंगे संकट का असरः भाजपा**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कमी लेकर कांग्रेस पर झूठ एवं भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है।

प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि वैश्विक संकट के मुद्दे पर विपक्ष विशुद्ध राजनीति कर रहा है। जबकि केंद्र और प्रदेश सरकार पहले ही भरोसा दिलाया है कि स्टॉक पर्याप्त है, युद्ध का असर का असर आम लोगों पर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

उन्होंने मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में बयान जारी कर कहा कि खाड़ी युद्ध के चलते समूचा विश्व बहुत बड़े संकट से गुजर रहा है। वहां हो रही घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार ने पहले ही सावधानी में आवश्यक कदम उठाए हैं। यही वजह है कि भारत के पड़ोसी देशों से लेकर यूरोप, अमे. रिका समेत अधिकांश देश में संकट का असर पेट्रोल, डीजल एवं गैस की आपूर्ति में कमी और उनकी कीमतों में उछाल के रूप में स्पष्ट देखा जा सकता है। वहीं इससे अलग, मोदी सरकार की रणनीतिक तैयारी का ही नतीजा है कि देश में कहीं भी पेट्रोलियम पदार्थों की इस तरह दिक्कत नहीं है। केंद्र सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया है कि देश के पास 2 से 3 महीने का रिजर्व स्टॉक, पेट्रोलियम पदार्थों का है। इसे अतिरिक्त हम पहले के 20 माध्यमों के मुकाबले आज 40 से अधिक माध्यमों से तेल की खरीदारी कर रहे हैं। इसी तरह गैस, विशेषकर रसोई गैस को लेकर भी कोई कमी नहीं है। इस संबंध में गैस बुकिंग की न्यूनतम अवधि को 15 से 25 दिन करने के पीछे मकसद सिर्फ और सिर्फ जमाखोरी और अनावश्यक होल्डिंग को रोकना है। अभी भी पूर्व की भांति गैस वितरण का औसत समय 2.5 दिन ही है। लिहाजा किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में पीएम मोदी के स्पष्ट निर्देश हैं कि संकट का असर आम लोगों में किसी भी कीमत पर नहीं पड़ना चाहिए।

गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध चला अभियान

देहरादून। अपर नगर आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में शहर में अतिक्रमण, अवैध होर्डिंग तथा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध एक संयुक्त प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

इस अभियान में सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, कर अधीक्षक धर्मेश पैन्यूली, राजेश नैथानी, संबंधित कर एवं राजस्व निरीक्षक,तथा क्यूआरटी टीम शामिल रही। अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने, अवैध बैनर पोस्टर हटाने तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अपर नगर आयुक्त ने संयुक्त टीम को निर्देशित किया गया कि नगर निगम क्षेत्र में अवैध होर्डिंग, बैनर-पोस्टर लगाने, सार्वजनिक स्थलों पर निर्माण मलबा डालने तथा अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमित रूप से अभियान चलाया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के निरीक्षण को उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश पहुंचे सीएमओ

■ **चिकित्सालय में ओपीडी, इमरजेंसी, पैथोलॉजी रक्त कोष सेवाओं तथा विभिन्न वार्ड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा ने गुरुवार को क्षेत्रीय अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कैलाश कुंज्याल के साथ उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ द्वारा चिकित्सालय में ओपीडी, इमरजेंसी, पैथोलॉजी, रक्त कोष सेवाओं तथा विभिन्न वार्ड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। चिकित्सालय में साफ सफाई की व्यवस्था सही पाई गई।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में विभिन्न पंजीक. ाओं की जांच की गई तथा तैनात चिकित्सा अधिकारी को हिदायत दी गई की मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करें। किसी भी परिस्थिति में मरीजों एवं उनके परिजनों को शिकायत का अवसर न मिले।

मानव संसाधन के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, दो महिला चिकित्सा अधिकारियों तथा एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की आवश्यकता है।

इस पर सीएमओ द्वारा कहा गया कि इस संबंध में वह अपने स्तर से स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय को आवश्यक पत्राचार करेंगे। डॉ मनोज कुमार शर्मा द्वारा निर्देश दिए गए की चिकित्सालय में तैनात चिकित्सा अधिकारियों एवं अन्य स्टाफ के कार्यों का निर्धारण इस प्रकार से करें कि उनकी सेवाओं का अधिकाधिक उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन शाम के समय प्रत्येक वार्ड तथा लेबर रूम में सिस्टम इंचार्ज द्वारा भी अनिवार्य रूप से भ्रमण किया जाए। चिकित्सालय में ब्लड बैंक के निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ० शर्मा ने कहा कि ब्लड बैंक के लाइसेंस रिन्यूअल की प्रक्रिया को अविलंब पूरा करें। ब्लड बैंक में उपलब्ध कराई गई ब्लड कंपोनेंट सेपरेटर मशीन को क्रियाशील करें। इसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में गठित विशेष दिव्यांग बोर्ड का भी निरीक्षण किया गया।

प्ली बार्गेनिंग के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार की अपेक्षा जताई

देहरादून। भारत सरकार के न्याय प्रणाली को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने तथा अदालतों में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' का प्राविधान किया गया है।

इस संबंध में केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा सभी मुख्य सचिवों को प्रेषित पत्र का उल्लेख करते हुए संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन गजेन्द्र सिंह कफलिया द्वारा प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग, निदेशक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, अपर निदेशक अभियोजन निदेशालय के साथ संयुक्त निदेशक विधि विज्ञान प्रयोगशाला उत्तराखण्ड को प्रेषित पत्र में अपेक्षा की गई है कि जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' के प्राविधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाय, ताकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' के प्राविधानों को और अधिक गति मिल सके।

मैक्स हॉस्पिटल ने किडनी हेल्थ के बारे में लोगों को किया जागरूक

■ **विशेषज्ञों ने कहा -क्रोनिक किडनी डिजीज तेजी से बढ़ती हुई एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मार्च के दूसरे गुरुवार को मनाए जाने वाले वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और किडनी संबंधी बीमारियों की समय पर पहचान के महत्व को उजागर करने के लिए एक विशेष जागरूकता पहल की। अस्पताल के विशेषज्ञों ने बताया कि क्रोनिक किडनी डिजीज तेजी से बढ़ती हुई एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। इसके प्रमुख कारणों में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, अस्वस्थ खान-पान की आदतें, बढ़ता तनाव और शारीरिक गतिविधियों की कमी जैसी जीवनशैली से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं।

उन्होंने यह भी जोर दिया कि नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी का सेवन और सक्रिय जीवनशैली अपनाकर किडनी को स्वस्थ रखा जा सकता है तथा कई मामलों में बीमारी को शुरुआती चरण में ही रोका जा सकता है। किडनी शरीर में कई जरूरी काम करती हैं, जिसमें खून से वेस्ट और टॉक्सिन को फिल्टर करना, ब्लड प्रेशर को रेगुलेट करना, फ्लूइड बैलेंस बनाए रखना और रेड ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन में मदद करना शामिल है। हालांकि, किडनी की बीमारियां अक्सर चुपचाप बढ़ती हैं, और कई मरीजों को तब तक इस स्थिति का पता नहीं चलता जब तक कि यह एक एडवांस स्टेज तक नहीं पहुंच जाती। इस मौके पर, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून के नेफ्रोलॉजी कंसल्टेंट, डॉ. मनीष शर्मा ने कहा, "क्रोनिक किडनी डिजीज को अक्सर एक साइलेंट डिजीज कहा जाता है क्योंकि मरीजों को शुरुआती स्टेज में साफ लक्षण महसूस नहीं हो पाते हैं। जब तक लक्षण दिखते हैं, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। रेगुलर हेल्थ चेक-अप और समय पर स्क्रीनिंग,खासकर उन लोगों के लिए, जिन्हें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या किडनी की बीमारी की पारिवारिक हिस्ट्री है, समय पर जांच और बीमारी का जल्दी पता लगना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि उचित उपचार और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सके। डॉ. शर्मा ने आगे जोर दिया कि "लाइफस्टाइल में आसान बदलाव किडनी की सेहत को बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। लोगों को काफी पानी पीना चाहिए, कम नमक वाला बैलेंस्ड खाना खाना चाहिए, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर लेवल को मैनेज करना चाहिए, रेगुलर एक्सरसाइज करनी चाहिए, और बिना डॉक्टर के पर्चे के मिलने वाली दर्द की दवाओं के गैर-जरूरी इस्तेमाल से बचना चाहिए, जो ज्यादा लेने पर किडनी के काम को नुकसान पहुंचा सकती हैं। डॉ. शर्मा ने सीरम क्रिएटिनिन और यूरिन एनालिसिस जैसे रेगुलर किडनी फंक्शन टेस्ट के महत्व पर भी जोर दिया, जो किडनी की समस्याओं को शुरुआती स्टेज में पहचानने और डायलिसिस या ट्रांसप्लांटेशन की जरूरत वाली गंभीर दिक्कतों को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकते हैं।

एलपीजी गैस वितरण में प्रथम प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाएः डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में आयल कंपनियों के पदाधिकारियों एवं गैस एजेंसी के संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में घरेलू एवं व्यवसायिक गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एलपीजी गैस वितरण में प्रथम प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घरेलू गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी ओटीपी आधारित प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित की जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। साथ ही निर्देशित किया कि आनलाईन साफ्टवेयर पर बुकिंग में व्यवधान आने पर गैस एजेंसी अपना सम्पर्क नम्बर तथा एजेंसी में मैन्यूवल बुकिंग करना सुनिश्चित करेंगे। एजेंसी संचालकों द्वारा बताया गया कि एक बार बुकिंग होने पर अगली बुकिंग 25 दिन के उपरान्त ही होगी। इसपर जिलाधिकारी ने कम्पनिंयों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को बल्क एसएमएस के माध्यम से तथा एजेसियों पर सूचना हेतु जागरूकता फ्लैक्सी चस्पा करने के निर्देश दिए।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाषः 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइटः www.ujvnl.com

पत्रांक-209 **निविदा सूचना** दिनांक- 12/03/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनु0), चीला, जल विद्युत गृह, चीला वाया हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड द्वारा निम्नलिखित आपूर्ति/कार्य हेतु अनुभवी ठेकेदारो से मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैः-

1-टी0.22/अ0अ0अनु0/2025-26: विद्युत गृह पर ड्रेनेज/डिवाट रिंगपिट, फ्लोर, डिवाटरिंग गैलरी, पैनस्टोक गैलरी, एंव ड्राफ्ट ट्यूब विंडो गैलरी से सिल्ट निकालने का कार्य।
2-कार्य/आपूर्ति की अनुमानित लागत-रू0 3,90,600.00 (कर अतिरिक्त)।
3-निविदा की उपलब्धता की तिथि - 12-03-2026 (17:00 बजे)
4-निविदा जमा की तिथि - 02-04-2026 को 11:00 बजे
निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेब साईट वेबसाईट **www.ujvnl.com** से पर देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता (अनु0),चीला,जल विद्युतगृह

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

सीएम ने विकास योजनाओं के लिए दी 44.64 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

■ **प्रदेश में अनेक स्थानों पर विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार**

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के तहत जन सुविधाओं के विकास, आपदा न्यूनीकरण के प्रयासों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ पार्किंग, सामुदायिक भवनों के निर्माण, विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास आदि के लिए 44.64 करोड़ की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा नेशनल लैंडस्लाइड रिस्क मिटीगेशन प्रोग्राम (एनएलआरएमपी) विषयक कार्यशाला में एनडीएमए द्वारा सम्भावित जोखिम संवेदनशील भू-स्खलन क्षेत्रों के न्यूनीकरण के लिए प्रथम किश्त के रूप में 1.00 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न जनपदों के राजकीय औद्योगिक आस्थानों की मरम्मत/सुदृढीकरण कार्य के लिए एम०एस०एम०ई० अवस्थापना विकास मद के अन्तर्गत कुल धनराशि ₹ 1.99 करोड़, राजकीय जनजाति छात्रावास खटीमा, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न (02) मरम्मत एवं निर्माण कार्यों के लिए 46.14 लाख एवं राजकीय जनजाति छात्रावास काशीपुर, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न (02) मरम्मत एवं निर्माण कार्य के लिए ₹ 37.71 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर के अन्तर्गत गोर्खासंध धर्मशाला, चन्द्रबनी के जीर्णोद्धार एवं पार्किंग का निर्माण किये जाने के लिए 38.97 लाख, जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र मसूरी के गुनियाल गांव सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण किये जाने के लिए 65.93 लाख के साथ ही जिला कारागार, सितारगंज के विस्तारीकरण संबंधी कार्य के लिए 38.15 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। ब्लॉक स्तर पर लोक स्वास्थ्य इकाईयों की वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2025-26 मे 1.62 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय-अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड,डोईवाला
Email Id-eedoiwalaupcl11@gmail.com

No. 879/ (EDD(D)/ Date: 12/03/2026

निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिये "ए" श्रेणी के लाईसेन्स धारक, जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, ई०एस०आई० के अन्तर्गत पंजिकृत, आयकर / पैन कार्ड धारक निविदाकर्ताओं से मुहरबन्द निविदायें दो भागों में (प्रथम भाग मे निविदा धरोहर धनराशि, नियम एवं शर्तें, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत "ए" क्लास लाईसेंन्स की प्रतिलिपि, जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, ई०एस०आई० पंजीकरण, पैनकार्ड की प्रतिलिपि एवं समान प्रकृति के कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जोकि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह तक वैध हो) निम्नलिखित तिथियों के अनुसार उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित तिथि तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि के निविदा भाग-2 नही खोली जायेंगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने / अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते है। विस्तृत नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में वर्णित हैं।

निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र जमा करने व खोलने की तिथि व समय
50/EDD (D)/ 2025-26	विद्युत वितरण उपखण्ड जौलीग्रान्ट के रानीपोखरी सेक्शन के अन्तर्गत इठारना फीडर की एल०टी०/11 के०वी० लाईन का अनुरक्षण कार्य।	₹250+ जी०एस०टी०	₹ 10000.00	06.04.2026 (12:00 बजे तक)	07.04.2026 14:00 बजे, (15:00 बजे निविदा खोली जायेगी)

किसी भी विद्युत समस्या के लिये सम्पर्क करें टोल फ्री नं0 18004190405 | राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड, डोईवाला।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
विद्युत वितरण खण्ड, बड़कोट
CAN- UA 40109 UP 2001 SGC 025867

निविदा सूचना

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, बड़कोट के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों को कराने हेतु विद्युत सुरक्षा विभाग उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त 'ए' क्लास लाईसेन्सधारी ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ता जो आयकर, ई०पी०एफ०, जी०एस०टी० विभाग में पंजीकृत हों, एच०टी०/एल०टी० लाईन से सम्बन्धित कार्यों को संतोषजनक पूर्ण करने का अनुभव रखते हों जो 03 वर्ष से पुराना ना हो, से मुहरबन्द निविदायें दो भागों में निर्धारित प्रपत्र में प्रथम भाग में धरोहर धनराशि किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में सी०डी०आर०/एफ०डी०आर०, 'ए' क्लास लाईसेन्सधारी ठेकेदार, जी०एस०टी० पंजीकरण, ई०पी०एफ० पंजीकरण, पिछले तीन वर्षों के आयकर रिर्टन, तथा वार्षिक औसत टर्नओवर (वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25, ऑडिटेड बैलेंस शीट या सी०ए० द्वारा प्रमाणित बैलेंस शीट की एक प्रति देनी होगी) सम्बन्धित प्रपत्र नियम शर्तें एवं द्वितीय भाग में निर्धारित प्रपत्र में दरें आमन्त्रित की जाती हैं, जो कि **दिनांक 27/03/2026 को 14.00 बजे** तक निविदा प्रपत्र विक्रय की जायेगी एवं **28/03/2026 को अपरान्ह 16.00 बजे** उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निविदा खुलने की तिथि से एक दिन पूर्व तक (निविदा शुल्क + जी०एस०टी० सहित), नकद जमा करने पर प्राप्त किये जा सकते हैं। धरोहर राशि सी०डी०आर०/एफ०डी०आर०/राष्ट्रीय बचत पत्र, जो कि निविदा प्रकाशन होने के पश्चात की तिथि होनी अनिवार्य है, जिसकी वैधता कम से कम छः माह तक हो एवं अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, बड़कोट के नाम देय हो। निविदा का प्रथम भाग अपूर्ण होने पर द्वितीय भाग नहीं खोला जायेगा। अधोहस्ताक्षरकर्ता को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। यदि निविदा खुलने की तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है, तो निविदायें अगले कार्य दिवस को खोली जायेंगी।

निविदा सं० 31/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद में विद्युत वितरण उपखण्ड बडकोट के अन्तर्गत श्री यमुनोत्री धाम की विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने हेतु 33 के०वी० लाइन लदाडी से राजस्तर तक लौपिंग-चौपिंग का कार्य एवं 24X7 विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के लिए छः माह के लिए 04 नं० मैन-पॉवर की आपूर्ति का कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 18000.00 (निविदा शुल्क 1000 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 32/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद में श्री यमुनोत्री धाम की विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने हेतु 33 के०वी० राजस्तर से स्यानाचटटी तक लौपिंग-चौपिंग का कार्य व 04 नं० एस० पी०-55 का पोल लगाने का कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 7000.00 (निविदा शुल्क 250 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 33/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद् में बडकोट टाउन में क्षतिग्रस्त डी०टी०आर० पिंलिंथ एवं फेन्सिंग बदलने का कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य। धरोहर धनराशि रू० 18000.00 (निविदा शुल्क 1000 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 34/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद में श्री यमुनोत्री, ओजरी, जानकीचट्टी एवं खरादी फीडर में 11 के०वी० लाइन का मरम्मत कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 30000.00 (निविदा शुल्क 1000 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 35/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत प्रणाली सुधार मद में ग्राम खरसाली, फूलचटटी, में 03 नं० 100 के०वी०ए० परिवर्तक की स्थापना, 11 के०वी० एवं एल०टी० लाइन का निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 42000.00 (निविदा शुल्क 1000 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 36/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद् में उपसंस्थान नैनबाग से बर्नीगाड, बर्नीगाड से बडकोट एवं बडकोट से राजस्तर तक 33 के०वी० लाइन का मरम्मत एवं लौपिंग-चौपिंग का कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 5000.00 (निविदा शुल्क 250 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 37/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद में उपसंस्थान राजस्तर से ग्राम पौंटी तक 33 के०वी० लाइन का मरम्मत कार्य एवं कार्य मे प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 10000.00 (निविदा शुल्क 250 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 38/2025-26 : विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत प्रणाली सुधार मद में खरादी में अतिरिक्त 250 के०वी०ए० परिवर्तक को स्थापित किये जाने का कार्य एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाली विकेन्द्रीयकृत सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
धरोहर धनराशि रू० 20000.00 (निविदा शुल्क 1000 +जी०एस०टी०)

निविदा सं० 39/2025-26 : चारधाम यात्रा के अन्तर्गत ओ० एण्ड एम० मद में श्री यमुनोत्री धाम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 01 नग हल्के यूटिलिटि/मैक्स वाहन मय चालक सहित 06 माह की अवधि के लिए किराये पर लिए जाने हेतु।
धरोहर धनराशि रू० 8000.00 (निविदा शुल्क 250 +जी०एस०टी०)

पत्रांक : 857/वि०वि०ख०ब०/टी-7 दिनांक : 11.03.2026 **अधिशासी अभियंता**

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "टोल-फ्री नं० -1912"

मेलाधिकारी सोनिका ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

कुम्भ मेला-2027 की तैयारियां तेज, सड़क और रेल व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कुम्भ मेला-2027 के सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर मेला प्रशासन ने सड़क और रेल यातायात से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में मेला अधिकारी श्रीमती सोनिका ने गुरुवार को कुम्भ मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर), हर की पैड़ी में प्रशासन, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), रेलवे तथा सड़क निर्माण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कुम्भ क्षेत्र की सड़कों, चौराहों और रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में कुम्भ मेला क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य, सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मेला अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण और सुधार कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि कुम्भ मेला-2027 के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मेला अधिकारी सोनिका ने कहा कि कुम्भ मेला विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्गों की बेहतर स्थिति, सुचारु यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि कुम्भ क्षेत्र से होकर गुजरने वाले सभी प्रमुख मार्गों और चौराहों को जल्द दुरुस्त किया जाए। मेलाअधिकारी ने एनएचएआई के अधिकारियों को हरिद्वार-नजीबाबाद राजमार्ग तथा हरिद्वार रिंग रोड से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेले के दौरान यातायात प्रबंधन की सफलता काफी हद तक इन महत्वपूर्ण मार्गों पर निर्भर करेगी, इसलिए इन परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर कार्य किया जाए और कार्यों की नियमित प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। बैठक में मोतीचूर क्षेत्र में स्थित पुराने मार्ग का कुम्भ मेले के दौरान उपयोग किए जाने की संभावना पर भी चर्चा की गई। मेला अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि मार्ग की स्थिति का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा वहां स्थित पुराने पुल की तकनीकी जांच कर उसकी मजबूती सुनिश्चित की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसे वैकल्पिक मार्ग के रूप में सुरक्षित तरीके से उपयोग किया जा सके। रेलवे व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मेला अधिकारी ने कहा कि हरिद्वार, मोतीचूर, ज्वालापुर सहित आसपास के रेलवे स्टेशनों पर कुम्भ मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही हरिद्वार रेलवे स्टेशन से हिल बाईपास की ओर संभावित निकास मार्ग की संभावना तलाशने के लिए लोक निर्माण विभाग को निरीक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, एसपी जीआरपी अरुणा भारती, अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती सहित जिला प्रशासन, पुलिस, लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। देहरादून से एसपी (ग्रामीण) जया बलूनी सहित कई अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

नए पार्किंग स्थल चिन्हित करने में जुटी पुलिस

एसपी ट्रैफिक ने रानीपुर मोड़, ज्वालापुर और शिवालिक नगर का किया भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शहर में लगातार बढ़ रहे वाहनों और बाजार क्षेत्रों में लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने की कवायद शुरू कर दी है। इसी क्रम में एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह के निर्देश पर गुरुवार को एसपी ट्रैफिक निशा यादव ने संभावित पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ट्रैफिक ने यातायात और सीपीयू टीम के साथ रानीपुर मोड़, ज्वालापुर मार्केट और शिवालिक नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान बढ़ते वाहनों के दबाव और बाजारों में लगने वाले जाम को देखते हुए दुपहिया और छोटे चारपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए संभावित स्थानों का चिन्हीकरण किया गया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के लोगों से भी बातचीत की गई। उनसे पार्किंग व्यवस्था को लेकर सुझाव लिए गए, ताकि बाजारों में आने वाले लोगों को सुविधाजनक पार्किंग मिल सके और सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण लगने वाले जाम से राहत मिल सके।

एसपी ट्रैफिक निशा यादव ने कहा कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। बेहतर पार्किंग व्यवस्था होने से बाजारों में यातायात दबाव कम होगा और आम लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

हितेश कुमार ने बताया कि चिन्हित किए गए संभावित पार्किंग स्थलों पर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर योजना तैयार की जाएगी, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाया जा सके।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के विरोध में लघु व्यापारियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के विरोध में लघु व्यापारियों ने हाथों में सिलेंडर लेकर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में चंडी चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान लघु व्यापारियों ने सड़कों के किनारे ठेली लगाकर खाना चाय आदि बेचने वाले स्ट्रीट वेंडर्स के लिए गैस सिलेंडर का कोटा तय करने की मांग भी की।

लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के चलते लघु व्यापारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सिलेंडर नहीं मिलने से खाने पीने का सामान बेचने वाले लोगों को अपनी ठेली बंद करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि गैस की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए शासन प्रशासन को विशेष निगरानी कमेटी का गठन करना चाहिए। साथ ही लघु व्यापारियों के लिए सिलेंडर का कोटा तय करना चाहिए। जिससे ठेली आदि लगाकर आजीविका चलाने वाले लघु व्यापारियों का रोजगार चलता रहे। प्रदर्शन करने वालों में राजकुमार, कमल, प्रताप सिंह चौहान, शशिकांत, सुनील कुकरेती, लालचंद, विजय गुप्ता, भोला यादव, कपिल कुमार, मोहनलाल, मुन्ना सिंह, जयसिंह, चंदन रावत, सोनू, नईम, कामिल, श्याम कुमार, फूल सिंह, सुशांत बंगाली, सुमन गुप्ता, आशा देवी, कामिनी मिश्रा, मंजू पाल, सुनीता चौहान आदि लघु व्यापारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अवैध चाकू के साथ संदिग्ध युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। जनपद में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत बहादराबाद पुलिस ने अपराध की मंशा से घूम रहे एक संदिग्ध युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद भर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली बहादराबाद पुलिस द्वारा क्षेत्र में चेकिंग के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। 10 मार्च की रात्रि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आवेश पुत्र सत्तार (22 वर्ष) निवासी ग्राम नटहौर, थाना नटहौर, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी सलेमपुर, थाना रानीपुर, जनपद हरिद्वार बताया।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस टीम में हे.कां. नरविंदर और कां. पंकज शामिल रहे।

बारात में डीजे हटाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, पत्थरबाजी में किशोरी घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव शिवगढ़ से धारिवाला बारात में धुड़चढ़ी के दौरान डीजे हटाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट एवं पत्थरबाजी में एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई किशोरी के पिता ने छह नाम जद के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मंगलवार को शिवगढ़ गांव से धारिवाला में बारात आई थी धुड़चढ़ी के दौरान डीजे हटाने को लेकर दो पक्षो में मारपीट व पत्थर बाजी में एक किशोरी गम्भीर रूप से घायल हो गई। किशोरी के पिता धर्मवीर निवासी धारिवाला ने छह नाम जद व्यक्तियों के खिलाफ तहरीर देकर बताया मेरे चाचा की लड़की की शादी थी जिसमे शिवगढ़ से बारात आयी थी बारात का अच्छे से खाना पीना कराने के बाद बाराती चढत करते हुए डीजे को हटाने को लेकर बारात में आये युवकों के बीच विवाद हो गया जिसमे सुभम व अमरीश के साथ गाली गलोज के साथ बेल्ट व लात घुसो से राजकुमार, अंकुल, हिमांशु, व सचिन निवासी शिवगढ़ अंकित, राजकुमार, निवासी धारिवाला ने पत्थर व ईट आदि फेंकने लगे जिससे वहाँ खड़ी मेरी लड़की संजीता के ऊपर ईट लगी जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गयी सिर पर गंभीर चोटे आई किशोरी को बेहोसी की हालत में वहा खड़े शिवकुमार ननवा ने उसको जिला अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टरों ने लड़की की हालत देख कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया जहाँ आइसीयू में किशोरी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने छह नाम जद आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

पथरी एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया कि बारात में डीजे हटाने को लेकर हुए झगड़े में छह व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच कर करवाई अमल में लाई जाएगी।

पारिवारिक विवाद में गर्भवती महिला से मारपीट, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के कैतवाड़ा मोहल्ले में पारिवारिक विवाद के दौरान भाभी-देवर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंची गर्भवती महिला के साथ भी मारपीट की गई और उसके पेट पर लात मार दी गई। पुलिस को दी शिकायत में कैतवाड़ा निवासी रुकसार ने बताया कि 10 जनवरी को उसके पति रजा हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण इलाज के लिए मुजफ्फरनगर गए हुए थे। उसी दौरान उसका देवर साजेब मकान की छत पर धूप में बैठा हुआ था। आरोप है कि रिश्तेदारी में लगने वाले अयान और उसके पिता वकील वहां पहुंचे और साजेब के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। शोर सुनकर रुकसार और उसकी सास सय्यैदा बीच-बचाव के लिए पहुंचीं। आरोप है कि इसी दौरान अयान के साथ उसकी मां नहिदा और पत्नी नाजिया भी मौके पर आ गईं और सभी ने मिलकर भाभी-देवर के साथ मारपीट कर दी। रुकसार का आरोप है कि वह उस समय गर्भवती थी और मारपीट के दौरान उसके पेट पर भी लात मारी गई, जिससे उसे काफी दर्द हुआ। पीड़िता का आरोप है कि दो मार्च को आरोपियों ने दोबारा गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

निर्वाण दिवस पर संत समाज ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति थे ब्रह्मलीन स्वामी रामस्वरूप : ज्ञानदेव सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी रामस्वरूप के द्वादश निर्वाण दिवस पर संत समाज ने उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर श्री गुरूमण्डलाश्रम में नवनिर्मित वातानुकूलित गुरूदेव संस्कृति भवन का उद्घाटन भी किया गया। आश्रम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी भगवत स्वरूप के संयोजन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में संत महापुरुष और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभा की अध्यक्षता करते हुए निर्मल पीठाधीश्वर श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी रामस्वरूप त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने धर्म और अध्यात्म का ज्ञान समाज को प्रदान करने के साथ मानव कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी भगवत स्वरूप महाराज जिस प्रकार अपने गुरूदेव के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायी है। महामंडलेश्वर स्वामी भगवत स्वरूप ने संत महापुरुषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरू ही परमात्मा का दूसरा स्वरूप होते हैं और वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें गुरू के रूप में ब्रह्मलीन स्वामी रामस्वरूप का सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि गुरूदेव से प्राप्त ज्ञान और शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए आश्रम की सेवा परंपराओं को आगे बढ़ाना ही उनका लक्ष्य है। महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती, स्वामी रविदेव शास्त्री और स्वामी रघुवीर दास ने कहा कि अपने ज्ञान और विद्वता से धर्मनगरी हरिद्वार को गौरवान्वित करने वाले ब्रह्मलीन स्वामी रामस्वरूप महाराज सदैव सभी की स्मृतियों में जीवंत रहेंगे। इस दौरान स्वामी भगवत स्वरूप के शिष्य स्वामी शिव स्वरूप महाराज ने सभी संतों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। श्रद्धांजलि सभा का संचालन स्वामी हरिहरानंद ने किया। इस अवसर पर स्वामी प्रेमानंद, महंत साधनानंद, स्वामी विवेकानंद, महंत रूपेंद्र प्रकाश, महंत राघवेंद्र दास, महंत दामोदर शरण दास, महंत दर्शन दास, महंत विष्णु दास, स्वामी संतोष मुनि, महंत शांतानंद, स्वामी दिनेश दास, महंत जगदीश दास, स्वामी दयामूर्त्यानंद, महंत मोहन सिंह और महंत सुतिक्ष्ण मुनि सहित बड़ी संख्या में संत महापुरुष और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीएम के प्रयासों से मिल रही जनपद की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नई दिशा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तरांचल पंजाबी महासभा के वरिष्ठ सदस्य सुनील अरोड़ा ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को शॉल ओढ़ाकर एवं बुके भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान सुनील अरोड़ा ने कहा कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के प्रयासों से जनपद में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलती दिखाई दे रही है। बरसों पूर्व जिलाधिकारी रहे बाबा हरदेव सिंह के बाद अब जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाल रहे मयूर दीक्षित अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ जनपद के विकास और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। शहर की साफ-सफाई, स्वास्थ्य व्यवस्था और जनसुविधाओं को लेकर उनकी विशेष प्राथमिकता साफ दिखाई दे रही है। विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर वे अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे हैं, जिससे व्यवस्थाओं में तेजी से सुधार देखने को मिल रहा है। हरिद्वार जैसे धार्मिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शहर की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा शहर की दशा सुधारने के लिए गंभीरता से कदम उठाए जा रहे हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी व्यवहारी श्रीमती अनीता देवी पत्नी श्री मुकेश निवासी ग्वलि पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड हाल निवासी एम-44/10, शिवालिक नगर हरिद्वार तहसील व जिला हरिद्वार की एक संपत्ति जो स्थित आवासीय प्लाट नम्बर 6 का भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 800 वर्गफुट खसरा नम्बर 1051/2, ग्राम रावली महदूद परगना ज्वालापुर तहसील व जिला हरिद्वार है से संबंधित तीन असल विक्रय पत्र जो कि क्रमशः उप निबंधक कार्यालय हरिद्वार में दिनांकित 13/02/2014 को पंजीकृत है जिसका बही नं 01 जिल्द 1638 के पेज 379 से 392 दस्तावेज नम्बर 1138 है जबकि दूसरा असल विक्रय पत्र जो कि उप निबंधक कार्यालय हरिद्वार में दिनांकित 2/06/2017 को पंजीकृत है जिसका बही नं 01 जिल्द 3160 के पेज 65 से 80 दस्तावेज नम्बर 3999 है, जबकि तीसरा असल विक्रय पत्र जो उप निबंधक कार्यालय हरिद्वार में दिनांकित 20/02/2018 को पंजीकृत है जिसका बही नं 01 जिल्द 3501 के पेज 187 से 202 दस्तावेज नम्बर 1601 है। उक्त वर्णित तीनों असल विक्रय पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं जो कि काफी तलाशने के बाद भी नहीं मिल रहे हैं। इस संबंध में श्रीमती अनीता देवी की ओर से पुलिस में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज की गयी है। उक्त असल विक्रय पत्रों को किसी व्यक्ति/ वित्तीय संस्थान/बैंक/न्यायालय में बंधक नहीं रखा गया है और ना ही कोई भी दुरूपयोग किया गया है। यदि उक्त वर्णित असल विक्रय पत्रों के बाबत किसी को भी कोई आपत्ति/दावा हो तो अद्योहस्ताक्षरी को सात दिन के अंदर सूचित करें। सात दिनों के बाद भी प्रकार की आपत्ति/दावे पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
कुलदीप कुमार, अधिवक्ता, शॉप नंबर-46 प्रथम तल, जिला परिषद मार्केट, ज्वालापुर, तहसील हरिद्वार, संपर्क-8077706127 9259564867

ईदगाह कमेटी ने शुरू की ईद की नमाज की तैयारियां

ईदगाह कमेटी के पदाधिकारियों ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

ईद से पूर्व दुरुस्त की जाए सफाई व्यवस्था : अहसान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ईदगाह कमेटी ने ईदगाह में होने वाली ईद की नमाज की तैयारियां शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को ईदगाह कमेटी के सचिव बाबर खान और वार्ड 44 त्रिमूर्ति नगर के पार्षद व ईदगाह कमेटी के सदस्य अहसान अंसारी ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ ईदगाह और आसपास क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम के क्षेत्रीय सेनेटरी इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार, पर्यावरण पर्यवेक्षक कुसुम पाल और पर्यावरण पर्यवेक्षक अखिल कुमार मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पार्षद अहसान अंसारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईद से पूर्व ईदगाह परिसर, आसपास के क्षेत्रों और ईदगाह रोड पर विशेष अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग ईदगाह पहुंचते हैं। इसलिए साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस दौरान उत्तराखंड पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य व ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष जमशेद खान, उपाध्यक्ष सज्जाद अहमद गौड़, पार्षद प्रतिनिधि जाफिर अंसारी, सगीर अंसारी, शिवम कुमार सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे और सभी ने बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

गुरुकुल कांगड़ी विवि में खुली भारतीय स्टेट बैंक की शाखा

कुलपति प्रो. डा. लूथरा व बैंक के महाप्रबंधक दीपेश ने फीता काटकर किया नई शाखा का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय परिसर में नई शाखा का शुभारंभ किया गया है। विवि परिसर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के खुलने से विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आसपास के क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक एवं सुलभ बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हवन यज्ञ के पश्चात गुरुकुल कांगड़ी विवि की कुलपति प्रोफेसर डा. प्रतिभा मेहता लूथरा, बैंक के महाप्रबंधक दीपेश राज ने रिबन काटकर शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डा.प्रतिभा मेहता लूथरा ने भारतीय स्टेट बैंक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में बैंक शाखा खुलने से विद्यार्थियों और कर्मचारियों को वित्तीय सेवाएं आसानी से प्राप्त होंगी तथा डिजिटल बैंकिंग को भी बढ़ावा मिलेगा। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने बताया कि इस शाखा के माध्यम से ग्राहकों को बचत एवं चालू खाते, डिजिटल बैंकिंग, शिक्षा ऋण, गृह ऋण, एटीएम सुविधा तथा अन्य आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन और भारतीय स्टेट बैंक के बीच यह सहयोग विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और त्वरित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार साह, मुख्य प्रबंधक संजय कुमार, विवि के कुलसचिव सत्यदेव निगमालंकार, वित्ताधिकारी विनोद कुमार सिंह, विवि के पूर्व कुलपति प्रभात कुमार, मुकुल वार्ष्णेय, श्वेता राजलक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली घर पर किया धरना प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। विद्युत विभाग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए जिला महानगर कांग्रेस कमेटी ने दूधियाबंद भूपतवाला स्थित बिजली घर पर प्रदर्शन किया और धरना दिया। धरने को संबोधित करते हुए जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि उत्तराखंड के बिजली उत्पादक प्रदेश होने के बावजूद प्रदेश की जनता को भाजपा सरकार द्वारा महंगी बिजली दी जा रही है। इस वर्ष बिजली बिलों में छूट न देकर सरकार ने आम जनता के ऊपर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग मनमानी कर रहा है। महज 5000 का बिल जमा ना करने पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुएउ कहा कि यदि विभाग ने अपना रवैया नहीं बदला तो कांग्रेस बड़े आंदोलन को बाध्य होगी। जिला महानगर कांग्रेस महासचिव कैलाश भट्ट और युवा नेता अजय गिरी ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आमजन के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव और तरुण व्यास ने कहा कि अन्य प्रदेशों की भाजपा सरकार कई कई यूनिट बिजली फ्री दे रही हैं। लेकिन उत्तराखंड सरकार जनता के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। धरने को संबोधित करते हुए पार्षद महावीर वशिष्ठ और पार्षद हिमांशु गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में आमजन सस्ती बिजली को तरस रहे हैं और इस चुनावी वर्ष में भी लोगों को बिजली के बिलों में छूट न देकर सरकार ने साफ कर दिया है कि भाजपा सिर्फ चंद उद्योगपतियों की सरकार है। एनएसयूआई के महानगर अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा और यूथ कांग्रेस जिला महासचिव शुभम जोशी ने कहा कि आमजन महंगी बिजली से परेशान है और आने वाले दिनों में इस सरकार की विदाई करने का मन बना चुका है। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से विमल शर्मा साटू, ओम मलिक, करन सिंह राणा, ऋषभ वशिष्ठ, गौरव गोस्वामी, नागेश रावत, रितेश पांडेय, मोहित अरियाल शर्मा, डुंगर सिंह, ऋषभ गिरी, राहुल पाठक, अनिल ठाकुर, सत्यम शर्मा, तरूण बेरी, मनीष कौशल, योगेश त्यागी, जतिन बब्बर, विकास शर्मा आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

फैक्टरीकर्मी ने कमरे में फांसी लगाकर दी जान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र के हेतमपुर में किराये के कमरे में रह रहे एक फैक्टरी कर्मी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस कंट्रोल रूम को बुधवार रात सूचना मिली कि हेतमपुर स्थित एक मकान में युवक ने फांसी लगा ली है। सूचना पर सिडकुल पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे में पंखे के सहारे फंदे से लटके युवक को नीचे उतरवाया। मृतक की पहचान पुखराज (37) पुत्र प्रवीण सिंह निवासी ग्राम टिमरपुर, थाना मंडावर, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश) हाल निवासी महादेव मंदिर कॉलोनी, हेतमपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह किराये के मकान में रहकर एक कंपनी में काम करता था। पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। थानाध्यक्ष निनेश शर्मा ने बताया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले के कारणों की जांच की जा रही है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

महिलाओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: ऐश्वर्या रावत

पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आयोग कटिबद्ध , घरेलू हिंसा के मामलों की मौके पर की काउंसलिंग, नशे से बढ़ रही घरेलू हिंसा की घटनाओं पर की चिंता व्यक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने जिला सभागार उत्तरकाशी में आयोजित महिला जन सुनवाई कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई कार्यक्रम में महिलाओं से संबंधित कुल 8 मामले दर्ज किए गए,जिसमें अधिकांश शिकायतें शराब के नशे में घरेलू हिंसा से जुड़ी रही। वीरवार को आयोग कि उपाध्यक्ष ने महिलाओं की समस्याएं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आयोग हर संभव सहयोग करेगा।

जनसुनवाई के दौरान दो घरेलू हिंसा के मामलों में पति-पत्नी को मौके पर बुलाकर उनकी काउंस. लिंग कराई गई, ताकि पारिवारिक विवाद का समाधान आपसी सहमति से किया जा सके। उपाध्यक्ष ने पुलिस और संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि महिलाओं को समय पर न्याय मिल सके।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में उपाध्यक्ष ने नशे के कारण बढ़ रही घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवाद की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। इस दौरान महिलाओं ने जनपद में नशा मुक्ति केंद्र,नारी निकेतन तथा महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण (सेल्फ डिफेंस) केंद्र खोले जाने की मांग उठाई। कार्यक्रम में मौजूद उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने महिलाओं की मांगों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इन तीनों केंद्रों की स्थापना के लिए शासन स्तर पर वार्ता की जाएगी। महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने प्रतिभाग करते हुए महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

जनसुनवाई कार्यक्रम में दर्जा राज्य मंत्री प्रताप पंवार,एसपी कमलेश उपाध्याय,एडीएम मुक्ता मिश्र,एसडीएम शालिनी नेगी,जिला प्रोबेशन अधिकारी शोएब हुसैन, जिला कार्यक्रम अधिकारी यशोदा बिष्ट सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक घर में भी नहीं रहेंगे, तलाक भी नहीं देंगे

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने वीरवार को जिला सभागार उत्तरकाशी में आयोजित महिला जन सुनवाई कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने कहा कि आजकल ऐसे कैश भी आ रहे किष्एक घर में भी नहीं रहेंगे और तलाक भी नहीं देंगेष यह एक जटिल वैवाहिक स्थिति हो गई है। उन्होंने बताया कि कानूनी तौर पर, पति वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए आवेदन कर सकता है, जो पत्नी को वापस आने के लिए मजबूर करता है, या क्रूरता के आधार पर एकतरफा तलाक ले सकता है। पत्नी चाहे तो साझा घर में रह सकती है, लेकिन रहने का अधिकार वैवाहिक विवादों में अलग हो सकता है।

द माउसट्रैप नाटक का मंचन दर्शकों को खूब भाया

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के चौरास स्थित लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में हिमाद्री नाट्य समारोह के चौथे दिन अगाथा क्रिस्टी द्वारा लिखित द माउसट्रैप नाटक का मंचन किया गया। मंथन आर्ट्स ग्रुप थिएटर सोसाइटी चंडीगढ़ ग्रुप के ओर नाटक में दर्शाया गया है कि जो होता है, वो दिखता नहीं, जो दिखता है वो होता नहीं। माटक में कहानी की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में मॉल रोड के पास टैक्सी स्टैंड पर रविश गुप्ता नाम के एक व्यक्ति की हत्या से होती है। इसके बाद कहानी हिमगिरी गेस्ट हाउस में पहुँचती है, जो मॉल रोड, डलहौजी के पास ऊँची पहाड़ियों में स्थित एक दूरस्थ गेस्ट हाउस है। इसे हाल ही में नवीनीकृत किया गया है और इसे एक युवा दंपति संजय अवस्थी और अनुश्री अवस्थी चलाते हैं, जब वे मेहमानों के आने का इंतजार कर रहे होते हैं।

किराए के मकान में रह रहे व्यक्ति का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी

पुलिस ने तोड़ा दरवाजा ,मृतक वर्तमान पते पर गत दस वर्षों से रहता था

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। किराए के मकान में एक व्यक्ति के मृत मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फेल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फिल्ड यूनिट के साथ मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक का पंचायत नामा भर शव को पोस्टमार्टम के भेज दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली सहसपुर पर 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि लांघा रोड छरबा, पीएनबी, एटीएम के पास प्यार सिंह के मकान में एक व्यक्ति जो किराए पर रहता था जिसका अंदर से दरवाजा बंद है, जो दरवाजा नहीं खोल रहा है तथा बदबू आ रही है।

उक्त सूचना पर तत्काल कोतवाली सहसपुर से पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान मकान मालिक व अन्य ग्रामवासियों के समक्ष वीडियोग्राफी करते हुए दरवाजा तोड़कर खोला गया तो अंदर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। मृतक के परिजन मौसी के लड़के सुमन सिंह व दीपक निवासी ग्राम उसडा, ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग मौके पर मौजूद थे तथा परिजनों को उक्त सम्बन्ध में सूचना दे दी गई। घटनास्थल सुरक्षित रखते हुए मौके पर फिल्ड यूनिट टीम बुलाया गया।

फिल्ड यूनिट द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया मृतक की पहचान दीवान सिंह पुत्र प्रेमसिंह निवासी ग्राम सारी ऊखी मठ जिला रुद्रप्रयाग उम्र करीब 40 वर्ष के रुप मे हुई है मृतक सेलाकुई फैक्ट्री में काम करता था तथा वर्तमान पते पर करीब 10 वर्षों से निवास करता था मृतक के पंचायत नामा व पोस्टमार्टम कार्रवाई की गयी है।

कमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत से होटल व्यवसाइयों पर संकट

शादियां और चारधाम यात्रा सिर पर होने से होटल संचालक परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। मध्य पूर्व एशिया में चल रहे इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और युद्ध की स्थिति का असर अब स्थानीय स्तर पर भी देखने को मिलने लगा है। अंतरराष्ट्रीय हालात के कारण एलपीजी गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से श्रीनगर क्षेत्र में सिलेंडरों की किल्लत बढ़ गई है। इससे खासतौर पर होटल और रेस्टोरेंट व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं और कई होटल व्यवसायी अपने कारोबार को बंद करने की स्थिति में पहुंच गए हैं। होटल संचालकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिस कारण होटल और ढाबों में भोजन बनाना मुश्किल हो गया है। कई स्थानों पर तो व्यवसायियों को मजबूरन अपने प्रतिष्ठान अस्थायी रूप से बंद करने पड़े हैं। होटल एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक एवं व्यापार सभा श्रीकोट के अध्यक्ष नरेश नौटियाल ने बताया कि श्रीनगर में एलपीजी गैस की आपूर्ति न होने से होटल और ढाबा संचालकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के चलते गैस की सप्लाई प्रभावित हुई है। कहा कि हमारा पूरा व्यवसाय गैस पर निर्भर है। यदि समय पर सिलेंडर नहीं मिलते हैं तो होटल चलाना संभव नहीं है। कहा कि चारधाम यात्रा अगले माह से शुरू होने जा रही है, जिसका हर किसी होटल संचालक को इंजतार रहता है, लेकिन ऐसे समय पर गैस की किल्लत होटल व्यवस्यों के लिए रोजी रोटी का संकट खड़ा कर सकती है। होटल संचालक दीपक नौटियाल ने कहा कि आजकर शादियों का सीजन चल रहा है और एक माह बाद चारधाम यात्रा शुरू होने वाला है, लेकिन गैस की कमी के कारण होटल व्यवसाय पर संकट मंडरा रहा है। सरकार और गैस एजेंसियों को जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारनी चाहिए, ताकि व्यवसाय प्रभावित न हो। होटल व्यवसायियों ने प्रशासन से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति जल्द सुचारू करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो इसका सीधा असर पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

''कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित हुई है। बहादराबाद हरिद्वार से कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं आ रही है। ऐसे में होटल व्यवसाय को गैस नहीं मिल पा रही है। घरेलू गैस की आपूर्ति हो रही है, लेकिन वह निचले स्तर से कम पहुंच रही है।''

दीपक कुमार, प्रबंधक, इंडेन गैस ऐजंसी।

'' कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पूर्ण रूप से बंद हो गई है। उसके लिए होटल एवं ढाबा संचालकों से इलेक्ट्रिक और लकडियों पर खाना बनाने की अपील की गई है। जबकि घरेलू एलपीजी गैस में कोई दिक्कत न हो इसके लिए प्रयास किए जा रहें है।'

' दीपक भंडारी, तहसीलदार, श्रीनगर गढ़वाल।

सहसपुर पुलिस ने एक शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। लग्जरी कार से अवैध शराब की तस्करी कर रहे 1 शराब तस्कर को कोतवाली सहसपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार। शराब तस्कर के कब्जे से वाहन संख्या यूके08 यू0930 स्वीफ्ट डिजायर कार से कुल 20 पेटी अंग्रेजी शराब 18 पेटी विहस्की कुल 864 पवे, दो पैटी ब्लू स्ट्रोक कुल 24 बोतल हरियाण चण्डीगढ ब्राण्ड हुई बरामद।

कोतवाली सहसपुर से अ0उ0नि0 प्रेम प्रसाद कोठारी के नेत्रत्व मे टीम का गठन किया गया गया गठित पुलिस टीम द्वारा आज गुरूवार को पुलिस टीम द्वारा कठोर कार्यवाही करते हुए चौकिंग के दौरान प्रतीतपुर धर्मावाला में एक व्यक्ति को अंग्रेजी शराब साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शराब तस्कर पूरण सिंह पुत्र स्व. बुद्ध सिंह निवासी बद्रीपुर थाना सहसपुर के विरुद्ध कोतवाली सहसपुर पर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम में एसएचओ शंकर सिंह बिष्ट प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सहसपुर, अ0उ0नि0 प्रेम प्रसाद कोठारी, सिपाही सुरेश रावत, प्रवीण कुमार शामिल रहे।

एक नजर .....

महाविद्यालय चकराता में पोस्टर एवं वनस्पति पहचान प्रतियोगिता आयोजित

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय चकराता में रसायन विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागीय परिषदों के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता तथा वनस्पति पहचान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में कुमारी रेशमा ने प्रथम स्थान, कुमारी अर्चना भारती ने द्वितीय स्थान तथा खुशी वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वनस्पति विज्ञान विभाग की वनस्पति पहचान प्रतियोगिता में कुमारी अर्चना ने प्रथम तथा कुमारी रेशमा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. नवीन चंद्र तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय शिखर पवार ने प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष शरण ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होती है तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सुदीप्ता कंडारी, डॉ. शिवांगी उपाध्याय तथा डॉ. अभय शिखर पवार शामिल रहे।

गैस की कालाबाजारी रोकने को विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान

विकासनगर। गेस की बढ़ती किल्लत और काला बाजारी रोकने को

विभाग कर्मियों ने विकासनगर बाजार सहित क्षेत्र में चौकिंग अभियान चलाया। खाद्य पूर्ति विभाग की राखी वर्मा के नेतृत्व में टीम ने विक. ासनगर के बाबूगढ से लेकर बाजार क्षेत्र की दुकानों, प्रतिष्ठानों में जांच की। बताया उनकी टीम ने होटलों में घरेलू सिलेण्डर इस्तेमाल करते पाये, टीम ने बताया कार्यवाही के दौरान उन्होंने जागरूक कर कोमर्सियल बडे सिलेण्डरों का ही इस्तेमाल करने कहा बताया। टीम ने कार्यवाही कर व्यापारिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल किये जा रहे कई सिलेंडरो को जब्त किया। साथ ही चेतावनी दी कि प्रतिष्ठानों में घरेलू गेंस सिलेण्डर इस्तेमाल करते पाये जाने पर दण्डात्मक सख्त कानूनी कार्यवाही की जायेगी। वहीं विभाग की इस छापामार कार्यवाही से क्षेत्र के मिष्ठान, प्रतिष्ठानों, होटलों ढाबों औ मोमा, चाउमिन, चाट बेचने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। अधिकारी ने बताया कार्यवाही जारी रहेगी। वहीं खबर लिखे जाने तक विभाग की कार्यवाही जारी रही। टीम में राहुल बहुगुणा, जितेन्द्र पंवार, विजय कुमार शामिल रहे।

बारिश नहीं होने से खिर्सू ब्लाक के गांवों में बढ़ा पेयजल संकट

श्रीनगर। विकासखंड खिर्सू के अधिकांश गांवों में पेयजल संकट गहराने लगा है। यहां जल संस्थान की संचालित 25 से अधिक पेयजल योजनाओं में पानी का स्रोत तेजी से कम हो रहा है। अब, सड़क से लगे गांवों में टैंकर से पानी की सप्लाई की जाएगी। जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि बारिश नहीं होने से नान ग्लेशियर नदियों से जुड़े पेयजल योजनाओं पर व्यापक असर पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर खिर्सू ब्लाक के गांवों को जोड़ने वाली पेयजल योजनाओं पर पड़ा है। यहां स्रोतों पर 35 से 50 फीसदी पानी कम हो चुका है। उन्होंने बताया कि कांडा, गवाणा, रामपुर, भैंसकोट, बुघाणी, जलेथा, खोला, देवलगढ़, धारकोला, मुसोली, सहित अन्य गांवों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि अगर, अगले एक पखवाड़े में बारिश नहीं होती है, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। इन हालातों में पहले चरण में सड़क से जुड़े गांवों में टैंकर से पानी की सप्लाई की जाएगी।

कस्टमर डे 2026 मनाया, ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की संस्कृति को किया और मजबूत

देहरादून। एयरटेल ने आज कस्टमर डे 2026- मनाया। यह संगठन के भीतर चलाया गया एक व्यापक अभियान है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों की समस्याओं को समझना और उनके अनुभव को लगातार बेहतर बनाना है। इस पहल के तहत एयरटेल के लगभग बीस हजार कर्मचारियों ने अपने कार्यालयों से बाहर निकलकर सीधे फील्ड में काम किया। इनमें नेतृत्व करने वाली टीम के सदस्यों से लेकर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ शामिल थे। इन कर्मचारियों ने फ्रंटलाइन टीमों के साथ मिलकर काम किया, फील्ड इंजीनियरों के साथ जाकर उनके काम को करीब से देखा, घरों और दुकानों का दौरा किया और रिटेल व सर्विस सेंटरों पर ग्राहकों से बातचीत की। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं को बिना किसी फिल्टर के समझना है। एयरटेल में कस्टमर डे संगठन के लिए एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर भी है जब वह ठहरकर आत्ममंथन करता है और खुद से एक सीधा लेकिन अहम सवाल पूछता है कि हम अपने ग्राहकों के लिए और क्या बेहतर कर सकते हैं। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा, "कस्टमर डे हमें हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है कि हम ग्राहकों की बात पूरे ध्यान से सुनें, खुद को लगातार बेहतर बनाने के लिए चुनौती दें और तत्परता के साथ कार्रवाई करें।

देहरादून-नाईली बस सेवा को कथियान तक चलाने की मांग

कनिष्ठ उप प्रमुख ने दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। विकासखंड चकराता की कनिष्ठ उप प्रमुख सुलोचना रावत ने क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तराखंड परिवहन निगम पर्वतीय क्षेत्र देहराद. न को ज्ञापन सौंपकर देहरादून से मिन्स, अटाल, त्यूनी, केराड होते हुए नाईली तक संचालित बस सेवा को आगे कथियान तक नियमित रूप से चलाने की मांग की है।

ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पूर्व में देहरादून से उक्त मोटर मार्ग पर बस सेवा संचालित होती थी, लेकिन पिछले कई महीनों से यह सेवा बंद पड़ी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि इस बस सेवा को पुन: शुरू करते हुए नाईली के स्थान पर इसका अंतिम पड़ाव कथियान किया जाए और रात्रि विश्राम भी कथियान में कराया जाए। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा नाईली से कथियान तक बस संचालन के लिए सर्वेक्षण भी किया जा चुका है। यदि इस मार्ग पर बस सेवा शुरू की जाती है तो लगभग 30 से 40 गांवों के लोगों को सीधा यातायात लाभ मिलेगा और उन्हें देहरादून सहित अन्य स्थानों तक पहुंचने में सुविधा होगी। सुलोचना रावत ने परिवहन निगम से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए देहरादून से संचालित इस बस सेवा को नियमित रूप से कथियान तक चलाया जाए और कथियान को इसका अंतिम स्टेज घोषित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो सके।

सिद्धपीठ धारी देवी मंदिर में मोबाइल फोन पूरी तरह से वर्जित

श्रीनगर। धारी देवी मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा मंदिर समिति के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नगर निगम श्रीनगर की महापौर आरती भंडारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंदिर परिसर की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और परिसर को व्यवस्थित रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि मंदिर परिसर की पवित्रता और अनुशासन बनाए रखने के लिए मंदिर क्षेत्र में मोबाइल फोन पूरी तरह से वर्जित रहेगा। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम द्वारा मंदिर परिसर में सामान रखने हेतु लॉकर की व्यवस्था की जाएगी, जिससे दर्शन के दौरान लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने किया विकास भवन का औचक निरीक्षण

स्वच्छता व अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव के दिए निर्देश, कार्यालयों में बेहतर कार्य संस्कृति और आमजन को समयबद्ध सेवाएं देने पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने विकास भवन परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागीय कार्यालयों में स्वच्छता, कार्य प्रणाली और अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों की साफ-सफाई तथा अभिलेखों का सही रखरखाव न केवल कार्य संस्कृति को बेहतर बनाता है, बल्कि आमजन को समयबद्ध और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यालयों में पत्रावलियों और अभिलेखों का व्यवस्थित तरीके से रखरखाव सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी फाइलों और दस्तावेजों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जा सके और कार्यों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से समाज कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग तथा उद्यान विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ रिकॉर्ड प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बनी रहे।

उक्रांद कार्यकर्ता सड़कों पर रहकर दोनों दलों के विधायकों के इरादों को नाकाम करेंगे: आशीष

शाह टाइम्स संवाददाता

भराड़ीसैंण। भराड़ीसैण में चल रहे विधान सभा के बजट सत्र के दौरान गैरसैण स्थाई राजधानी घोषित न होने पर अब उक्रांद विधायकों को भराड़ीसैण से ही न निकल जाने का नायाब तरीका अपनाया है। इसके तहत विधायकों को भराड़ीसैण से न निकलने देने के लिए कार्यकर्ता सड़कों पर ही लेट जाएंगे।

उक्रांद ने गैरसैण स्थाई राजधानी को लेकर अब डू एंड डाई के फार्मूले पर काम करना शुरू कर दिया है। बजट सत्र के पहले दिन स्थाई राजधानी घोषित करने को लेकर उक्रांद ने विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस को खूब छकाया था। इसके चलते जंगलों के रास्ते कार्यकर्ता भराड़ीसैण विधानसभा परिसर के नीचे तक पहुंच गए थे। यही नहीं उन्होंने पांच बैरियरों को भी पार कर दिया था। राज्य बनने के

बाद स्थाई राजधानी को लेकर इसे उक्रांद का यह कदम काबिलेगौर देखने को मिला था। अब जबकि चुनावी तैयारियों का साल चल रहा है तो उक्रांद ने भाजपा तथा कांग्रेस को स्थाई राजधानी गैरसैण बनाने को लेकर दोनों दलों को घेरना शुरू कर दिया है। स्थाई राजधानी को लेकर सत्ता प्रतिष्ठान से लेकर विपक्षी कांग्रेस में कोई हलचल नहीं दिखाई दे रही है। इसके चलते उक्रांद कार्यकर्ताओं ने अब स्थाई राजधानी बजट सत्र के दौरान ही घोषित करने को लेकर नायाब रणनीति तैयार की है। इसके तहत उक्रांद कार्यकर्ताओं ने गुरूवार को सिमली तथा कुमाऊं सीमा पांडुवाखाल विधायकों को रोकने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। उक्रांद युवा प्रकोष्ठ केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं को भनक लगी कि सत्र गुरूवार को ही निपट सकता है। इसके चलते उक्रांद कार्यकर्ता सिमली और पांडुवाखाल में एकत्रित हुए और भराड़ीसैण से दोनों ओर से जा रहे वाहनों को चेक करने लगे। उनकी रणनीति बनी है कि पांडुवाखाल, नागचूलाखाल, सिमली, कर्णप्रयाग, श्रीनगर, देवप्रयाग और कुमाऊं के अन्य कस्बों में भी विधायकों को रोका जाएगा। इसी निमित वे विधायकों को वापस भराडीसैण भेजने की रणनीति पर काम करने लगे। हालांकि गुरूवार को भराड़ीसैण में सत्र चल ही रहा था। इसलिए कोई भी विधायक इनके हत्थे नहीं चढ़ा। इसके बावजूद उक्रांद कार्यकर्ता अपने इरादे पर अडिग हैं। उनका कहना है कि कोई भी विधायक भराड़ीसैण से निकालता है तो उन्हें वापस भराड़ीसैण भेजा जाएगा और इसी सत्र में गैरसैण स्थाई राजधानी घोषित करने की मांग पर अड़ा रहेगा। उक्रांद नेता नेगी ने कहा कि एक मंत्री ने भराड़ीसैण विधानसभा भवन को वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने का इरादा जताया है। कहा कि 42 शहादतों के बाद उत्तराखंड बना है। इस राज्य की अभी तक स्थाई राजधानी नहीं बन पाई है। भाजपा तथा कांग्रेस स्थाई राजधानी के नाम पर नौटंकी कर रहे हैं। अब ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए उक्रांद कार्यकर्ता सड़कों पर रहकर दोनों दलों के विधायकों के इरादों को नाकाम करेंगे। इस दौरान कोई विधायक पकड़ में आया तो आपातकालीन सत्र बुलाकर इस मामले का निस्तारण होना चाहिए।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष युद्धवीर सिंह नेगी, पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक फरस्वाण व कुंवर सिंह दानू, कार्यकारी जिलाध्यक्ष पंकज पुरोहित, संगठन मंत्री उमाशंकर नेगी, रूद्रप्रयाग के महामंत्री दीप प्रकाश, पृथ्वी सिंह नेगी, हेमा गडिया, राजेश्वरी देवी, लक्ष्मी देवी, बबीता, एससी/एसटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत, उम्मेद सिंह नेगी, यशपाल सिंह नेगी, जमन सिंह मनेषा समेत तमाम कार्यकर्ता सिमली में मौजूद रहे।

रूद्रप्रयाग में बलबीर चौधरी बने उक्रांद के जिलाध्यक्ष

रुद्रप्रयाग। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल (उक्रांद) की तिलवाड़ा-सुमाड़ी में आयोजित बैठक में वरिष्ठ नेता बलबीर चौधरी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। बताया गया कि उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने हाल ही में जनपद इकाई को भंग करते हुए चार दिनों के भीतर नई जिला कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में वरिष्ठ नेता बलबीर चौधरी को जिला संयोजक नियुक्त किया गया था।रविवार को तिलवाड़ादूसुमाड़ी स्थित डिमरी लॉज में जिला संयोजक बलबीर चौधरी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से उन्हें उक्रांद का जिलाध्यक्ष चुना। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता विष्णुकांत शुक्ला, पृथ्वीपाल रावत, देवेंद्र चमोली, जितार सिंह जंगवाण, सुबोध नौटियाल, शैलेन्द्र बुटोला, डॉ. आशुतोष भंडारी, विक्रम सिंह फर्स्वाण, आरती पांडेय आदि उपस्थित रहें।

राइंका फाटा के छात्रावास से पशु उपचार केंद्र हटाने की मांग तेज

■ तीसरे दिन भी जारी रहा ग्रामीणों का क्रमिक अनशन
■ मातृशक्ति और युवाओं के समर्थन से आंदोलन को मिला बल

शाह टाइम्स संवाददाता

फाटा/रुद्रप्रयाग। राजकीय इंटर कॉलेज फाटा के छात्रावास भवन में पिछले दो वर्षों से संचालित अस्थायी पशु उपचार केंद्र को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा शुरू किया गया अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन को लगातार समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में ग्रामीण अनशन स्थल पर पहुंच रहे हैं।

गुरुवार को अनशन के तीसरे दिन आंदोलन में मातृशक्ति और युवाओं की भागीदारी बढ़ने से ग्रामीणों के हौसले और मजबूत दिखाई दिए। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा कि उनकी एकमात्र मांग राजकीय इंटर कॉलेज फाटा के छात्रावास भवन को जल्द से जल्द खाली कराना है, ताकि छात्रावास का उपयोग विद्यार्थियों के लिए किया जा सके।

पूर्व प्रधान खड़िया त्रिलोक सिंह खोयाल ने बताया कि 10 मार्च से शुरू हुआ क्रमिक अनशन गुरुवार को भी जारी रहा। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे क्षेत्र की मातृशक्ति और युवा भी आंदोलन में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने सभी ग्रामीणों से छात्रावास भवन से पशु उपचार केंद्र को स्थानांतरित कराने की मुहिम में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब तक भवन खाली नहीं किया जाता, तब तक क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

वहीं सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौहान भी तीसरे दिन अनशन स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने जिला प्रशासन पर ग्रामीणों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आज विद्यालय के छात्रावास में पशु उपचार केंद्र संचालित किया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए केंद्र को शीघ्र अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की।

अनशन के तीसरे दिन देर शाम वार्ता के लिए अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तथा तहसीलदार ऊखीमठ रमेश चंद्र अनशन स्थल पर पहुंचे। इस दौरान एडीएम ने पशु उपचार केंद्र को स्थानांतरित करने के लिए तीन से छह माह का समय मांगा, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने इसे जल्द से जल्द हटाने की मांग दोहराई।

ग्रामीणों का कहना है कि छात्रावास भवन को केवल दो माह के लिए अस्थायी रूप से दिया गया था, लेकिन दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इसे खाली नहीं कराया गया है। इस कारण ग्रामीण अब भवन को तत्काल खाली कराने की मांग पर अड़े हुए हैं।

अनशन स्थल पर ग्राम प्रधान रविग्राम रामेश्वर प्रसाद जमलोकी, प्रधान खड़िया दीपा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य खड़िया योगिता देवी, पूर्व ग्राम प्रधान जामू उमेंद्र रमोला, पूर्व ग्राम प्रधान श्याम लाल, विजया देवी, माहेश्वरी देवी, ललिता देवी, उषा देवी, जगदम्बा प्रसाद जमलोकी, राजेंद्र ममगाई, ज्ञान सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में अवसरों को लेकर इंटर्न्स को मिला मार्गदर्शन

■ श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में विश्व प्रसिद्ध स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अली ईरानी मुख्य वक्ता के तौर पर रहे मौजूद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। श्री गुरु राम राय विश्व. विद्यालय के स्कूल ऑफ पैरामेडिकल एंड एलाइड हेल्थ साइंसेज के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा बीपीटी एवं एमपीटी के छात्र-छात्राओं के लिए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, विशेषकर इंटर्न्स को फिजियोथेरेपी की विभिन्न स्ट्रीमों की जानकारी देकर उन्हें अपनी रुचि और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार सही स्ट्रीम का चयन करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति गुरु राम राय विश्वविद्यालय प्रो. (डॉ.) के. प्रतापन, कुलसचिव डॉ. लोकश गंभीर तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता विश्व प्रसिद्ध डॉ. अली ईरानी (भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट) रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों, स्पेशलाइजेशन और रोजगार के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. ईरानी ने छात्रों को आधुनिक और उन्नत तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी, जिनकी मदद से मरीजों को दर्द से शीघ्र राहत प्रदान की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी, न्यूरो फिजियोथेरेपी, ऑर्थोपेडिक फिजियोथेरेपी, कार्डियो-पल्मोनरी फिजियोथेरेपी सहित कई विशेषज्ञताएं उपलब्ध हैं। छात्र यदि अपनी रुचि, कौशल और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर सही स्ट्रीम का चयन करें, तो इस क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक प्रो. (डॉ.) कीर्ति सिंह, आयोजक प्रो. (डॉ.) नीरज कुमार एवं डॉ. शारदा शर्मा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. सोनिया गंभीर और डॉ. मालविका कांडपाल भी उपस्थित रहीं।

भू-स्थानिक मिशन से वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए मिल रहा जमीनी डाटा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । केंद्र के राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन से संस्थाओं को मिल रहा है सभी जमीनी डाटा। जो वैज्ञानिक, आर्थिक और विकासात्मक उध्देश्यों के लिए बड़ा मददगार साबित हो रहा है। जिसके अधिक बेहतर उपयोग् के लिए मिशन के मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सदन में उच्च-सटीकता वाले डिजिटल एलिवेशन मॉडल से जुड़े राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन की प्रगति पर महत्वपूर्ण जानकारी मांगी। जिसके जबाब में विज्ञान और प्रौध्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि बजट घोषणा के अनुरूप, राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन प्रस्ताव के मूल्यांकन की प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताएं शुरू की गई। इस संबंध में, प्रस्ताव मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधित मंत्रालय, विभाग के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया गया है। मूल्यांकन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में प्राप्त सुझावों को शामिल करने के बाद, मंत्रिमंडल नोट के रूप में मिशन दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अनुमोदन के बाद, मिशन के लिए निर्धारित निधि का उपयोग तदनुसार किया जाएगा।

इसी क्रम में बताया कि 15 फरवरी 2021 से भू-स्थानिक दिशानिर्देशों के अनुसार, सार्वजनिक निधियों का उपयोग करके उत्पन्न किया गया सभी भू-स्थानिक डेटा, सुरक्षा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा एकत्रित गोपनीय भू-स्थानिक डेटा को छोड़कर, सभी भारतीय संस्थाओं को वैज्ञानिक, आर्थिक और विकासात्मक उध्देश्यों के लिए आसानी से सुलभ कराया जाएगा और उनके उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

तदनुसार, भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा सृजित सभी भू-स्थानिक डेटा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के ऑनलाइन मानचित्र पोर्टल के माध्यम से आसानी से और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

विपिन कांडपाल बने जिला महामंत्री

कालाढूंगी। भाजपा किसान मोर्चा के विपिन कांडपाल बने जिला महामंत्री। उनके मनोनीत होने पर बधाई देने का सिलसिला जारी। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज शाह ने जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट व मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी से परामर्श कर जिले की कार्यकारणी की घोषणा करते हुए गैबुआ निवासी विपिन कांडपाल को मोर्चे का जिला महामंत्री मनोनीत किया है वहीं विपिन से उम्मीद जताई कि वह अपने पद का निर्वहन ईमानदारी से करेंगे वहीं विपिन कंडपाल ने कहा जिस उम्मीद से पार्टी ने उनपर उम्मीद जताते हुए जिम्मेदारी दी है वह उस पर खरा उतर कर दिखाएंगे भाजपा पार्टी की जन नीतियों को जनता तक पहुंचाएंगे। इस दौरान कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, मंडल अध्यक्ष कमलेश पांडे, विक्रम जंतवाल सहित अनेक लोगों ने उनको बधाई दी।

एलपीजी एवं ईंधन की कालाबाजारी पर सख्त निगरानी, 280 निरीक्षण

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने की कार्रवाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में एलपीजी एवं ईंधन की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा प्रदेशभर में व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 10, 11 एवं 12 मार्च तक विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनपदों में निरीक्षण एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। आयुक्त खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कुल 280 निरीक्षण किए गए। जांच के दौरान 58 स्थानों पर छापे मारे गए । साथ ही 4 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान अवैध भंडारण एवं दुरुपयोग के मामलों में 74 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त कार्रवाई के दौरान 01 काटा (वजन माप उपकरण) तथा 02 रिफिलिंग किट भी जब्त की गई हैं। विभाग द्वारा अनियमितताओं पर 4600 का अर्थदंड भी वसूला गया है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गैस एवं ईंधन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध रिफिलिंग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं भी एलपीजी या ईंधन से संबंधित अनियमितता, कालाबाजारी अथवा अवैध रिफिलिंग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

आयुक्त ने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए विभाग द्वारा आगे भी इसी प्रकार सघन जांच अभियान जारी रहेंगा।

चुनावी रंजिश: जानलेवा हमला करने का आरोप

काशीपुर। एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर चुनावी रंजिश के चलते उस पर जानलेवा हमला कर उसे बुरी तरह घायल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। ग्राम गुलड़िया निवासी जावेद पुत्र बुनियाद अली ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के ही इसराइल पुत्र अब्दुल अजीज तथा उसके परिजन उससे चुनावी रंजिश रखते हैं।

यमकेश्वर की न्याय पंचायत बड़ोलीबड़ी में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

कोटद्वार । राज्य सरकार द्वारा संचालित जनदृजन की सरकार, जनदृजन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड यमकेश्वर की न्याय पंचायत बड़ोलीबड़ी के अंतर्गत विकास खंड सभागार में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता तहसीलदार वैभव जोशी ने की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन पर जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने 29 शिकायतें दर्ज कीं, जिनमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से 106 लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया जबकि 09 ग्रामीणों के विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु आवेदन पत्र भरवाए गए। तहसीलदार ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से विभाग जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। विभागीय स्टॉलों के जरिये लोगों को न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, बल्कि पात्र लाभार्थियों को तत्काल लाभ भी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी व पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, जिला सहकारिता, पंचायतीराज, कृषि, उद्यान, खाद्य पूर्ति, राजस्व विभाग सहित 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। जिनमें विभिन्न योजनाओं से 106 लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सीता चौहान, जिला पंचायत सदस्य बचन सिंह बिष्ट, कविता डबराल, खंड विकास अधिकारी आकाश बेलवाल, खंड शिक्षा अधिकारी मास्टर आदर्श, सहायक समाज कल्याण अधिकारी महेश प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

युवाओं को मिल रहा उद्यमिता व लेखांकन का प्रशिक्षण

■ एसबीआई आरसेटी दे रहा निःशुल्क सहायक बुक कीपर प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। जनपद रुद्रप्रयाग में युवाओं को स्वरोजगार एवं वित्तीय क्षेत्र से जोड़ने के उद्देश्य से एसबीआई आरसेटी रुद्रप्रयाग की ओर से निःशुल्क "सहायक बुक. कीपर" प्रशिक्षण कार्यक्रम का 20 मार्च तक संचालित किया जाएगा।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अरूण कुमार ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में लेखांकन और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अभ्यर्थी लेखांकन के मूलभूत कौशल सीखकर इस क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग, पेमेंट गेटवे और थर्ड पार्टी पेमेंट ऐप जैसी आधुनिक बैंकिंग सेवाओं की जानकारी भी दी गई।

संस्थान के प्रशिक्षक वीरेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि जनपद में इस प्रकार का प्रशिक्षण पहली बार निःशुल्क रूप से आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया गया, जिसके बाद 30 युवक-युवतियों को इस कार्यक्रम के लिए चुना गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निरंतर प्रोत्साहित करते हुए उन्हें उद्यमिता विकास, आत्मविश्वास निर्माण, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन तथा समस्या समाधान जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रारंभिक सत्रों में प्रतिभागियों को 21वीं सदी के कौशल, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, लैंगिक समानता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा संवैधानिक मूल्यों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को लेखांकन एवं बुक कीपिंग से संबंधित विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। डीएसटी अमन यादव द्वारा अकाउंटिंग से जुड़े विभिन्न सत्र संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्रतिभागियों को लेखा प्रबंधन, वित्तीय अभिलेख तैयार करना, आय-व्यय का लेखा-जोखा रखना तथा बहीखाता प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। एनएसक्यूएफ के मानकों के अनुसार 300 घंटे की अवधि वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों प्रकार का ज्ञान प्रदान किया जा रहा है।

तीन पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बागेश्वर। बैजनाथ पुलिस ने तीन पेटी शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जिले में नशे के खिलाफ लगाकर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उप निरीक्षक उमेश सिंह रजवार और कोतवाली बैजनाथ पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान पर थे। इस दौरान पुलिस ने मोहन सिंह पुत्र तारा सिंह, मुन्ना सिंह पुत्र गोपाल सिंह को कार में तीन पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस ने संतोष सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी कपकोट को 18 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर प्र. श्रेणी श्रीनगर गढ़वाल
रा.वाद संख्य:-08 सन-2025-2026

वादी-1. श्रीमती कुसुम गिरी पत्नी गोपाल गिरी 2.श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी दीपक गिरी निवासी ग्राम नकोट पटटी रावतस्यूं, तहसील श्रीनगर जिला पौड़ी गढ़वाल।

बनाम

प्रतिवादीगण -1. ज्ञान गिरि पुत्र श्यामा गिरि 2. सुशील देवी पत्नी प्रेमगिरी 3. गोपाल पुत्र प्रेमगिरी 4-दीपक पुत्र प्रेमगिरी 5. प्रभादेवी पत्नी रणजीत सिंह 6. सत्येन्द्र सिंह पुत्र बाग सिंह 7. महेन्द्र पुत्र बाग सिंह, 8. नंदन सिंह पुत्र रूद्री सिंह 9. शंकरी देवी पत्नी सुन्दर निरी 10. विशेश्वर प्रशाद पुत्र विधा गिरी 11. हरि सिंह पुत्र जोत सिंह 12. विजय सिंह पुत्र जोत सिंह 13. प्रताप सिंह पुत्र जोत सिंह 14. लक्ष्मण सिंह पुत्र हृदय सिंह 15. राजू लाल पुत्र सुन्दर दास 16. दौलत सिंह पुत्र शालिक सिंह 17. मनवर सिंह पुत्र गोविन्द सिंह 18. दिलवर सिंह पुत्र गोविन्द सिह 19. बीरमान सिह पुत्र मातवर सिंह 20. सोवन सिंह पुत्र मातवर सिंह 21. प्रेम सिंह पुत्र मनवर सिंह 22. गिरधारी लाल पुत्र मायाराम 23. भैरव दता पुत्र मायाराम 24. लोकेश्वर प्रसाद पुत्र मायाराम 25. हिमाचल सिंह पुत्र अतर सिंह 26. गौतम सिह पुत्र अतर सिंह 27. गणपत सिंह पुत्र अतर सिंह 28. दशरथ सिंह पुत्र कल्यासिह 29. गोरकण सिंह पुत्र कल्या सिह 30. गंगा सिह पुत्र कल्या सिंह 31. मातवर सिह पुत्र नयन सिंह 32. मनेश चन्द पुत्र हर्ष लाल 33. छंछरलाल पुत्र पुन्नूलाल 34. महाबीर लाल पुत्र श्यामसिंह 35. महाबीर सिंह पुत्र श्यामसिंह 36. मकानी देवी पत्नी पूरण सिंह 37. शोभा देवी पत्नी विजय सिंह 38-राजेन्द्र सिंह पुत्र सौकार सिंह 39.दिगम्बर सिंह पुत्र सौकार सिह 40. सीरादेवी पत्नी सौकार सिंह 41. विजय पुत्र साबर सिंह 42. अजय पुत्र साबर सिह 43. कविता देवी पत्नी सोहन सिंह 44. कलम सिंह नेगी पुत्र धनपत सिह 45. प्रवीन सिंह चौहान पुत्र कुंवर सिंह 46. भगवान देवी पत्नी पूर्णानंद 47. प्रीति भारती पत्नी त्रिलोक चन्द्र भारती 48. गैणी देवी पत्नी भगत सिंह 49. हरी सिह पुत्र भगत सिंह 50. रुकम सिंह पुत्र भगत सिंह 51. जीत सिंह पुत्र भगत सिंह 52. उतम सिंह पुत्र भगत सिंह 53. जगभरत लाल पुत्र गोविन्द लाल 54. सरिता देवी पत्नी दिनेश 55. सुषमा देवी पत्नी त्रिलोक सिह 56. मंजू देवी पत्नी प्रेमलाल 57. देवेन्द्र सिंह रावत पुत्र सूरत सिंह 58. लोकेन्द्र सिंह रावत पुत्र सूरत सिंह 59. ईश्वरी प्रसाद पुत्र मुक्तिपद दास 60. सतेश्वरी पत्नी कुंदीलाल 61. जीतमणी पुत्र भगवती प्रसाद ऊर्फ सोहन लाल 62. हीरामणी पुत्र भगवती प्रसाद ऊर्फ सोहन लाल 63. इन्द्रपति देवी पत्नी भगवती प्रसाद ऊर्फ सोहन लाल 64. आलोक रावत पुत्र स्व. नरेन्द्र सिह 65. श्रीमती पूनम रावत पत्नी स्व. नरेन्द्र सिंह निवास.िगण ग्राम नकोट पटटी रावतस्यु, तहसील श्रीनगर जिला पौडी गढ़वाल।

चुंकि वाद द्वारा एक घोषणात्मक वाद मेरे न्यायालय में पेश किया है जिसमे दिनांक 20/03/2025 की तिथि आपकी उपस्थिति हेतु नियत है। अत: आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 20/03/2026 को उपस्थित हो। अन्यथा मामले में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 10/03/2026 को न्यायालय की आज्ञा व मुद्रा से जारी

असिस्टेंट कलेक्टर प्रथम श्रेणी
श्रीनगर गढ़वाल

स्वास्थ्य शिविर के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: प्रो. कैलाश

■ 453 छात्राओं व प्राध्यापकों का परीक्षण

अगस्त्यमुनि/रुद्रप्रयाग)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में हेल्पएज इंडिया द्वारा संचालित परियोजना के अंतर्गत छात्राओं एवं महिला प्राध्यापकों के स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. कैलाश चंद्र दुदपुड़ी के संरक्षण तथा कार्यक्रम की आयोजक सचिव डॉ मनीषा सिंह एवं समन्वयक डॉ पूनम भूषण के निर्देशन में संपंन हुआ।

शिविर में कुल 453 छात्राओं एवं महिला प्राध्यापकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। निःशुल्क गायनी शिविर में एनीमिया, पोषण, पीसीओडी/पीसीओएस, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा अन्य स्त्री रोग संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों द्वारा परामर्श, आवश्यक जांच एवं निदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. कैलाश चंद्र दुदपुड़ी ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बन सकें।

कार्यक्रम की आयोजक सचिव डॉ मनीषा सिंह ने कहा कि एक अच्छा जीवन जीने के लिए सभी का स्वस्थ रहना आवश्यक है। स्वस्थ समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए महिलाओं का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, सशक्त एवं मजबूत होना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर हेल्पएज इंडिया की ओर से वरिष्ठ परियोजना अधिकारी प्रवीण राय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि जुगराण, डॉ. बनवारी लाल सैनी, प्रदीप चौहान, विष्णु दुबे, मनमोहन खत्री, भारती राय और विवेक राणा मौजूद रहे। वहीं, महाविद्यालय की ओर से डॉ दिलीप सिंह बिष्ट, डॉ तनुजा मौर्य, डॉ सतीश तिवारी, डॉ. अंजना फर्स्वाण, डॉ ममता भट्ट, डॉ परमजीत कुमार, डॉ चंद्रकला नेगी, दीपिका कुंवर और विनीता रौतेला सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में छात्र संघ अध्यक्ष प्रियांशु मोहन, उपाध्यक्ष अभिषेक आर्य, सचिव कुमारी दीपिका सेमवाल, कोषाध्यक्ष कुमारी शीतल, छात्र नेता गणेश गोस्वामी, पूर्व कोषाध्यक्ष छात्र महासंघ भानु चमोला तथा पूर्व सह सचिव सुनील मेहरा का विशेष योगदान रहा।

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की नेहरू नगर योजना देहरादून स्थित भवन सं० सी-18 मध्यम आय वर्ग भवन सं० सी-18 का आंवटन प्रदेशन पत्र सं. 814 दिनांक 20-5-80 द्वारा श्री ओम प्रकाश भाटिया पुत्र श्री नित्यानन्द भाटिया के पक्ष किया गया था। भवन का पूर्ण भुगतान उपरान्त दि. 4 मई 1992 को परिषद से पट्टा विलेख एवं विक्रय विलेख निष्पादित करा कर उप निबंधक कार्यालय देहरादून में क्रंमश दिनांक 12-5-92 एंव दिनांक 8-7-92 में पंजीकृत करा लिया गया था। आंवटी द्वारा उक्त भवन का फ्री-होल्ड विलेख परिषद से से दिनांक 28-2-96 को निष्पादित कराया गया है। आवंटी श्री ओम प्रकाश भाटिया पुत्र श्री नित्यानन्द भाटिया द्वारा उक्त भवन को श्रीमती निर्मला कुमारी पत्नी स्व० श्री शिव कुमार गोस्वामी एवं श्रीमती मंजू गोस्वामी पत्नी श्री सुनील गोस्वामी को विक्रय करते हुये विक्रय विलेख दिनांक 23-8-99 को उप निबंधक कार्यालय देहरादून के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। क्रेतागण द्वारा उक्त भवन का नामान्तरण कार्यालय आदेश सं० 3751 दि. 3-1-2002 को परिषद कराया गया है।

क्रेतागण द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती इन्दु बाला पत्नी स्व०श्री सुखदेव राजन निवासी-66/52 गोविन्द नगर, रेसकोर्स देहरादून को करते हुये विक्रय विलेख 1 मार्च 2002 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय देहरादून में पंजीकृत किया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भवन का नामान्तरण परिषद से नही कराया गया है। क्रेता श्रीमती इन्दु बाला पत्नी स्व०श्री सुखदेव राजन द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री एन०एस० रावत पुत्र स्व० श्री हरि सिंह रावत निवासी-39/3 नेहरू मार्ग ऋषिकेश देहरादून के पक्ष में करते हुये विक्रय विलेख 01-11-02 को उप निबंधक देहरादून के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। क्रेता श्री एन०एस० रावत पुत्र स्व० श्री हरि सिंह रावत की मृत्यू दिनांक 14-11-2912 को हो गयी है। मृत्यू के पश्चात उनकी पत्नी श्रीमती रेखा रावत द्वारा उक्त भवन का अन्तरण किये जाने हेतु ऑनलाईन आवेदन सं० MU2025122914074623 द्वारा अनुरोध किया गया है। तत्क्रम में श्रीमती रेखा रावत द्वारा अपने पति श्री एन० एस० रावत का मृत्यू प्रमाण-पत्र विक्रय पत्र की प्रति, शपथपत्र, क्षत्रिपूर्ति बन्धक पत्र उत्तरजीव प्रमाण पत्र, उत्तरजीवी सदस्यों का अनापत्ति पत्र, प्रति एवं अन्य प्रपत्र इस कार्यालय में ऑनलाईन पी०डी०एफ फाईल संलग्न किये गये है।

उक्त प्रपत्रों के आधार पर उक्त भवन का अन्तरण क्रेता श्री एन०एस० रावत पुत्र स्व० श्री हरि सिंह रावत की मृत्यू उपरान्त उनकी पत्नी पत्नी श्रीमती रेखा रावत पत्नी स्व० श्री एन०एस० रावत निवासी- भवन सं० सी-18 एम /ए-75 नेहरूनगर कालोनी देहरादून के पक्ष में किया जाना है, यदि आपको इस नामान्तरण के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस पत्र निर्गमन की तिथि से 21 दिन के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें, निर्धारित अवधि में कोई सूचना प्राप्त न होने पर, उपरोक्त क्रेता के पक्ष में नामान्तरण सम्बन्धी कार्यवाही परिषद नियमानुसार कर दी जायेगी, तथा बाद में आपका कोई क्लेम (दावा) परिषद को मान्य नही होगा।

सह प्रभारी सम्पत्ति, उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय पौडी गढवाल।
दी. वाद सं.- 36 सन् 2026

श्रीमती हरचन्दी देवी उम्र 73 वर्ष पत्नी स्व. गणपत सिह नेगी ग्राम-काण्डई पट्टी नादंलस्यू, तह. पौड़ी, पौडी गढ़वाल। हाल निवासी-गणपत भवन, विकास मार्ग पौडी, पौड़ी गढ़वाल-246001.

..**प्रार्थिनी**

बनाम

1. श्री योगम्बर सिह नेगी पुत्र स्व. गणपत सिह नेगी, उम्र 55 वर्ष 2. श्री सतेन्द्र सिंह नेगी पुत्र स्व. गणपत सिंह नेगी उम्र-54 वर्ष । 3. श्री राजेन्द्र सिंह नेगी पुत्र स्व. गणपत सिह नेगी, उम्र 48 वर्ष । निवासीगण (1 लगायत 3)- गणपत भवन, विकास मार्ग पौड़ी, पौड़ी गढ़वाल। 4. सभासद वार्ड सं. -07 नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी गढ़वाल। आम व खास जन प्रकाशन हेतु।

....**विपक्षीगण**

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी ने अपने पति गणपत सिंह नेगी के द्वारा डाकघर पौड़ी, एस.बी.आई. पौड़ी में जमा की गयी कुल धनराशि रूपये 6,63,871 / छः लाख तिरसठ हजार आठ सौ इकहत्तर मय लाभ (ब्याज) सहित प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहने बावत इस न्यायालय में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है जिसमें सुनवाई हेतु 20/04/26 तिथि नियत है।

अतः हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के हक में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र निर्गत जनपद जाने में किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि को ठीक 10 बजे प्रातः न्यायालय में उपस्थित न्यायालय होकर आपत्ति दाखिल करे, अन्यथा एक तरफा सुनवाई की जायेगी ।

आज दि. 12/03/2026 को न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी।

आज्ञा से
अपील क्लर्क
जिला जज पौडी, पौडी गढवाल

भारतीय क्रिकेट के अगले 12 महीने बेहद व्यस्त

● आगामी 12 महीनों में भारत आयरलैंड, श्रीलंका व जिम्बाब्वे में मैच के अलावा एशियन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, जापान और घरेलू मुकाबले खेलेंगा

मुम्बई, वार्ता। भारतीय क्रिकेट टीम का अगले 12 महीनों का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा, जिसमें आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे में मैच के इसके अलावा, एशिन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, जापान और घरेलू मुकाबले भी शामिल हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में तीन टी-20 मैच खेल सकती है, इसके अलावा आगामी कार्यक्रम में पहले दो टेस्ट मैच शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है कि श्रीलंका में बाढ़ राहत के लिए फंड जुटाने के लिए तीन टी-20 मैच का कार्यक्रम है। टी-20 मैच और दो टेस्ट मैचों से पहले होने की संभावना है।

श्रीलंका टूर से पहले भारत एक से 19 जुलाई के बीच तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच के लिए इंग्लैंड जाएगा और रास्ते में आयरलैंड में थोड़ा रुक सकता है। डबलिन में तीन मैचों की सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा कि बातचीत चल रही है। और भरोसा जताया कि सीरीज हो जाएगी। बीसीसीआई ने पहले भी सीआई को (2018, 2022 और 2023 में) डबलिन में छोटी सीरीज के लिए सहयोग किया है। अगर बात. चीत कामयाब होती है, तो गेम जून के आखिरी हफ्ते में, इंग्लैंड टूर से पहले और अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद निर्धारित किए जा सकते हैं, जो दह से 20 जून के बीच एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलने वाले हैं। श्रीलंका सीरीज के बाद बीसीसीआई को शेड्यूलिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सितम्बर में सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज होनी है, जो इंडियन क्रिकेट के लिए पहले से ही एक व्यस्त महीना है। बांग्लादेश के छह सफेद गेंद मैच - तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 के लिए दौरे की भी घोषणा की गई है। यह सीरीज, दोनों देशों के बीच हाल के डिप्लोमैटिक तनाव को देखते हुए भारत सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगी। इस बीच, तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के एक छोटे दौरे की भी बात हो रही है। हालांकि अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह दौरा सितम्बर में हो सकता है, लगभग उसी समय जब वेस्ट इंडीज तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 के लिए भारत का दौरा करने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच 2026 एशियन गेम्स भी हैं, जो 19 सितम्बर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने हैं। गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जाएगी और भारतीय डिफेंडिग गोल्ड मेडलिस्ट है। पुरुष मैच 25 सितम्बर से तीन अक्टूबर तक चलेंगे, जिससे टी-20 स्क्वॉड के जापान में खेलने की संभावना बढ़ गई है।

आईसीसी ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेवन व दो अधिकारियों को किया निलंबित

● बिम 10 लीग के संबंध में एंटी-करप्शन कोड के तहत आरोप लगाए गए हैं

दुबई, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्लयूआई) ने भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिग के आरोप में जेवन सियरल्स और टीम के दो अधिकारियों इटंस टीम के मालिक चित्रंजन राठौड़ और ट्रेवन ग्रिफिथ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

आईसीसी और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने जेवन सियरल्स और टीम के दो अधिकारियों पर 2023-24 सीजन के दौरान बारबाडोस में हुई बिम10 लीग के संबंध में एंटी-करप्शन कोड के तहत आरोप लगाए गए हैं। आईसीसी ने सियरल्स और दोनों अधिकारियों को जवाब देने के लिए 14 दिनों का समय दिया है। आईसीसी ने कहा कि राठौड़ पर सीडब्लयूआई कोड के तहत तीन आरोप हैं, जबकि सियरल्स पर इसी कोड के तहत चार अपराधों के आरोप हैं।

ग्रिफिथ पर सीडब्ल्यूआई कोड के तहत चार और आईसीसी कोड के तहत एक आरोप है। इनमें आर्टिकल 2-1-1 के तहत मैच फिक्सिंग का प्रयास, 2-1-4 के तहत खिलाड़ियों को उकसाना, 2-4-4 के तहत जांच में असहयोग और 2-4-2 के तहत भ्रष्ट अप्रोच की जानकारी न देना शामिल है।

ग्रिफिथ पर आईसीसी आर्टिकल 2-4-7 के तहत जांच में बाधा और सबूत छिपाने का आरोप है।

संक्षिप्त खेला समाचार

BCCI ने अभ्यास सत्र के नए दिशा निर्देश जारी किए

मुम्बई, वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग में अभ्यास सत्र के लिए नये दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकती जिसका इस्तेमाल दूसरी टीम ने अपने नेट सत्र के दौरान किया हो। बीसीसीआई की ओर से फ्रेंचाइजी के साथ साझा की गई प्रैक्टिस-सेशन गाइडलाइंस के अनुसार, अगर एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो नए नेट तैयार करने होंगे। पांच पेज की गाइडलाइंस में कहा गया है, ष्हर टीम को उनके तय प्रैक्टिस सेशन के लिए नए नेट दिए जाने चाहिए। अगर एक साथ प्रैक्टिस सेशन होते हैं या जब एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है।

क्रिकेट के मैदान पर चैलेंज लेना पसंद है : जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली, वार्ता। टी-20 विश्वकप जीताने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि उन्हें हमेशा चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां लेना पसंद रहा है और यही वजह है कि उन्होंने क्रिकेट को चुना। उन्होंने कहा कि टीम के लिए कुछ अलग करना उन्हें बहुत खुशी देता है और 'इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से साझा किये गये एक वीडियों में बुमराह ने कहा कि मैं कभी पीछे नहीं छिपना चाहता, मैं चीजो के बीच रहना चाहता हूं। मैं हमेशा एक मुश्किल काम करना चाहता था। मैंने क्रिकेट उसी के लिए खेला, मैंने क्रिकेट उसी के लिए शुरू किया। जब मैं कुछ अलग कर पाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है, इससे बेहतर कोई एहसास नहीं हो सकता। मैंने अपना क्रिकेट अहमदाबाद शुरू किया, मैंने अपना सारा क्रिकेट यहीं खेला।

थॉमस ने 13 विकेट लेकर टीम को जिताया

● थॉमस ओ कॉनर ऑकलैंड के खिलाफ ओटागो के लिए पहली पारी में सात विकेट व दूसरी पारी में 27 रन देकर छह विकेट लिए

ओवल, वार्ता। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थॉमस ओ' कॉनर ने गुरुवार को खत्म हुए चार दिन के प्लुनकेट शिलेड टूर्नामेंट के छठे चरण में ब्रेट रैंडेल के पांच गेंद में पांच विकेट के बाद दूसरा शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 विकेट झटक कर अपनी टीम ओटागो को जीत दिलाई।

थॉमस ने ऑकलैंड के खिलाफ ओटागो के लिए पहली पारी में 58 रन देकर सात विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 27 रन देकर छह विकेट लिए और अपनी टीम को ईडन पार्क आउटर ओवल में तीन दिन के अंदर अहम जीत दिलाई। थॉमस पूर्व ब्लैक कैप शायन ओ' कॉनर के 21 साल के बेटे हैं, जिन्होंने 1998-99 में 122 रन देकर 12 विकेट लिए थे। थॉमस के पहली पारी में 58 रन देकर 7 विकेट लेना, प्लंकेट शील्ड में ओटागो के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इससे पहले नील वैगनर ने 2011-12 में डुनेडिन में वेलिंगटन के खिलाफ 46 रन देकर सात विकेट लिए थे। थॉमस का मैच एनालिसिस 1989-90 के बाद ओटागो के लिए सबसे अच्छा है और प्लंकेट शील्ड में टीम के लिए कुल मिलाकर सातवां सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

इस दौरान, थॉमस ने परिवार का इतिहास फिर से लिखा और 1998-99 में शाइन के करियर के सबसे अच्छे प्रथम श्रेणी आंकड़ों, 122 रन देकर 12 विकेट को पीछे छोड़ दिया। थॉमस एक नए खिलाड़ी हैं। उनका एक्शन और इनस्विंग कराने की काबिलियत, खासकर, शाइन से काफी मिलती-जुलती है। उन हूपिग इनस्विगर में से एक ने पहली इनिग में ऑकलैंड के नंबर तीन हरीश कन्नन को आउट कर दिया था। थॉमस ने दाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ भी इनस्विगर का इस्तेमाल किया।

भारतीय महिला टीम का ध्यान खिताब जीतने पर

● भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफ्ऊरेंस के साथ शीर्ष पर है

हैदराबाद, वार्ता। एफआई एच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है।

मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ ग्रुप स्टेज खत्म किया।

पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ, भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है।

क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है। दुनिया भर नौवें नंबर की टीम मेजबान भारत ने कम से कम यह पक्का कर लिया है कि वे दोनों टूर्नामेंट्स में सबसे ऊंची रैंक वाली चौथी टीम के तौर पर खत्म करेंगे, जिससे विश्व कप के लिए उनका टिकट पक्का हो गया है।

अब उसका मकसद अपनी लय बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होगा। फाइनल में भारत का मुकाबला इटली से होगा। इटली पूल ए में चार अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा है, जिसने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। भारत की फॉरवर्ड नवनीत कौर के शानदार फॉर्म को भी आगे बढ़ाना चाहेगा, जो अभी चार गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

किरण जॉर्ज ने कीन यू को हराया

● ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने किया उलटफेर

स्विट्जरलैंड, वार्ता। भारत के किरण जॉर्ज ने स्विस ओपन 2026 बैडमिटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं मिश्रित युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी ने उलटफेर करते हुए डेनमार्क के सीडेड जेस्पर टॉफ्ट और अमाली मैगेलुंड की जोड़ी को हरा दिया।

सेंट जैकबशेल में बुधवार को खेले गए मुकाबले में बैडमिटन रैंकिग में 42वें नंबर पर काबिज किरण जॉर्ज ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के अपने पहले राउंड के मैच में 41 मिनट में दुनिया के 11वें नंबर के और तीसरे सीडेड खिलाड़ी को 23-21, 21-19 के स्कोर से हराया। अगले दौर में, 26 साल के भारतीय बैडमिटन खिलाड़ी का सामना हांगकांग चीन के जेसन गुनावान से होगा, जिन्होंने अपने पहले मैच में दुनिया के पूर्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत को 21-15, 12-21, 4-21 से हराकर बाहर कर दिया था। एचएस प्रणय भी बाहर हो गए क्योंकि उन्होंने कोकी वतनबे के खिलाफ अपने पहले राउंड के मैच से पहले नाम वापस ले लिया, जिससे जापानी बैडमिंटन खिलाड़ी को वॉकओवर मिल गया। उलटफेर में, जापान के केंटा निशिमोटो को अपने पहले राउंड के मैच से चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिससे भारतीय शटलर थारुन मन्नेपल्ली को अगले राउंड में जाने का मौका मिला। दुनिया में 43वें रैंक वाले मन्नेपल्ली 16-21, 21-16, 7-2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवें सीडेड निशिमोटो कंधे की दिक्कत के कारण रिटायर हो गए। 24 साल के भारतीय शटलर का अगला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा।

ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने भी अपने पहले मैच में डेनमार्क के चौथी सीडेड जेस्पर टॉफ्ट और अमाली मैगेलुंड को 21-15, 21-14 से हराकर उलटफेर किया। हालांकि, पिछले साल के यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा समेत कई भारतीय खिलाड़ी पहले राउंड में ही बाहर हो गए। पुरुषों के एकल में, आयुष शेट्टी कनाडा के ब्रायन यांग से 21-18, 21-19 से हार गए, जबकि महिला एकल में चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान ने उन्नति हुड्डा को 21-14, 21-14 से हराया। मालविका बंसोड़ भी थाईलैंड की दुनिया की नंबर 8 पोर्नपावी चोचुवोंग से 21-11, 21-15 से हार गईं। इस बीच, तन्वी शर्मा इंडोनेशिया की टॉप सीड पुत्री कुसुमा वर्दानी से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 21-11, 21-10 से हार गईं। मिश्रित युगल में, रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे को थाईलैंड हारना पड़ा।

कार्यालय नगर पंचायत झबरेड़ा जनपद हरिद्वार

पत्रांक: 557/न0प0झ0/2026 दिंनाक: 12/03/2026

निविदा सूचना

नगर पंचायत झबरेड़ा के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 मे राज्य वित्त से प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 27-03-26 तक पूर्वान्ह 11:00 बजे तक सील बन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है जो दिनांक 27-03-26 को पूर्वान्ह 12:00 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनाक 25-03-26 अपरान्ह 5:00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किया जा सकते है। यदि उक्त दिनांको पर कोई अवकाश होता है तो कार्य अगले कार्य दिवस में होगा।

सभी अथवा किसी भी निविदा को निरस्त करने का अधिकार अध्यक्ष नगर पंचायत झबरेड़ा में निहित है। अन्य जानकारी एवं नियम शर्तो हेतु कार्यालय नगर पंचायत झबरेड़ा में सम्पर्क करें।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी0एस0टी0 दर सहित	निविदा प्रपत्र मूल्य 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त	धरोहर राशि (एफ0 डी0आर0)	समयावधि
1	नगर पंचायत झबरेडा के वार्ड नं0-01 में इकबालुपर पुहाना मार्ग (दायी पटरी) पर संविधान चौक से जल संस्थान पम्प नं0 02 की ओर, इन्टरलोकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	रु 11,56,000.00	रु 1,500.00	रु 35,000.00	6 माह
2	नगर पंचायत झबरेडा के वार्ड नं0-01 में इकबालुपर पुहाना मार्ग (दांयी पटरी) पर जल संस्थान पम्प नं0 02 से जुल्फान अली की दुकान की ओर, इन्टरलोकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	रु 10,37,000.00	रु 1,000.00	रु 31,500.00	6 माह
3	नगर पंचायत झबरेडा के वार्ड नं0-04 में सहारनपुर रोड (बांयी पटरी) पर श्री जोध सिंह की दुकान से पंजाब नेशनल बैंक की ओर इन्टरलोकिंग टाईल्स एवं चैनल का निर्माण कार्य।	रु 9,85,000.00	रु 1,000.00	रु 29,550.00	6 माह
4	नगर पंचायत झबरेडा के वार्ड न0- 01 से 09 तक विभिन्न स्थानों पर चैनल, सी0सी0 सडक व नाली का निर्माण कार्य।	रु 9,44,000.00	रु 1,000.00	रु 28,320.00	6 माह

नोट :-

1. निविदा प्रपत्र के साथ धरोहर राशि की एफ0डी0आर0 अधिशासी अधिकरी के नाम बंधक होनी आवश्यक है।

(हर्षवर्धन सिंह रावत)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत झबरेडा

(किरण चौधरी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत झबरेडा

एसजेएफआई नेशनल कन्वेंशन के स्वर्ण जयंती संस्करण का नई दिल्ली में होगा आगाज

● डीएसजेए की मेजबानी में होने वाली चार दिवसीय यह सम्मेलन देशभर से आए खेल पत्रकारों को एक मंच पर लाएगा

नई दिल्ली, वार्ता। स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन का स्वर्ण जयंती संस्करण 13 मार्च से नई दिल्ली में शुरू होगा।

दो दशक से अधिक समय बाद यह प्रतिष्ठित आयोजन एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित हो रहा है। दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) की मेजबानी में होने वाला यह चार दिवसीय सम्मेलन देशभर से आए खेल पत्रकारों को एक मंच पर लाएगा, जहां 50 वर्षों की यात्रा को केंद्र में रखते हुए विचार-विमर्श, प्रतियोगिताएं और उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन (एआईपीएस) से मान्यता प्राप्त और उससे संब(एसजेएफआई ने पिछले पांच दशकों में भारत में खेल पत्रकारिता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2026 का यह कन्वेंशन इस विरासत का जश्न मनाने के साथ-साथ डिजिटल, ब्रॉडकास्ट और मल्टी-प्लेटफॉर्म स्टोरीटेलिग के दौर में खेल पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर भी दृष्टि डालेगा। चार दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में पेशेवर संवाद के साथ-साथ खेल गतिविधियां और नेटवर्किंग के अवसर भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में एक प्रमुख स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव, जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट, तथा परिवारों और युवा प्रतिभागियों के लिए मॉडर्न पायथियन गेम्स और रेड बुल द्वारा इंटरएक्टिव गेमिग जोन जैसी कई गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा बास्केटबॉल, फुटसल और गोल्फ पटिग प्रतियोगिताएं भी कन्वेंशन कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। स्वर्ण जयंती संस्करण को कॉरपोरेट और खेल जगत के कई साझेदारों का मजबूत समर्थन मिला है, जो इस आयोजन के महत्व और व्यापकता को दर्शाता है। हीरो मोटोकॉर्प इस कन्वेंशन का टाइटल स्पॉन्सर है, जबकि आयोजन अपोलो टायर्स द्वारा पावर्ड है। अन्य साझेदारों में टीसीएम स्पोर्ट्स, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क, पंजाब किग्स, दिल्ली कैपिटल्स, डीडीसीए, जिदल स्टील, राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, क्राफ्टन, स्वयम, आरपीएल, पीईएफआई, एसजी स्पोर्ट्स, वड्र्सवर्क कम्युनिकेशंस कंसल्टिग, मॉडर्न पायथियन गेम्स, जेके टायर, डीडीए, आर्टस्मिथ कॉन्सेप्ट्स एंड विजन, एडिमेजेस, आभा वाटर, विडा और ईएसजीएफ शामिल हैं। इस कन्वेंशन को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा भारतीय ओलंपिक संघ का भी समर्थन प्राप्त है, जो भारतीय खेल परिदृश्य में इस आयोजन के महत्व को दर्शाता है।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम
A Government of India Undertaking
Syndicate Bank

एआरएम।। शाखा, ए-27, पहली मंजिल, हौज खास, नई दिल्ली - 110016

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी एक्ट) 2002 के अंतर्गत प्रतिभूतिहित नियम 2002 के नियम 13(2) के अन्तर्गत यह सूचना जारी की जाती है।

केनरा बैंक, से प्राप्त किये गये ऋण जो कि एन पी ए हो चुके हैं व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्नवर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभुतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांकों को पंजीकृत डाक पावती सहित /स्पीड पोस्ट/कोरियर द्वारा आप सभी को भेजी गयी थी, मांग सूचना निम्नांकित दिनांकों में हमने आशय को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शायी राशी 60 दिनों के अन्दर जमा नही करायी गयी तो बैंक/सिक्योर्ड क्रेडिटर के ऊपर बताए गए आपके दायित्व का निर्वहन न करने की स्थिति में सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के तहत दिए गए किसी भी अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एनपीए की तारीख	मांग सूचना की तारीख / बकाया राशि	सिक्योर्ड आस्तियों का विवरण: क्र. सं.	अचल	शीर्षक धारक का नाम
1	ऋणकर्ता/ओं **श्री जी एंटरप्राइजेज (स्वर्गीय श्री देव सैनी पुत्र अशोक के कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि),** पताः दुकान संख्या 1, ग्राम भद्रबाद अड्डा, रुड़की रोड, लक्सर, हरिद्वार, उत्तराखंड 247663 **स्वर्गीय श्री देव सैनी पुत्र अशोक के कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि,** पताः बी-70, अरिहंत विहार, हरिद्वार, जिला हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 **स्वर्गीय श्री देव सैनी के कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि देव सैनी पुत्र अशोक,** पताः 109/93, नीलखुदाना, पानी की टंकी के पास, ज्वालापुर टाउन, पो. ज्वालापुर जिला. हरिद्वार उत्तराखंड 249407 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 18.11.2025**	**27.02.2026** रू. **60,99,333.93** साठ लाख निन्यानवे हजार तीन सौ तैंतीस पैसे तिरानवे	1.	पूर्व 45 फीट, पश्चिम 45 फीट, उत्तर 45 फीट और दक्षिण 45 फीट में फैली संपत्ति का वह भाग, जिसका कुल क्षेत्रफल 2025 वर्ग फीट (यानी 188.325 वर्ग मीटर) है (0.053 हेक्टेयर में से), खाता संख्या 48, खसरा संख्या 132एम, पीडब्ल्यूडी रोड, बहादुरपुर खादर, परगना मंगलौर, तहसील लक्सर, जिला हरिद्वार। सीमाएँरू पूर्व - राजेंद्र की संपत्ति, पश्चिम - श्रीमती की संपत्ति। सुनीता नॉर्थ - श्रीमती सुनीता साउथ की संपत्ति - लक्सर रुड़की पीडब्ल्यूडी रोड, सेरसाई। सुरक्षा हित आईडी - 40007424471	स्व. श्री देव सेनी पुत्र अशोक कुमार
			क्र. सं.	चल	शीर्षक धारक का नाम
			1.	महिंद्रा थार LXD MT 4 WD 4S HT NAP BLK का हाइपोथिकेशन (डीजल) चेसिस नंबर:- MA1UJ4YK2R2A17979 इंजन नंबर:- YKR4A76689 रंग - नेपोली ब्लैक रजिस्ट्रेशन नं. :- UK08BH7771 पंजीकरण की तारीखः- 16/04/2025	स्व. श्री देव सेनी पुत्र अशोक कुमार
			2.	गिरवी रखे गए स्टॉक	**श्री जी एंटरप्राइजेज (स्वर्गीय श्री देव सैनी)**

उक्त ऋण/क्रेडिट सुविधाएं आपके द्वारा हमारे पक्ष में निष्पादित प्रासंगिक दस्तावेजों के आधार पर, अधोहस्ताक्षरित अनुसूची में अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित परिसंपत्तियों के बंधक के माध्यम से विधिवत सुरक्षित की गई हैं। चूंकि आपने निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार अपनी देनदारियों का निर्वहन नहीं किया है, अतः बैंक ने दिनांक 21.10.2025 को उक्त ऋण खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया है।
अतः आपको इस अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत यह नोटिस जारी किया जाता है, जिसके द्वारा आपको निर्देशित किया जाता है कि आप इस नोटिस की तिथि से साठ (60) दिनों के भीतर उपर्युक्त उल्लिखित संपूर्ण देय राशि, उस पर संचित एवं अद्यतन ब्याज तथा अन्य व्ययों सहित अदा करें, अन्यथा बैंक उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उपलब्ध अपने सभी अथवा किसी भी अधिकार का प्रयोग करेगा।
इसके अतिरिक्त, आपको निर्देशित किया जाता है कि अनुसूची में वर्णित सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना किसी भी प्रकार का लेन-देन, हस्तांतरण या अन्य व्यवहार न करें। यह नोटिस अधिनियम एवं/अथवा वर्तमान में प्रभावी अन्य किसी विधि के अंतर्गत उपलब्ध हमारे अन्य अधिकारों को प्रभावित किए बिना जारी किया जा रहा है।
आपका ध्यान सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्तियों के मोचन हेतु उपलब्ध समय के संबंध में है।
नोटः इस नोटिस के संबंध में सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पूर्व में आरंभ की गई सभी कार्यवाहियां इस नोटिस के साथ निरस्त (वापस ली गई) मानी जाएंगी।

दिनांक : 12.03.2026, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

बीएसएम पीजी कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर

छात्राओं ने आयोजित की पोस्टर प्रतियोगिता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की।बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विषय पर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटस् व अन्य छात्र-छात्राओं ने एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार सशक्त नारी-सशक्त भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रूढ़ियों को तोडती महिलाएं, डिजिटल नारी आदि महत्वपूर्ण विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आज महाविद्यालय की एनसीसी की गर्ल्स कैडेट्स द्वारा क्या वास्तव में नारियां स्वतंत्र हैं विषय पर एक नुक्कड नाटक भी प्रस्तुत किया गया जो आज के समाज को एक सकारात्मक संदेश देने की ओर प्रेरित करने वाला था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर (डॉ) गौतमवीर ने इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स एवं सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज यह समय की मांग है कि स्त्रियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए हम अधिक संवेदनशील बनें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री विवेक काम्बोज ने सभी पोस्टर्स का अवलोकन किया और नुक्कड नाटक देखकर उसकी सराहना की और छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट कशिश, निशांत, नवाजिश, प्रियांशु, एसयूओ रजत रावत, सनी, धीरज, आयुषी, आर्यन, पुनीत, प्रिया, प्रजेश, रिया, शमा, प्रेरणा, शिवानी आदि ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ इन्दु अरोड़ा, सांस्कृतिक समिति की डॉ सुनीता कुमारी, डॉ रीमा सिन्हा, डॉ अलका तोमर, डॉ सीमा गुप्ता आदि।

❖ सशक्त नारी-सशक्त भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रूढ़ियों को तोड़ती महिलाएं, डिजिटल नारी विषयों पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता

सड़क हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत, बेटा गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना में महिला का बेटा भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी बाइक सवार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

झबरेडा थाना के गांव बेहडेकी सैदाबाद निवासी ब्रजमोहन त्यागी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 13 फरवरी 2026 की शाम करीब 4:30 बजे उनका भतीजा अभिमन्यु अपनी माता बबीता को मोटरसाइकिल पर सवार होकर रुड़की से गांव लौट रहा था। जैसे ही वे गांव की गली में मुड़ने वाले थे, अभिमन्यु ने सड़क किनारे बाइक रोकी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अन्य मोटरसाइकिल सवार शौकीन, निवासी बचौटी देवबंद, उत्तर प्रदेश ने लापरवाही से चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बबीता के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जबकि अभिमन्यु के हाथ-पैर की हड्डियां टूट गईं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायलों को तुरंत रुड़की के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने बबीता की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें देहरादून रेफर कर दिया था वहां श्री महंत इन्देश अस्पताल में 10 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद 22 फरवरी को मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि पहले घायलों के उपचार और फिर बबीता की मृत्यु के बाद परिवार गहरे शोक में डूबा हुआ था, जिस कारण रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी हुई। थाना अध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि पुलिस ने ब्रजमोहन त्यागी की तहरीर पर आरोपी शौकीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने फरार वारंटी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। वायालय से वांछित चल रहे वारण्टी को हरिद्वार पुलिस ने धर दबोचा है। एसएसपी हरिद्वार को न्यायालय से प्राप्त गैर जमानतीय वारण्टो की शत प्रतिशत तामील किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त क्रम में भगवानपुर पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए मा० न्यायालय से वांछित चल रहे वारण्टी राहुल पुत्र पप्पू उर्फ रावण निवासी ग्राम बिनारसी उर्फ बुलेड कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार को दिनांक 11.03.2026 को ग्राम बिनारसी से पकडा गया। पुलिस टीम में अ0उ0नि0 हुकम सिह, का0 अरविन्द तोमर आदि शामिल रहे।

लंढौरा में घंटों लगा रहा जाम, लोग रहे परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कस्बे में गुरुवार को करीब सवा घंटे तक जाम लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम के कारण रुड़की-लक्सर मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई जिसके चलते राहगीरों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं।

गुरुवार दोपहर करीब एक बजे रुड़की-लक्सर मार्ग पर अचानक जाम लग गया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम के कारण दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ स्कूल बसें भी काफी देर तक फंसी रहीं। स्थानीय लोगों तौसिफ, रविकान्त, रियाज, सद्दाम, नवाब, सत्यम, नौशाद, मुरसलीन, मुर्तजा, जोनी और यूसुफ का कहना है कि लंढौरा में चार निजी स्कूल ऐसे हैं जो रुड़की-लक्सर मार्ग के किनारे स्थित हैं। इन स्कूलों की छुट्टी भी करीब डेढ़ से दो बजे के बीच होती है। गुरुवार को छुट्टी के समय ही जाम लगने के कारण छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दुकानदार नईम, वसीम और फरमान ने बताया कि ईद नजदीक होने के कारण बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ गई है। लोग कपड़े, जूते और अन्य सामान खरीदने के लिए बाजार आ रहे हैं। ऐसे में सड़क पर वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम की समस्या और गंभीर हो गई। दुकानदारों का कहना है कि जाम लगने से ग्राहकों को बाजार में आने-जाने में भी दिक्कत होती है, जिसका असर कारोबार पर भी पड़ता है। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारु कराया। करीब सवा दो बजे के बाद जाम खुल पाया और वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी।

चेकिंग के दौरान तमंचे सहित युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। पुलिस ने मंगलौर-झबरेड़ी मार्ग से एक वर्षीय युवक को अवैध देशी तमंचे के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

झबरेडा थाना अध्यक्ष अजय शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 मार्च की रात उप-निरीक्षक रविन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर थे। इसी दौरान मंगलौर रोड पर एक मुखबिर ने सूचना दी कि झबरेड़ी तिराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है, जिसके पास अवैध हथियार है। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां खड़ा युवक घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान अक्षय उर्फ मार्सल, निवासी ग्राम झबरेड़ी, थाना झबरेड़ा के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में आरोपित के पास से एक अदद देशी तमंचा .315 बोर बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह तमंचा शौक के तौर पर किसी से लिया था। पुलिस ने आरोपित अक्षय के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि आरोपित ने यह हथियार किससे खरीदा था और क्या इसका इस्तेमाल किसी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

रिलायंस जियो-बीपी पेट्रोल पंप से 9 लाख लेकर मैनेजर फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। लिब्बरहेड़ी में रिलायंस जियो-बीपी के रिटेल आउटलेट जीसीए पेट्रोल पंप के मैनेजर पर कैश लॉकर से नौ लाख रुपये लेकर फरार होने का आरोप लगा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पंप के केयर टेकर महक सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि आरोपी अनिल कुमार एक जून 2025 से पंप पर मैनेजर के पद पर तैनात था। अनिल कुमार ने मंगलवार, 10 मार्च को बैंक में जमा करने के बहाने लॉकर से 9,21,106 रुपये निकाले। उसने कर्मचारियों को बताया कि वह यह रकम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मंगलौर शाखा में जमा कराने जा रहा है। जब काफी देर तक अनिल वापस नहीं लौटा, तो पंप के अकाउंटेंट मनीष शर्मा और कर्मचारी रंजन कुमार ने बैंक जाकर पूछताछ की।

कलियर पुलिस ने दबोची महिला नशा तस्कर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने अवैध नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से करीब 5.92 ग्राम स्मैक और 2920 रुपये की नकदी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कलियर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि उपनिरीक्षक विशाखा असवाल पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान रहमतपुर की नई कॉलोनी में सत्यापन के लिए पहुंचने पर एक महिला अपने घर के सामने बैठी हुई दिखाई दी। पुलिस को देखकर वह खेतों की ओर भागने का प्रयास करने लगी। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर महिला के पास से 5.92 ग्राम अवैध स्मैक और 2920 रुपये की नकदी बरामद हुई। पूछताछ में महिला ने अपना नाम शबाना उर्फ शबनम निवासी नई कॉलोनी रहमतपुर बताया। उसने बताया कि घर का खर्च चलाने के लिए पैसों के लालच में वह स्मैक खरीदकर नशा करने वालों को ऊंचे दामों पर बेचती थी।पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने व आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं आरोपी ने वीडियो अपने साथी को भी दे दिया, जिसके बाद उसने भी युवती को धमकाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिरान कलियर थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि क्षेत्र के ही एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया।आरोप है कि बाद में युवक ने वह वीडियो अपने एक साथी को दे दिया। इसके बाद आरोपी के साथी ने भी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती को ब्लैकमेल किया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर युवती ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर गुलरेज उर्फ विशाल और सारिक के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

रुड़की। लिब्बरहेड़ी में आपसी विवाद के चलते जानलेवा हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीच-बचाव करने आई युवक की मां के साथ भी मारपीट की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। लिब्बरहेड़ी निवासी रमेश के पुत्र सतेन्द्र बीते आठ मार्च की रात अपनी दुकान से घर लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे गांव के ही राहुल ने ईंट फेंककर हमला कर दिया। जब सतेन्द्र ने इसका विरोध किया, तो राहुल और उसके भाई कुलदीप ने मिलकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक और आरोपी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस ने क्षेत्र में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अपना अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में पुलिस ने इंसर्जिकल स्ट्राइकर जारी रखते हुए हत्या के प्रयास के मामले में संलिप्त एकऔरअभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।क्या था मामलाबीती 9 जनवरी 2026 को लक्सर के ग्राम रणसूरा में गंदे पानी के निकासी और जमाव को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। देखते ही देखते यह मामूली विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जिसमें दोनों पक्षों नेएक-दूसरेपरलाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किया था। इस घटना के संबंध में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमे पंजीकृत किए थेसबेड़ी तिराहे से हुई गिरफ्तारीमुकदमा अपराध संख्या 50/26 की विवेचना के दौरान पुलिस को फैयाज पुत्र लियाकत की इस हमले में सक्रिय संलिप्तता के ठोस प्रमाण मिले। गुरुवार, 12 मार्च को सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए अभियुक्त फैयाज (50 वर्ष) को बसेड़ी तिराहे से दबोच लिया पुलिस का कथन च्यामले में अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगाकानूनी कार्रवाई और पुलिस टीमगिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (उछै) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। मु0अ0सं0: 50/26च धाएं: 109, 191, 192, 193, 351, 352 (उछै)अभियुक्त को आवश्यक कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में नितिन चौहान वरिष्ठ उपनिरीक्षक, पंचम प्रकाश हेड कॉन्स्टेबल, कोतवाली लक्सर शामिल रहे।

छात्रों ने धूम्रपान न करने की ली शपथ

रुड़की। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिज्रौली में बुधवार को राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने धूम्रपान न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम संयोजक पर्यावरण मित्र डॉ. अशोक पाल ने छात्रों को धूम्रपान न करने की शपथ दिलाई। मौके पर जतिन शर्मा, प्रतिभा शर्मा, पिंकी, राखी, सोमवती, शबनम, रईसा, सोनम, पायल, रूचिका, इलमा, अंजना, आफरीन, कहकशां, अल्तमश आदि मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप पर हंगामा करने वाले तीन का शांति भंग में चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर पुलिस ने शांति भंग करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि रहमतपुर स्थित एक पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने को लेकर कुछ युवक सेल्समैन से विवाद कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे शांत नहीं हुए और उत्तेजित होकर अभद्रता व हंगामा करने लगेस्थिति बिगड़ते देख राजीव कुमार निवासी रहमतपुर, अंकित कुमार निवासी शेखपुरा मोहल्ला हरिजन बस्ती कोतवाली बेहट जिला सहारनपुर (उ.प्र.), और राहुल कुमार सिंह निवासी रहमतपुर को गिरफ्तार कर शांतिभंग और मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस टीम में एसएसआई सुनील दत्त पंत, रविन्द्र बालियान,जितेंद्र रावत,अंकित कुमार शामिल रहे।

सिविल लाइन पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

19 मकान मालिकों के काटे चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली सिविल लाइन पुलिस ने एसपी देहात के निर्देशन पर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया है। इस दौरान पुलिस ने पुलिस अधिनियम के तहत 19 मकान मालिकों के चालान काटे और भविष्य में बिना सत्यापन के किराएदार रखने पर सख्त चेतावनी भी दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली सिविल लाइन पुलिस ने एसपी देहात के निर्देशन पर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में कोतवाली रुड़की द्वारा अपराधियों की धर पकड़ हेतु संदिग्ध व्यक्तियों एवं बहारी व्यक्तियों का सत्यापन अभियान चलाया गया सत्यापन अभियान के दौरान ईशान इंपिरियल अपार्टमेंट हरिद्वार रोड एवं गुलमोहर अपार्टमेंट में सत्यापन अभियान चलाया गया जिनके द्वारा अपने अपार्टमेंटों में किराए पर रखे हुए बहारी व्यक्ति का सत्यापन नहीं कराया गया है।

उन मकान मालिक एवं अपार्टमेंट मलिक के पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस कार्रवाई में 19 मकान मालिकों के पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालान किए गए। सत्यापन अभियान की कार्रवाई जारी हैं।

मिर्च के पैसों को लेकर दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। जनपद हरिद्वार के लक्सर क्षेत्र अंतर्गत जैनपुर खुर्द गांव में मिर्च के चंद रुपयों को लेकर उपजा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बीती 4 मार्च को हुई इस घटना में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर घर में घुसकर मारपीट करने, वाहनों को क्षतिग्रस्त करने और मूक पशुओं को चोट पहुँचाने के गंभीर आरोप लगाए हैं।विवाद की जड़: मिर्च के पैसेजानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत एक छोटी सी बात से हुई।

जानकारी के अनुसार जैनपुर खुर्द निवासी महफूज, इरशाद और रुखसाना ने बताया कि उनके परिवार का एक बच्चा पास ही में हरी मिर्च खरीदने गया था। परिजनों का दावा है कि बच्चे ने मिर्च विक्रेता को पैसे दे दिए थे, लेकिन विक्रेता ने पैसे मिलने से इनकार कर दिया। इसी बीच वहां मौजूद एक पड़ोसी ने हस्तक्षेप करते हुए बच्चे के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।घर में घुसकर हमले का आरोपपीड़ित पक्ष का आरोप है कि मामूली कहासुनी के बाद दूसरे पक्ष के लोग लामबंद होकर उनके घर पर आ धमके। आरोप है कि हमलावरों ने घर में मौजूद लोगों के साथ मारपीट की, जिसमें दो से तीन लोग घायल हुए हैं। इतना ही नहीं, पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके वाहनों में तोड़फोड़ की और घर में बंधे पशुओं को भी चोट पहुँचाई।पुलिस कार्रवाई का इंतजारपीड़ित पक्ष का कहना है कि पूरी घटना का वीडियो साक्ष्य उनके पास मौजूद है। उन्होंने लक्सर पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और ग्रामीणों को पुलिसिया कार्रवाई का इंतजार है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 13 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

भारत को राहत

ईरान-अमेरिकी युद्ध के 13वें दिन एक अच्छी खबर आई, जिसमें कहा गया कि ईरान हॉर्मुज जलडमरू मध्य से भारतीय विमानों को गुजरने के लिए मंजूरी मिल गई है। यह सब भारतीय विदेश मंत्री डा एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के बाद देखने में आया है। बताया जा रहा है कि इस वार्ता के बाद दो भारतीय टैंकर पुष्पा और परिमल सुरक्षित रूप से उस जल मार्ग से गुजर रहे हैं। निश्चित रूप से यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि इसी रास्ते से भारत का लगभग 60 प्रतिशत व्यापार इसी मार्ग से होता है और ईरान ने इसे एक रणनीति के तहत बंद किया हुआ है। ईरान के अनुसार इस रास्ते से केवल वही जहाज गुजर सकते हैं, जो उसके सहयोगी देशों के हैं। जाहिर है अगर हमारे जहाज नहीं गुजर रहे थे, तो कहीं न कहीं इसका मतलब यह भी हो सकता है कि ईरान हमारा सहयोगी देश नहीं रहा। जबकि कुछ वर्षों पहले तक ही हमारे मित्र देशों की श्रेणी में था। विपक्ष इसी बात को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है और कह रहा है कि अगर आज भारत में ऊर्जा का संकट खड़ा हुआ है तो यह भारत की विदेश नीति का फेल्योर है। भारत सरकार ऐसा नहीं मानती। उसके अनुसार भारत में फिल्हाल पेट्रोल डीजल की कमी नहीं है और एलपीजी की भी सप्लाई पर भारत सरकार विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन विपक्ष सरकार के तर्कों से सहमत नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सरकार को एलपीजी को लेकर घेरते दिखाई दिए और उन्होंने जानना चाहा कि सरकार इस दिशा में क्या काम कर रही है, क्योंकि उनकी नजर में सरकार कुछ भी कहे कोई भी दावा करे लेकिन वास्तविकता के धरातल पर पब्लिक में मारामारी है और एलपीजी लेने के लिए लोगों की लाइनें लगी हुई हैं। कई जगह से तो मारपीट की खबरें आ चुकी हैं, जोकि गंभीर मामला है। यह तो शुरुआती दौर है अगर यही स्थिति कुछ दिन और बनी रही, जैसीकि आशंका दिखाई दे रही है, तो हालात कितने भयावह हो सकते हैं, कोई भी इसका अंदाजा लगा सकता है। अमेरिका और ईरान जरा भी पीछे हटते दिखाई नहीं दे रहे हैं और अपने स्टैंड पर अड़े हैं। ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला मुस्तफा खामेनेई ने अपने पहले बयान में अमेरिका को सीधे कह डाला कि यह युद्ध तभी रुक सकता है जब अमेरिका युद्ध के खर्चे की भरपाई करे। सरकार बदलने का अलाप छोड़े और भविष्य में कभी भी उस पर युद्ध थोंपने की जुर्रत न करे। जहां तक बात अमेरिका की है, उसके राष्ट्रपति की अजीब स्थिति बनी हुई है, वह लगातार बयान बदलते रहते हैं। उनके अनुसार ईरान में उनके तमाम लक्ष्य पूरे हो चुके हैं और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा। जाहिर है, ईरान अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ही इस युद्ध की आंच में झुलसती दिखाई दे रही है।

बहुत हुई मन की बात

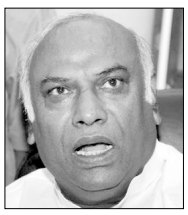

देश रसोई गैस की कमी के संकट से जूझ रहा है और पीएम मोदी अपनी सरकार की इस विफलता पर ध्यान देने की बजाय चुनावी दौरों में व्यस्त हैं, जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है, तो प्रधानमंत्री मोदी जी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं, देशभर में एलपीजी की भारी कमी है और लोग कतारों में खड़े हैं, कितने सारे छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का खामियाजा भुगतने पर मजबूर हैं, पर सरकार के पास केवल झूठे दावे के अलावा कोई जवाब नहीं, कूटनीति की विफलता, गंभीर मुद्दा है और ऊर्जा प्रबंधन की नाकामी का नतीजा आज देश की 140 करोड़ जनता भुगत रही है, नरेन्द्र मोदी जी, बहुत हुई मन की बात जरा संसद में आकर करिए 'मुद्दे की बात।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

सावरकर मानहानि मामले में बरी राहुल ने फिर दिखाई संवेदनशीलता

रोहित कौशिक

जुलाई 2023 को दिल्ली से हिमाचल जाते वक्त राहुल गांधी हरियाणा के सोनीपत के मदीना गांव के किसान संजय के खेत में पहुंच गए थे। संजय उस वक्त अपने खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। उस वक्त राहुल गांधी ने संजय से उन्हें हमेशा याद रखने की बात कही थी। संजय मलिक ने कहा कि उन्हें लगता था कि राहुल गांधी उन्हें भूल गए होंगे। 25 फरवरी को संजय मलिक ने दिल्ली जाकर अपनी बेटी की शादी का कार्ड दिया और 10 मार्च को सुबह ही पता चला कि राहुल गांधी उनकी बेटी को आशीर्वाद देने आ रहे हैं।

एक तरफ राहुल गांधी के एक कारनामे ने उन्हें फिर चर्चा में ला दिया तो दूसरी तरफ नासिक में सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत मिल गई। पुलिस रिपोर्ट आने के बाद शिकायतकर्ता ने शिकायत वापस ले ली व अदालत ने इस मामले की कार्रवाई समाप्त कर दी। इस मामले में कोई ठोस तथ्य दिखाई नहीं दिए और पुलिस जांच में आरोपों की सत्यता साबित नहीं हुई। अदालत का यह फैसला दिखाता है कि राहुल गांधी को फंसाने की कितनी कोशिशें की जा रही हैं।

बुधवार 11 मार्च को यह फैसला आया लेकिन इससे एक दिन पहले यानी मंगलवार 10 मार्च को राहुल गांधी ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक कारनामा कर दिया। इसे कारनामा भी क्यों कहा जाए ? इसे सामाजिक जिम्मेदारी कहा जाना चाहिए। तो यह भी कह सकते हैं कि राहुल गांधी ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई और वे एक बार फिर चर्चा में आ गए। वही राहुल गांधी जिन्हे यह देश अभी समझ नहीं सका है लेकिन वे इस देश को समझने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। वही राहुल गांधी जिनकी आवाज सुनकर सत्ता तिलमिला जाती है, सत्ता गुस्से में आग-बबूला हो जाती है। वही राहुल गांधी जिन्हें भाजपा देशद्रोही सिद्ध करने की कोशिश कर रही है। वही राहुल गांधी जिन्हें पप्पू साबित करने के लिए करोड़ों रूपए खर्च कर दिए गए। वही राहुल गांधी जिन पर रोज यह इल्जाम लगाया जाता है कि उन्हें न देश की समझ है और न राजनीति की। वही राहुल गांधी जिन्हे बार-बार बच्चा साबित किया जाता है लेकिन उसी बच्चे से यह सत्ता सबसे ज्यादा डरती है। वही राहुल गांधी जो माननीय और प्रात:स्मरणीय प्रधानमंत्री जी की तरह टेलीप्रॉम्पटर से पढ़कर अपने भाषण नहीं देते हैं। वही राहुल गांधी जो एक तरह की पेंट और टीशर्ट पहनकर में संसद भी जाते हैं और उसी तरह की पेंट और टीशर्ट में पूरा भारत भी घूम लेते हैं। वही राहुल गांधी जो माननीय प्रधानमंत्री जी की तरह लाखों का सूट नहीं पहनते हैं। उन्हीं राहुल गांधी ने अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी से कई लोगों के दिल जीत लिए। आप मुझे कहेंगे कि मैं राहुल गांधी की स्तुति कर रहा हूं। लेकिन जब आप प्रधानमंत्री जी की स्तुति करते हैं तब तो मैं कुछ नहीं कहता। नेता प्रतिपक्ष की स्तुति करके मुझे क्या मिलेगा ? मैं तो राहुल गांधी की एक सामाजिक जिम्मेदारी की बात बता रहा हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार 10 मार्च को सोनीपत के मदीना गांव में किसान संजय मलिक की बेटी तनु की शादी में शामिल होने पहुंचे। यह वही किसान संजय मलिक हैं जिनके खेत में राहुल गांधी ने तीन साल पहले ट्रैक्टर चलाकर धान रोपाई की थी। राहुल गांधी यहां एक घंटे तक रुके। उन्होंने यहां दूध के साथ चूरमा भी खाया और मिस्सी रोटी भी खाई। महिलाओं के गीत सुने। राहुल ने किसान संजय मलिक की बेटी तनु की प्रियंका गांधी से मोबाइल पर बात भी कराई। तनु ने राहुल गांधी से कहा कि जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंबानी के बेटे की शादी में गए थे। बड़े लोगों की शादी में जाते हैं, आप गरीब के घर शादी में आए। कभी देखा नहीं ऐसा। इस पर राहुल ने कहा कि वहां पर ऐसा मजा नहीं आता। मजा तो यहां पर है। राहुल गांधी के इस व्यवहार को नाटक बताने वाले भी कम नहीं है। लेकिन हमेशा नफरत की राजनीति करने वाले ऐसे लोग अपने गिरेबान में झांकने की कोशिश नहीं करते हैं। जो लोग स्वयं नाटक करते हैं वे हमेशा ही यह समझते हैं कि दूसरे भी नाटक कर रहे हैं। लेकिन एक राजनेता का आम आदमी के साथ जुड़ाव रखने का भाव नाटक नहीं हो सकता। यही होती है असली नेता की पहचान। राहुल गांधी ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। वह कभी मोची से मिलते हैं तो कभी बढ़ई से। क्या भारत जोड़ो यात्रा को नाटक कहा जा सकता है। हमारे देश में ऐसी यात्राएं कितनी हुई हैं ? सड़क नापते राहुल गांधी कई लोगों को अच्छे नहीं लग सकते लेकिन उनकी भावनाओं को नकली नहीं कहा जा सकता।

जुलाई 2023 को दिल्ली से हिमाचल जाते वक्त राहुल गांधी हरियाणा के सोनीपत के मदीना गांव के किसान संजय के खेत में पहुंच गए थे। संजय उस वक्त अपने खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। उस वक्त राहुल गांधी ने संजय से उन्हें हमेशा याद रखने की बात कही थी। संजय मलिक ने कहा कि उन्हें लगता था कि राहुल गांधी उन्हें भूल गए होंगे। 25 फरवरी को संजय मलिक ने दिल्ली जाकर अपनी बेटी की शादी का कार्ड दिया और 10 मार्च को सुबह ही पता चला कि राहुल गांधी उनकी बेटी को आशीर्वाद देने आ रहे हैं। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस दौर में अधिकांश राजनेताओं ने राजनीति को अपनी ठसक या हनका दिखाने का माध्यम बना लिया है। राहुल गांधी को भाजपा अक्सर युवराज कहकर संबोधित करती है। लेकिन इस युवराज ने अपने व्यवहार से यह दिखा दिया कि युवराज यदि सहज और सरल दिल का हो तो ऐसा युवराज लाखों का सूट पहनने वाले फकीर से ज्यादा अच्छा है। राजनीति अपनी जगह होती है। राजनीति में एक दूसरे के विरोधी विचारधारा वाले एक दूसरे के खिलाफ रहते ही है। लेकिन इस दौर की राजनीति को जितना गंदा बना दिया गया है उससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं हो सकता। भाजपा चाहती है कि राहुल गांधी समझौते की राजनीति कर चुप्पी साध लें लेकिन राहुल गांधी चुप्पी नहीं साध रहे हैं और लगातार सवाल उठा रहे हैं। राहुल का यह सवाल उठाना भाजपा को रास नहीं आ रहा है। इसलिए भाजपा पूरे गांधी परिवार को बदनाम करने के लिए पानी की तरह रूपया बहा रही है। भाजपा लगातार राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाती है लेकिन राहुल गांधी जो जो बात कह रहे हैं वे सभी पूरी हो रहीं है। क्या राहुल गांधी को देशद्रोही सिद्ध भाजपा लोकतंत्र का अपमान नहीं कर रही है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पिघलते ग्लेशियर चिंता का विषय

आइसलैंड जैसे आर्कटिक देशों में भी ग्लेशियर गायब हुए हैं। स्लोवेनिया और वेनेजुएला में हिमनदों गायब होना महत्वपूर्ण है क्योंकि 18वीं सदी के बाद से यह पहला मामला है जब किसी देश ने अपने हिमनदों को पूरी तरह से खो दिया हो। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल के अनुसार, इस सदी के अंत तक दुनिया के 18. 36 प्रतिशत हिमनद गायब होने की संभावना है।

एक घटना में स्लोवेनिया और वेनेजुएला अपने सभी हिमनद (ग्लेशियर) को खोने वाले पहले देश बन गए हैं। मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण हुई यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना एक बड़े वैश्विक संकट की ओर संकेत देती है जिसकी चपेट में कई अन्य देश भी आ सकते हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार वेनेजुएला अपने सभी हिमनदों को गंवाने वाला पहला देश हो सकता है। कुछ शोध अध्ययनों से तो पता चलता है कि शायद स्लोवेनिया तीस साल पहले इस त्रासदी से गुजर चुका था। हिमनद बर्फ की नदियां होती हैं। वास्तव में हिमनद की परिभाषा में यह शामिल है कि उसके बर्फ में गति होती हो और दरारें उपस्थिति हों, और दोनों ही स्लोवेनिया के ग्लेशियर के अवशेषों में दशकों से नदारद हैं। गौरतलब है कि हिमनदों का पिघलना जलवायु परिवर्तन के सबसे नुमाया प्रभावों में से एक है। आइसलैंड जैसे आर्कटिक देशों में भी ग्लेशियर गायब हुए हैं। स्लोवेनिया और वेनेजुएला में हिमनदों गायब होना महत्वपूर्ण है क्योंकि 18वीं सदी के बाद से यह पहला मामला है जब किसी देश ने अपने हिमनदों को पूरी तरह से खो दिया हो। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल के अनुसार, इस सदी के अंत तक दुनिया के 18.36 प्रतिशत हिमनद गायब होने की संभावना है जिसका मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग है। जलवायु विज्ञानी मैक्सिमिलियानो हेरेरा के अनुसार देश का आखिरी हिमनद ला कोरोना का क्षेत्रफल दिसंबर तक सिर्फ 0.02 वर्ग किमी। रह गया था। इस क्षति का वेनेजुएला पर गंभीर प्रभाव पड़ा है, क्योंकि हिमनद पर्यावरण और जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसे एक राष्ट्रीय त्रासदी और ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभावों और जलवायु सम्बंधित चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। इसी तरह, स्लोवेनिया के हिमनद, खास तौर पर स्कुटा और ट्रिग्लव, दशकों से घट रहे हैं। दोनों ही 20वीं सदी के अंत में 0.1 वर्ग किमी से छोटे रह गए थे। उनके छोटे आकार और कम ऊंचाई ने उन्हें जलवायु के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बना दिया, जिसके कारण वे अंततरू गायब हो गए। इन देशों में हिमनदों के खत्म होने के असर कहीं ज्यादा हैं। इनकी पिघलती बर्फ समुद्र के स्तर को बढ़ाती है, जिससे दुनिया भर के तटीय क्षेत्र प्रभावित होते हैं। हिमनदों का इस तरह से खात्मा अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के लिए भी एक चेतावनी है। हिमनदों को जल स्रोतों के तौर पर उपयोग करने वाले कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू और बोलीविया जैसे देशों को हिमनदों के सिकुड़ने से गंभीर सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। मेक्सिको का अंतिम हिमनद, ग्रान नॉर्टे भी विलुप्त होने की कगार पर हैय अनुमान है कि 2026 से 2033 के बीच यह अपना हिमनद दर्जा खो देगा तथा 2045 तक पूरी तरह लुप्त हो जाएगा। हिमनदों का इस तरह गायब होते जाना जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सामूहिक कार्रवाई का आव्हान है और तत्काल वैश्विक प्रयासों की जरूरत को रेखांकित करता है।

-स्रोत फीचर्स

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों का समय घातक

जानलेवा सैन्य हथियारों की स्वायत्तता इन दिनों गहन विचार मंथन और चर्चाओं के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों के सृजन को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू हुआ है। जुलाई 2023 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा कृत्रिम बुद्धि निर्देशित हथियारों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक मंथन किया गया था। विचार मंथन का दौर अभी थमा नहीं है। इसी साल के उत्तरार्द्ध में संयुक्त राष्ट्र महासभा में कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों पर विभिन्न कोणों से नजर डालने के लिए बैठक होगी। लेकिन इस बैठक के पहले अप्रैल में ऑस्ट्रिया में एक सम्मेलन आयोजित हो चुका है।

कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों की तुलना रासायनिक, जैविक और परमाणु हथियारों से की जाए तो यह हथियार खतरनाक होने के पैमाने पर एक कदम आगे निकल गए हैं। हाल के वर्षों में दुनिया की बड़ी सैन्य ताकतों ने जानलेवा स्वायत्त हथियारों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। यही मुद्दा विचार मंथन का विषय है। रक्षा वैज्ञानिक, विधिवेत्ता, रोबोट विज्ञान के अध्एता, सैन्य योजनाकार और नैतिकतावादी जानलेवा स्वायत्त हथियारों के विभिन्न मुद्दों पर बहस में जुट गए हैं। जानलेवा स्वायत्त हथियारों पर प्रतिबंध के संदर्भ में नैतिक कारण भी अहम हैं। यह सवाल सहज रूप से किया जा सकता है कि युद्ध के मैदान में किसी भी अनैतिक गतिविधि के लिए एक मशीन को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? इस सवाल का कोई तर्क आधारित उत्तर किसी के पास नहीं है और यही कारण है कि इन हथियारों पर प्रतिबंध की मांग उठी है। नैतिक कारणों पर गंभीरता से गौर करें तो एक

और बात जोड़ना लाजमी है। क्या किसी मशीन द्वारा जीवन और मृत्यु का फैसला करना नैतिक रूप से स्वीकार्य है? कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों का इस्तेमाल पिछले कई दशकों से हो रहा है। इनमें हीट सीकिंग मिसाइलें और प्रेशर ट्रिगर बारूदी सुरंगें भी सम्मिलित हैं। हाल के वर्षों में चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और इस्राइल जैसे देशों ने युद्ध के मैदान में इन हथियारों की तैनाती को प्राथमिकता दी है। भारत ने स्वायत्त हथियारों पर अनुसंधान का समर्थन किया है।

सेना में कृत्रिम बुद्धि का इस्तेमाल जिन कुछ कार्यों के लिए किया जा सकता है, उनमें रसद और आपूर्ति प्रबंधन, डैटा विश्लेषण, खुफिया जानकारियां जुटाने, सायबर ऑपरेशन और हथियारों की स्वायत्त प्रणाली सम्मिलित है। इनमें सबसे ज्यादा विवादित हथियारों की स्वायत्त प्रणाली है।

क्या हैं स्वायत्त हथियार

इसके तहत वे हथियार आते हैं, जो अपने आप कार्य करने में सक्षम हैंय इन्हें मनुष्य की जरूरत नहीं पड़ती। इंटरनेशनल कमेटी ऑफ दी रेड क्रॉस की परिभाषा के अनुसार स्वायत्त हथियार ऐसे हथियार हैं, जो मानवीय हस्तक्षेप के बिना लक्ष्य का चुनाव और इस्तेमाल करते हैं। वास्तव में स्वायत्त हथियार सेंसर और सॉफ्टवेयर से संचालित होते हैं। इनका इस्तेमाल उन इलाकों में किया जाता है, जहां बहुत कम आबादी होती है। दरअसल जानलेवा स्वायत्त हथियार अपने लक्ष्य की पहचान के लिए एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। हथियारों की यह प्रणाली प्रक्षेपास्त्र प्रतिरक्षा प्रणाली से लेकर एक लघु ड्रोन के रूप में हो सकती है। इन हथियारों का लड़ाई के दौरान इस्तेमाल करने के कारण एक नया शब्द ईजाद किया गया है, जिसे लीथल ऑटोनामस वेपन कहा जा रहा है। इन हथियारों का इस्तेमाल जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक में किया जा सकता है, पानी पर अथवा पानी के नीचे भी किया जा सकता है। विशेषज्ञों का विचार है कि जानलेवा स्वायत्त हथियारों के सृजन में प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका है। वस्तुतरू प्रौद्योगिकी हथियारों को रफ्तार, बचाव और अन्य प्रकार की विशेषताओं से युक्त और कारगर बनाने में भूमिका निभाती है। प्रौद्योगिकी के प्रसंग में कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले के कंप्यूटर अध्यता और कृत्रिम बुद्धि से सृजित हथियारों के विरोधी स्टुअर्ट रसेल का सोचना है कि किसी सिस्टम के लिए इंसान का पता लगाकर उसे मारने की प्रौद्योगिकी क्षमता का विकास सेल्फ ड्राइविंग कार विकसित करने से कहीं अधिक आसान है। वास्तव में पूछा जाए तो यह हथियार अब विज्ञान कथाओं के काल्पनिक भवन से बाहर निकल कर वास्तविक रूप में लड़ाई के मैदान में नजर आ रहे हैं। इनका धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। जहां एक ओर कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों की जोरदार वकालत की गई है, वहीं दूसरी ओर इन्हें भारी विरोध और तीखी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा है। आलोचकों के अनुसार ए हथियार बहुत महंगे हैं। इनका रचनात्मकता से जरा भी सरोकार नहीं है। भावनाओं से कोई लेना-देना नहीं है। जवाबदेही का सवाल ही नहीं उठता। एक अध्ययन में बताया गया है कि इन हथियारों के इस्तेमाल से बेरोजगारी बढ़ेगी। दूसरी ओर, ऐसे हथियारों की जोरदार वकालत कर रहे लोगों का कहना है कि यह अत्यधिक उन्नत कार्यों को सम्पादित करने में पूरी तरह सक्षम हैं। युद्ध के दौरान मनुष्य से होने वाली त्रुटियों में कमी आएगी। यह त्वरित फैसला करने में सक्षम हैं। कुल मिलाकर, यह हथियार सटीक साबित हुए हैं और हर पल उपलब्ध हैं। इस प्रकार के हथियारों ने नए आविष्कारों और नवाचारों को भी जन्म देने में भूमिका निभाई है। पारम्परिक हथियारों की तुलना में इनसे कम नुकसान पहुंचता है, नागरिक कम हताहत होते हैं। हाल के वर्षों में छिड़े युद्धों में कृत्रिम बुद्धि निर्देशित जानलेवा स्वायत्त हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। इसका एक उदाहरण रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई है, जिसमें एआई ड्रोन का इस्तेमाल भी किया गया है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने अपने रेप्लिकेटर कार्यक्रम के तहत लघु हथियारयुक्त स्वायत्त वाहनों का बेड़ा तैयार किया है। इसके अलावा, प्रायोगिक पनडुब्बियां और जहाज बनाए हैं, जो स्वयं को चलाने के लिए कृत्रिम बुद्धि छवि का उपयोग कर सकते हैं। स्वायत्त हथियार एक मॉडल विमान के आकार का हो सकता है। इनका मूल्य लगभग पचास हजार डॉलर आंका गया है। स्वायत्त हथियार प्रणालियों का समर्थन दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। पहला, सैन्य स्तर पर फायदे और दूसरा, नैतिक औचित्य। अमेरिकी सेना के एक अधिकारी का मानना है कि युद्ध क्षेत्रों से मनुष्यों को हटाकर रोबोट का इस्तेमाल करने के नैतिक फायदे हो सकते हैं। जुलाई 2015 में कृत्रिम बुद्धि पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागी राष्ट्रों ने मानवीय नियंत्रण से परे स्वायत्त हथियारों पर रोक लगाने का आव्हान करते हुए एक खुला पत्र जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि कृत्रिम बुद्धि में मानवता को फायदा पहुंचाने की क्षमताएं हैं, लेकिन अगर कृत्रिम बुद्धि निर्देशित हथियारों की स्पर्धा शुरू हो जाती है तो एआई की प्रतिष्ठा धूमिल पड़ सकती है। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में टेस्ला कंपनी के संस्थापक एलन मस्क भी शामिल हैं। दरअसल स्वायत्त हथियार प्रणालियों के कुछ विरोध न केवल उत्पादन और तैनाती बल्कि इन पर रिसर्च, विकास और परीक्षण पर भी पाबंदी लगाना चाहते हैं। रक्षा विज्ञान के दस्तावेजों में स्वायत्तता को अलग-अलग तरह से परिभाषित किया गया है। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति के अनुसार स्वायत्त हथियार ऐसे हथियार हैं, जो स्वतंत्र रूप से लक्ष्यों का चुनाव और आक्रमण करने में सक्षम हैं। हारवर्ड लॉ स्कूल की मानव अधिकार अधिवक्ता बोनी डॉचेर्टी ने स्वायत्ता को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है-ह्युमैन-इन-दी-लूप (निर्णय श्रंखला में मानव शामिल) ह्युमैन-ऑन-दी-लूप (निर्णय श्रंखला पर मानव) और तीसरा ह्युमैन-आउट-ऑफ-दी-लूप (मानव निर्णय श्रंखला के बाहर) हैं। निर्णय श्रंखला में मानव शामिल श्रेणी में हथियारों की कार्रवाई इंसान द्वारा की जाती है, लेकिन लोगों को कहां और कैसे सम्मिलित किया जाना चाहिए, यह विचार मंथन का मुद्दा है। निर्णय श्रंखला पर मानव में एक मनुष्य किसी कार्रवाई को रद्द कर सकता है। मानव निर्णय श्रंखला के बाहर श्रेणी में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं है। अनुसंधानकर्ताओं और सैन्य विज्ञान के जानकारों ने सैद्धांतिक तौर पर पहले प्रकार पर सहमति जाहिर की है।

साभार स्रोत फीचर्स

ईरान ने यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को किया खारिज

तेहरान। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने सुरक्षा परिषद की ओर से ईरान के खिलाफ पारित किए गए प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताया है। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा परिषद के सत्र में बोलते हुए अमीर-सईद इरावानी ने इस दस्तावेज को अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताते हुए खारिज कर दिया।

उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्ताव का पारित होना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता के लिए एक गंभीर झटका है। यह विश्व निकाय के इतिहास पर एक अमिट दाग छोड़ता है। राजदूत ने दावा किया कि यह कदम सुरक्षा परिषद के अधिकार का घोर दुरुपयोग है। इसका उद्देश्य कुछ सदस्यों के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करना है। उन्होंने आगे कहा कि यह जमीनी हकीकतों को तोड़-मरोड़

■ अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताया

कर पेश करता है। मौजूदा क्षेत्रीय संकट के मूल कारणों को संबोधित करने में विफल रहता है। अपने कड़े शब्दों वाले भाषण में, इरावानी ने दस्तावेज की पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रकृति की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पीड़ित और हमलावर की भूमिकाओं को उलट देता है। तर्क दिया कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दोनों शासनों को और अधिक अपराध करने के लिए प्रोत्साहित करती है। मिशन के आधिकारिक बयानों में इस बात पर जोर दिया गया कि तेहरान परिषद के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। इरावानी ने इस कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के विपरीत बताया।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के पहले छह दिनों का खर्च 11.3 अरब डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के अधिकारियों ने अमेरिकी सांसदों को जानकारी दी है कि ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के पहले छह दिनों में ही 11.3 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का खर्च आ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा कांग्रेस को प्राप्त अब तक का सबसे व्यापक प्रारंभिक अनुमान है। हालांकि, इसमें हमले शुरू होने से पहले सैन्य साजो-सामान और कर्मियों की तैनाती पर हुआ खर्च शामिल नहीं है। सांसदों का मानना है कि जैसे-जैसे पेंटागन पहले सप्ताह के खर्चों की पूरी गणना करेगा, यह संख्या काफी बढ़ सकती है। अभियान के शुरुआती दिनों में अमेरिका ने अत्यधिक सक्षम और सटीक निशाना लगाने वाले 'एजीएम-154 ग्लाइड बम' जैसे हथियारों का इस्तेमाल किया है।

अमेरिका अभी नहीं गिरा पाएगा ईरान की सरकार

ईरान में मौजूदा लीडरशिप का जनता पर पूरा कंट्रोल, जल्द ऑपरेशन खत्म कर सकते हैं डोनाल्ड ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका और इजरायल लगातार दो हफ्ते से ईरान में एयरस्ट्राइक कर रहे हैं, इसके बावजूद ईरान की सत्ता अभी भी काफी मजबूत है और उसके जल्द गिरने का कोई खतरा नहीं है। यह बात अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आई है। इस मामले से जुड़े तीन सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रायटर्स को इसकी जानकारी दी है।

एक सूत्र के मुताबिक कई खुफिया रिपोर्टों में एक जैसा आकलन किया गया है कि ईरान की सरकार गिरने की स्थिति में नहीं है और वह अभी भी देश की जनता पर कंट्रोल बनाए हुए है। वहीं, तेल की कीमतों में इजाफे की वजह से राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द जंग खत्म कर सकता है। हालांकि अगर ईरान के कट्टरपंथी नेता सत्ता में बने रहते हैं तो युद्ध खत्म करने का रास्ता निकालना आसान नहीं होगा। खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के पहले ही दिन ईरान के

■ अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में अहम खुलासा

सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद वहां की धार्मिक नेतृत्व वाली व्यवस्था अभी भी एकजुट बनी हुई है। इजरायल के एक सीनियर अधिकारी ने भी रायटर्स से कहा कि सीक्रेट मीटिंग्स में भी यही बात निकल कर सामने आई है कि फिलहाल ईरान की मौजूदा सरकार गिरने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने यह भी कहा कि जमीन पर हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं और आने वाले समय में ईरान के अंदर की स्थिति अलग दिशा में जा सकती है। अमेरिका और इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, परमाणु ठिकाने और टॉप लीडरशिप से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। युद्ध शुरू करते समय ट्रम्प ने ईरान की जनता से कहा था कि वे अपनी सरकार को खुद बदल दें। हालांकि बाद में उनके सीनियर अधिका. रियों ने कहा कि ईरान की सरकार को हटाना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं है। हमलों में खामेनेई के अलावा कई सीनियर अधिकारी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के कई बड़े कमांडर भी मारे गए हैं। यह ईरान की एक शक्तिशाली पैरामिलिट्री फोर्स है, जो देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को कंट्रोल करती है। इसके बावजूद अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक खामेनेई और आईआरजीसी के अफसरों की मौत के बाद बना 'इंटरनल लीडरशिप सिस्टम' अभी भी देश पर कंट्रोल बनाए हुए है। ब्लूकिंग्स इंस्टीटयूशन की एक्सपर्ट सुजैन मलोनी ने कहा कि ईरान के अंदर फिलहाल ऐसी कोई ताकत नहीं है जो सरकार के पास बची हुई शक्ति को चुनौती दे सके। उनके मुताबिक ईरान भले ही अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ पूरी ताकत इस्तेमाल न कर पाए, लेकिन देश के अंदर वह अभी भी पूरी तरह कंट्रोल बनाए रखने में सक्षम है। राजधानी तेहरान में सड़क पर बिलबोर्ड लगा है। इसमें ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को देश का झंडा अपने बेटे और उत्तराधिकारी मुजत. बा खामेनेई को सौंपते हुए दिखाया गया है। सबसे बाएं इस्लामी क्रांति के संस्थापक अयातुल्लाह रुहोल्लाह खैमेनी की तस्वीर है। इस हफ्ते ईरान के सीनियर शिया धर्मगुरुओं की संस्था 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है।

युद्ध खत्म करने का ट्रम्प के पास कोई प्लान नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की ताकत का गलत अंदाजा लगाया, तेल सप्लाई ठप होगी सोचा नहीं था

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 18 फरवरी को जब यह तय कर रहे थे कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, तब ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें यह चिंता नहीं थी कि अगर युद्ध हुआ, तो मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई पर असर पड़ेगा या तेल के बाजार में बड़ी गड़बड़ी होगी। राइट ने कहा था कि पिछले साल जून में जब इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर हमले किए थे, तब भी तेल बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा था।

उनके मुताबिक उस समय तेल की कीमत थोड़ी बढ़ी थी, लेकिन जल्द ही नीचे आ गई थी। ट्रम्प के दूसरे सलाहकार भी निजीतौर पर इसी तरह की राय रखते थे। उनका मानना था कि चेतावनियां बढ़ा-चढ़ाकर दी जा रही हैं और ईरान शायद ही इस बार तेल ले जाने वाले समुद्री रास्तों को बंद करेगा, जिनसे दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई गुजरती है, लेकिन हाल के दिनों में यह आकलन गलत साबित होता दिख रहा है। ईरान ने धमकी दी कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल के टैंकरों पर हमला कर सकता है। यह वही अहम समुद्री रास्ता है जिससे होकर फारस की खाड़ी से निकलने वाले सभी जहाज गुजरते हैं।

ईरान की इन धमकियों के बाद खाड़ी रीजन में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। इस वजह से तेल की कीमतें एक समय 110 डालर प्रति बैरल को छू गई थीं। ट्रम्प प्रशासन अब आर्थिक संकट को काबू में करने के तरीके खोजने में जुट

■ ट्रम्प प्रशासन के अधिकारी भी इसको लेकर निराश, युद्ध खत्म करने का कोई प्लान नजर नहीं आ रहा

गया है। इस संकट के कारण अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें भी बढ़ गई हैं। इस घटना यह भी पता चलता है कि ट्रम्प और उनके सलाहकारों ने युद्ध पर ईरान के रुख का गलत अंदाजा लगाया।

ईरान इस संघर्ष को अपने अस्तित्व से जुड़ा खतरा मान रहा है। पिछले साल जून में हुई 12 दिन की युद्ध की तुलना में इस बार ईरान ने कहीं ज्यादा आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। उसने अमेरिका के सैन्य ठिकानों, मिडिल ईस्ट के कई अरब देशों के शहरों और इजरायल के आबादी वाले इलाकों पर मिसा. इल और ड्रोन अटेक किए हैं। इन हमलों के कारण अमेरिकी अधिकारियों को कई प्लान तुरंत बदलने पड़े। कुछ जगहों पर दूतावास खाली कराने पड़े और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने के लिए नई पालिसी पर काम करना पड़ा। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों ने सांसदों को बंद कमरे में जानकारी दी। इसके बाद अमेरिकी प्रांत

हमारे द्वीपों पर हमला हुआ, तो खून से लाल होगी फारस की खाड़ी: ईरानी संसद अध्यक्ष

दुबई। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने गुरुवार को कहा कि ईरान के द्वीपों पर किसी भी तरह का आक्रमण करने वाले फारस की खाड़ी को हमलावरों के खून से सराबोर कर देगा। यह चेतावनी ईरान में चल रहे युद्ध के बीच तनाव को और बढ़ाने वाली है। यह स्पष्ट नहीं है कि कालिबाफ की यह टिप्पणी किस विशेष घटना से प्रेरित थी। हालांकि, यह बयान ईरान और अन्य देशों के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का संकेत देता है। ऐतिहासिक रूप से, ईरान 1971 में अपने गठन से पहले संयुक्त अरब अमीरात से तीन द्वीपों पर नियंत्रण रखता है। ये द्वीप फारस की खाड़ी में सामरिक महत्व रखते हैं। इस बीच, ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका फारस की खाड़ी में स्थित खर्ग द्वीप को निशाना बना सकता है, जो ईरान का मुख्य तेल टर्मिनल है।

कनेक्टिकट के डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रशासन के पास होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा सुरक्षित तरीके से खोलने का कोई प्लान नहीं है। प्रशासन के अंदर भी कुछ अधिकारी इस बात को लेकर निराश हैं कि युद्ध खत्म करने का कोई प्लान नजर नहीं आ रहा है। हालांकि वे यह बात सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प से कहने से बच रहे हैं, क्योंकि ट्रम्प बार-बार कह रहे हैं कि सैन्य अभियान पूरी तरह सफल रहा है। ट्रम्प कई बार बहुत बड़े टारगेट की बात करते हैं। जैसे कि वे चाहते हैं कि ईरान में ऐसा नेता आए जो अमेरिका की बात माने। लेकिन विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ऐसी बात नहीं करते। पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा भी था कि अमेरिका, इराक में हाथ जला चुका है। वे ऐसा ईरान में नहीं करेगा। उनका कहना है कि ईरान की मिसाइल ताकत और सैन्य क्षमता को कमजोर करना ही असल मकसद है। अगर यह हो जाता है तो युद्ध खत्म करने का रास्ता निकल सकता है। हेगसेथ ने माना कि ईरान ने अपने पड़ोसी देशों पर जिस तरह से जोरदार जवाबी हमले किए, उसकी तीव्रता का अंदाजा पेंटागन को पूरी तरह नहीं था। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान की ये कार्रवाइयां आखिरकार उसी के खिलाफ जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ-साफ कहना मुश्किल है कि ईरान से बिल्कुल ऐसा ही जवाब आएगा, लेकिन इस तरह के हमले होने की संभावना पहले से थी। उनके मुता. बिक ईरान के इन हमलों से लगता है कि वहां की सरकार इस समय काफी दबाव में है। इस बीच ट्रम्प ने यह भी कहा कि तेल की सप्लाई पर युद्ध के असर से वह नाराज हैं। उन्होंने फाक्स न्यूज से कहा कि तेल टैंकरों के क्रू मेंबर्स को 'थोड़ी हिम्मत दिखानी चाहिए' और होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते रहना चाहिए।

नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान संसद परिसर में एलपीजी की कमी को लेकर एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले, डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि, सपा के सांसद धर्मेंद्र यादव व अन्य लोग प्रदर्शन करते हुए।

थाईलैंड नौसेना ने तीन लापता क्रू मेंबर्स को बचाने के लिए ओमान से मदद मांगी

बैंकॉक। थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज में चालक दल के तीन लापता सदस्यों के फंसे होने की आशंका है। इस बीच थाईलैंड नौसेना प्रमुख ने तलाशी अभियान में फौरन मदद के लिए ओमान के अपने समकक्ष से सीधा संवाद कायम किया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में यात्रा के दौरान थाईलैंड के ध्वज वाले इस जहाज पर बुधवार को हमला हुआ था। इसमें चालक दल के कुल 23 थाई सदस्य सवार थे। इनमें से 20 सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जो फिलहाल ओमान के तट पर हैं। जहाज की मालिक कंपनी 'प्रेशियस शिपिंग पीसीएल' ने जारी एक बयान में कहा कि चालक दल के तीन सदस्यों के लापता होने की खबर है और अंद. शा है कि हमले में क्षतिग्रस्त जहाज के 'इंजन रूम' में वे फंसे हो सकते हैं। इस हमले के बाद थाईलैंड की रॉयल नेवी के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल पायरोत फुआंगचन ने बुधवार शाम को ओमान की रॉयल नेवी के कमांडर रियर एडमिरल सैफ बिन नासिर अल राहबी को जरूरी संदेश भेजा। इसमें उन्होंने थाई चालक दल को दी गई फौरी मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिकी राजदूत को किया तलब

प्रिटोरिया। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा कि उन्होंने नये अमेरिकी राजदूत को उनकी 'गैर-राजनयिक टिप्पणियों' पर स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। यह विवाद दक्षिण अफ्रीका की नस्लीय नीतियों एवं अदालती फैसलों पर राजदूत की टिप्पणी के बाद शुरू हुआ है। कंजर्वेटिव दूत ब्रेंट बोझेल ने पिछले महीने ही अपना पद संभाला है। दक्षिण अफ्रीका के अमेरिकी सहयोगी इजरायल के खिलाफ नरसंहार का मामला दर्ज कराने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के श्वेत अफ्रीकी प्रताड़ित किए जा रहे हैं।

ऊर्जा संकट से निपटने के लिए अमेरिका का बड़ा कदम

न्यूयॉर्क। ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच बढ़ती तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका ने अपने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व से 17.2 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी करने की घोषणा की है।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक बयान में बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 32 सदस्य देश राष्ट्रपति ट्रम्प के उस अनुरोध पर सर्वसम्मति से सहमत हो गए हैं, जिसमें ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए एक समन्वित प्रयास के तहत अपने संबंधित भंडारों से कुल 40 करोड़ बैरल तेल और रिफाइंड उत्पाद जारी करने की बात कही गई थी। ऊर्जा मंत्री के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऊर्जा मंत्रालय को अपने हिस्से के 17.2

■ रणनीतिक भंडार से जारी करेगा 17.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल

करोड़ बैरल तेल जारी करने के लिए अधिकृत कर दिया है। यह प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी और योजनाबद्ध डिस्चार्ज रेट के आधार पर इसे बाजार तक पहुंचाने में लगभग 120 दिन लगेंगे। राइट ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका ने अगले एक वर्ष के भीतर इन रणनी. तिक भंडारों की भरपाई करने के लिए लगभग 20 करोड़ बैरल तेल की व्यवस्था पहले ही कर ली है। विशेषज्ञों का मानना है कि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में ईरान की घेराबंदी और वैश्विक तेल आपूर्ति में आए व्यवधान के कारण जो कीमतें आसमान छू रही थीं।

खाड़ी देशों पर ईरानी हमले के विरोध में प्रस्ताव पारित

सुरक्षा परिषद में भारत ने भी 130 से अधिक देशों के साथ प्रस्ताव का किया समर्थन

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 130 से अधिक देशों के साथ बुधवार को उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें खाड़ी देशों और जॉर्डन के खिलाफ ईरान के हालिया 'भीषण' हमलों की निंदा की गई है। यह प्रस्ताव ईरान के हमलों की भर्त्सना करता है और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है।

इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिवहन को अवरुद्ध करने, बाधित करने या हस्तक्षेप करने की ईरान की किसी भी कार्रवाई या धमकी की कड़ी निंदा की गई है। इसके साथ ही ईरान द्वारा बाब-अल-मंदेब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाले किसी भी कदम की भी निंदा की गई है। सुरक्षा परिषद के 15 में 13

■ सुरक्षा परिषद के 15 में 13 सदस्यों ने बहरीन की ओर से पेश किए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया

सदस्यों ने बहरीन की ओर से पेश किए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। किसी भी देश ने इसके खिलाफ मतदान नहीं किया, जबकि चीन और रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया। इस प्रस्ताव का भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, ब्रिटेन और अमेरिका सहित 130 से अधिक देशों ने सह-प्रायोजन किया। कुल 135 सह-प्रायोजकों के साथ, प्रस्ताव ने बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए मजबूत समर्थन दो. हराया। इसमें इन देशों के क्षेत्रों के खिलाफ ईरान द्वारा किए गए हमलों की 'कड़े शब्दों में' निंदा की गई और कहा गया कि ऐसी कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। प्रस्ताव में ईरान से पड़ोसी देशों के प्रति किसी भी उकसावे या धमकियों को 'तत्काल और बिना शर्त' रोकने की मांग की गई है। अमेरिका के प्रतिनिधि ने कहा कि ईरान सभी दिशाओं में हमले करता है। वहीं, डेनमार्क के प्रतिनिधि ने कहा कि इस महत्वपूर्ण क्षण में क्षेत्र की आवाजों को सुनना अनिवार्य है। प्रस्ताव में यह भी दोहराया गया कि व्यापारिक और वाणिज्यिक जहाजों को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार अपने नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का प्रयोग पूर्ण अधिकार होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में अमे. रिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि यह प्रस्ताव ईरानी शासन की क्रूरता की स्पष्ट निंदा है। वॉल्ट्ज ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी टीम ने राजनयिक बातचीत के हर प्रयास को आजमा लिया था।

रूस के शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद आसमान में आठ किलोमीटर की ऊंचाई तक धुएं और राख का गुब्बार फैल गया।

कामचटका ज्वालामुखी विस्फोट प्रतिक्रिया दल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रूसी विज्ञान अकादमी के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान की टीम ने गुरुवार को बताया कि ज्वालामुखी में विस्फोट के साथ-साथ उत्सर्जन गैस और भाप भी निकला। विस्फोटों के कारण राख समुद्र तल से 08 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई और राख का यह बादल ज्वालामुखी से 10 किलोमीटर पूर्व की ओर बढ़ गया।

■ राख का गुबार आठ किमी ऊंचाई तक उठा

यह विस्फोट करीब 15 मिनट तक चला। राख का यह गुबार पूर्व की ओर अमेरिका के अलेउतियन द्वीपों की दिशा में बढ़ रहा है। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात के लिए संभावित जोखिमों को देखते हुए विमानन सेवाओं के लिए 'ऑरेंज' एलर्ट जारी किया गया है। शिवेलुच ज्वालामुखी की ऊंचाई 3,283 मीटर है। यह कामचटका के सबसे बड़े शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 440 किलोमीटर और 4500 की आबादी वाले क्लयुची कस्बे से 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

जापान में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

2025 में गंवाए 6.5 करोड़ डॉलर, कंपनियों पर हमलों में चार गुना बढ़ोतरी

टोक्यो। जापान में साइबर अपराधियों ने वर्ष 2025 में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के जरिए लगभग 10.4 अरब एन (करीब 6.54 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का रिकॉर्ड नुकसान को अंजाम दिया है।

नेशनल पुलिस एजेंसी द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कुल नुकसान में से 55 प्रतिशत व्यक्तिगत खातों से था, जबकि 45 प्रतिशत हिस्सा कंपनियों का था। सबसे चिंता. जनक बात यह है कि कंपनियों को होने वाला नुकसान पिछले वर्ष की तुलना में चार गुना से अधिक बढ़कर 4.7 अरब एन तक पहुंच गया है। रिपोर्ट में खुला. सा हुआ है कि 90 प्रतिशत मामलों में 'फिशिंग स्कैम' का इस्तेमाल किया गया। इसमें पीड़ितों को झांसा देकर उनकी

■ सबसे चिंताजनक बात यह है कि कंपनियों को होने वाला नुकसान पिछले वर्ष की तुलना में चार गुना से अधिक बढ़कर 4.7 अरब एन तक पहुंच गया है

गोपनीय जानकारी चुराई गई। पिछले साल की तुलना में 7.3 लाख की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 24.5 लाख मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट की गई नकली वेबसाइटों की संख्या 3 लाख बढ़कर 10 लाख के पार पहुंच गई है। डेटा के अनुसार,फिरौती के मामलों या रैंसमवेयर हमलों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसी घटनाओं में हमलावर डेटा ब्लॉक कर फिरौती मांगते हैं। वर्ष 2025 में कुल 226 मामले सामने आए, जिनमें से 60 प्रतिशत शिकार लघु और मध्यम स्तर की कंपनियां बनीं। आधे से अधिक प्रभावित कंपनियों ने बताया कि डेटा रिकवरी में उन्हें एक करोड़ एन से अधिक का खर्च उठाना पड़ा, जबकि 5 मामलों में यह खर्च 10 करोड़ एन के भी पार निकल गया। जापान की पुलिस एजेंसी ने इस बढ़ते खतरे को देखते हुए नागरिकों और व्यापारिक संस्थानों को अपनी साइबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन के प्रति अधिक सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

दांडी मार्च: नमक सत्याग्रह ने हिला दिया था ब्रिटिश साम्राज्य को

नई दिल्ली। महात्मा गांधी ने अनुयायियों के एक छोटे समूह के साथ साबरमती आश्रम से एक सरल लेकिन क्रांतिकारी योजना को ध्यान में रखते हुए आज ही के दिन यानि 12 मार्च (1930) को दांडी की ओर पैदल यात्रा शुरू की थी। 78 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुई यह यात्रा धीरे-धीरे एक ऐसे बवंडर में बदल गई जिसने ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंका। नमक जैसी रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली साधारण सी वस्तु बनाकर दुनिया की सबसे शक्तिशाली सत्ता को चुनौती देने के लिए शुरू की गई यह पद यात्रा आधुनिक इतिहास की सबसे शक्तिशाली अवज्ञाओं में से एक बन गई। भारतीय स्वतंत्रता इतिहास में आज भी यह दिन एक निर्णायक क्षण के रूप में याद किया जाता है।

आतंकवाद मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरा: भारत

जेनेवा। भारत ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवा. धिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में इस बात को दोहराया कि आतंकवाद 'मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक' बना हुआ है और इसके खिलाफ एक 'एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता' है। भारत की ओर से राजदूत सिबी जॉर्ज ने परिषद के 61वें सामान्य सत्र में आह्वान किया कि परिषद सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दृढ़ रहे। राजदूत ने कहा कि जैसा कि विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने कुछ दिन पहले इस सम्मानित परिषद को संबोधित करते हुए रेखांकित किया था कि हमारे विचार-विमर्श केवल बयानों और प्रस्तावों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि सबसे कमजोर लोगों के दैनिक जीवन में मूर्त सुधार लाने वाले होने चाहिए। जॉर्ज ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। हमें इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने में अडिग रहना चाहिए। इस मुद्दे पर परिषद को एक स्वर में बोलना जारी रखना चाहिए।